THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 93 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.4 2083 शनिवार, 4 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

टीएमसी की रैली पर हाई कोर्ट सख्त

कोलकाता, 3 जुलाई (एजेंसियां)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अध्यक्ष ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को एक अवमानना याचिका में चार सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ याचिका में आरोप लगाया गया है कि पार्टी की वर्ष 2018 में 21 जुलाई की 'शहीद दिवस' रैली के दौरान मुख्य सड़कों को अवरूद्ध न करने संबंधी अदालत के पूर्व आदेश का उल्लंघन किया गया था। याचिकाकर्ता ने मई 2018 में कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा पारित आदेश की अवमानना का आरोप लगाया है।

आतंकवाद रुके बिना सिंधु जल संधि नहीं

पाकिस्तान को दो टूक- आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद करे

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने पाकिस्तान की ओर से लगातार उठाए जा रहे सिंधु जल संधि के मुद्दे पर करारा जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को पड़ोसी देख को चेतावनी देते हुए कहा कि पाकिस्तान को सीमा-पार आतंकवाद को अपना समर्थन भरोसेमंद और पक्के तौर पर छोड़ना होगा।

भारत ने पाकिस्तान को लगाई लताड़ :

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सिंधु जल संधि पर भारत का रुख पहले जैसा ही है। पाकिस्तान की ओर से लगातार सीमा पार आतंकवाद को समर्थन दिए जाने के कारण यह संधि फिलहाल स्थगित है। अगर पाकिस्तान चाहता है कि इस पर आगे बात हो, तो उसे सीमा पार आतंकवाद का समर्थन हमेशा के लिए पूरी तरह बंद करना होगा।

वेनेजुएला के सामने उठाया शव से कथित छेड़छाड़ का मामला :

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, वेनेजुएला में ड्यूटी के दौरान जहाज पर जान गंवाने वाले भारतीय नाविक राकेश चौहान के शव के साथ कथित छेड़छाड़ और अंग निकाले जाने के मामले को भारत ने वेनेजुएला सरकार के सामने उठाया है। हमने वहां की सरकार से इस मामले की जल्द और निष्पक्ष जांच कराने का अनुरोध किया है।

तीस्ता नदी परियोजना पर क्या कहा :

तीस्ता नदी परियोजना पर प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत की ओर से मदद दोनों देशों की आपसी सहमति से बने रोडमैप के आधार पर दी जाती है। इसकी नियमित समीक्षा भी की जाती है। तीस्ता नदी परियोजना पर भारत अपने विचार पहले ही बांग्लादेश को बता चुका है। इस मुद्दे पर आगे की अपनी नीति बनाने समय हम संभी संबंधित पहलुओं को ध्यान में रखेंगे।

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में भेजे गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल पर रणधीर जायसवाल ने कहा, बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा आज तेहरान गए हैं। वे सर्वोच्च नेता के निधन के बाद आयोजित अंतिम संस्कार समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अफगानिस्तान के मामले में, हमने पाकिस्तान से अफगानिस्तान पर हुए हवाई हमलों की कड़ी निंदा की थी, जिनमें महिलाओं और बच्चों समेत कई आम नागरिकों की जान चली गई थी। हमने इन कीमती जानें जाने पर अपनी संवेदना व्यक्त की थी। साथ ही, हमने अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के प्रति अपना मजबूत समर्थन भी दोहराया था।

एसीबी का बड़ा एक्शन

डीएसपी के 16 ठिकानों पर की छापेमारी

200 करोड़ से ज्यादा की मिली संपत्ति

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी ने पुलिस कंप्यूटर सर्विसेज के डीएसपी संकीरेड्डी भीम रेड्डी के घर पर छापा मारा। जांच में अधिकारी की 200 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति का खुलासा हुआ है। इसके साथ ही उन पर नौकरी के दौरान आय से अधिक संपत्ति जुटाने का आरोप है।

कितने जगहों पर ली तलाशी:

एसीबी के मुताबिक, डीएसपी संकीरेड्डी भीम रेड्डी के घर समेत कुल 16 ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली गई। इनमें उनके रिश्तेदारों, दोस्तों, कथित बेनामीदारों और सहयोगियों से जुड़े ठिकाने भी शामिल थे।

कई फ्लैट, प्लॉट और खेती की जमीन मिली :

रिपोर्ट के अनुसार तलाशी के दौरान तेलंगाना और कर्नाटक में फैली बड़ी संपत्तियों के दस्तावेज मिले। इनमें इब्राहिमबाग के वेसेला मीडोज में पेंटहाउस वाला लग्जरी जी+2 विला, गच्चीबावली, टेलीकॉम नगर और तेल्लापुर में चार फ्लैट, नागोल और पटनचेरु में तीन खाली प्लॉट शामिल हैं।

इसके अलावा, मणिकोंडा में जी+5 कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में हिस्सेदारी, 3,000 वर्ग फुट की व्यावसायिक जगह और कर्नाटक, संगारेड्डी, विकाराबाद तथा मुचिंताला में 50 एकड़ से ज्यादा खेती की जमीन से जुड़े दस्तावेज भी मिले। जांच में एक माइनिंग कंपनी में 75 लाख रुपये के निवेश का भी पता चला।

नकदी, सोना-चांदी और बैंक जमा भी मिले :

एसीबी ने डीएसपी के घर से 3.6 लाख रुपये नकद और एक कथित बेनामीदार के घर से 40 लाख रुपये बरामद किए। इसके अलावा 2 किलो सोने के गहने, 20 किलो चांदी की वस्तुएं और करीब 19.91 लाख रुपये के बैंक डिपॉजिट का भी पता चला।

200 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति का अनुमान :

जांच एजेंसी के अनुसार, बरामद अचल संपत्तियों की मौजूदा बाजार कीमत 200 करोड़ रुपये से ज्यादा आंकी गई है, जबकि उनकी रजिस्टर्ड कीमत इससे काफी कम है। तलाशी के दौरान घर से विदेशी शराब की 23 बोतलें भी मिलीं, जिसकी जानकारी आगे की कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को दे दी गई है।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज :

वहीं, डीएसपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 संशोधन) की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसीबी का कहना है कि जांच अभी जारी है और अवैध संपत्ति की कुल कीमत बढ़ सकती है। इसके साथ ही, इस मामले में अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

ईरान में खामेनेई का अंतिम संस्कार शुरू

14 महीने की पोती का ताबूत भी रखा गया

श्रद्धांजलि देने आए राष्ट्रपति पजशकियान रो पड़े

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 3 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की अंतिम विदाई की रस्में शुरू हो गई हैं। खामेनेई के साथ उनकी 14 महीने की पोती, पत्नी, बेटी और दामाद को भी श्रद्धांजलि दी जा रही है। खामेनेई की पोती के छोटे से ताबूत के पास उसकी तस्वीर भी रखी गई है।

तेहरान के मोसल्ला परिसर में अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्यों के ताबूत रखे गए हैं। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान समेत देश का शीर्ष नेतृत्व तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में खामेनेई को श्रद्धांजलि देने पहुंचा। इस दौरान पजशकियान भावुक होकर रो पड़े। उनके साथ मौजूद कई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और कई सैन्य अधिकारी भी अपने आंसू नहीं रोक सके।

खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हवाई हमले में मौत हो गई थी। 131 दिन बाद, 9 जुलाई को उन्हें ईरान के मशहद शहर में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अस्पताल में भर्ती : अशोक गहलोत ने जाना हाल

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को बीमार पड़ने के बाद जयपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनका इलाज जयपुर के ईएचसीसी अस्पताल में चल रहा है।

बताया जा रहा है कि यह प्रक्रिया अमेरिका में रहने वाले मशहूर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सामिन शर्मा की सीधी देखरेख में की जाएगी।

अस्पताल प्रशासन ने बताया कि शारीरिक परेशानी के कारण भर्ती होने के बाद धनखड़ के कई मेडिकल टेस्ट किए गए। टेस्ट के नतीजों के आधार पर डॉक्टरों ने तुरंत एंजियोप्लास्टी करने का फैसला किया। डॉक्टरों की एक खास टीम उनकी हालत पर बारीकी से नजर रख रही है। हालांकि, अस्पताल ने अभी तक उनकी मौजूदा सेहत के बारे में कोई ज्यादा जानकारी नहीं दी है।

अशोक गहलोत ने की मुलाकात :

इस बीच, पूर्व उपराष्ट्रपति के बीमार होने की खबर से राजनीतिक हलकों में चिंता फैल गई है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत कई बड़े राजनीतिक नेता उनसे मिलने और उनकी सेहत का हाल जानने के लिए अस्पताल पहुंचे।

गुजरात एटीएस की बड़ी कार्रवाई

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आठ संदिग्ध गिरफ्तार

अहमदाबाद, 3 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से कथित संबंध रखने और राज्य में संगठन का सक्रिय नेटवर्क खड़ा करने की साजिश रचने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारियां गुजरात और मध्य प्रदेश में की गईं। एटीएस के अनुसार, विस्तृत जांच के बाद एटीएस पुलिस स्टेशन में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), 1967 की धाराएं 13, 17, 18, 38 और 39 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धाराएं 148 और 61 के तहत मामला दर्ज किया गया। एटीएस अधिकारियों ने दावा किया कि गिरफ्तार सभी आठ आरोपी प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए हैं और राज्य में संगठन का सक्रिय नेटवर्क तैयार कर उसकी आतंकी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे थे।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बनासकांठा जिले के पालनपुर शहर के भागल निवासी अहमद अब्दुल्ला गाजीवाला उर्फ अबू उबैदा (19), इब्राहिम मोहम्मद हुसैन घाघा उर्फ अबू हमजा (30), मुदस्सिर अब्दुल्ला गाजीवाला उर्फ अबू आया (22), पाटन जिले के सिद्धपुर स्थित खडियासणा की जामिया अबुल हसन मदरसा के जकारिया दुरानी मोहम्मद अम्मार घाघा उर्फ इब्न अम्मार उर्फ जकारिया पालनपुरी (21), उसी मदरसे के मुफ्ती फौजान इस्माइल दौवा उर्फ मुफ्ती साहब (40), मोहम्मद अमीन शेरा उर्फ अमीन पालनपुरी (21), नवसारी जिले के चिखली के अंभेटा स्थित जामिया रहमानिया खंभिया के मोहम्मद अब्दुल रहमान सावदी उर्फ मोहम्मद पालनपुरी उर्फ अबू उनीसा (22) तथा मध्य प्रदेश के देवास शहर के वारसी नगर निवासी बिलाल दुरानी मोहम्मद अम्मार घाघा उर्फ अबू दुजाना, अबू सुफियान, अबू जुंदाल और उमर बिन खत्ताब (18) के रूप में हुई है।

एटीएस ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आतंकी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एटीएस ने यह भी बताया कि हाल के वर्षों में राज्य में आतंकवाद विरोधी अभियानों के तहत कई अहम कार्रवाइयां की गई हैं। इसी वर्ष जनवरी में एटीएस और नवसारी पुलिस ने उत्तर प्रदेश के एक 22 वर्षीय युवक को नवसारी से गिरफ्तार किया था।

चीन के सामने झुक रही सरकार?

कांग्रेस का दावा- चीनी कंपनियों को सरकारी टेंडर में हिस्सा लेने की मिली अनुमति

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार का चीन के सामने टेकने का सिलसिला जारी है, जिससे देश के उद्योगों को बड़ा नुकसान हो रहा है, खासकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग।

पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। उस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारत सरकार ने चीन की उन चार बिजली उपकरण बनाने वाली कंपनियों को अहम सरकारी बिजली

परियोजनाओं के टेंडर में हिस्सा लेने की अनुमति दी है, जिनकी फैक्ट्रियां भारत में हैं।

अपने पोस्ट में जयराम रमेश ने कहा, मोदी सरकार का चीन के सामने सोच-समझकर जुकने का सिलसिला जारी है। इसी समय भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जिससे देश के उद्योगों का बड़ा नुकसान हो रहा है, खासकर एमएसएमई। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन की उकसाने वाली गतिविधियां लगातार जारी हैं।

रमेश ने दावा किया कि मेडोग (तिब्बत का दूरदराज क्षेत्र का जिला) में दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना का निर्माण जारी है। इससे ब्रह्मपुत्र नदी से जुड़ी भारत की जल सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

अमरनाथ यात्रा 2026

पीएम मोदी ने श्रद्धालुओं को लिखा पत्र

सुरक्षित यात्रा के साथ पांच संकल्प लेने की अपील

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा शुरू होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के श्रद्धालुओं के नाम एक विशेष पत्र लिखकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बाबा बर्फानी के दर्शन हर शिवभक्त के लिए सौभाग्य का विषय हैं और यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था का नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने श्रद्धालुओं से सुरक्षित यात्रा करने, पर्यावरण की रक्षा करने और स्थानीय लोगों का सहयोग करने की अपील की। साथ ही उन्होंने पांच महत्वपूर्ण संकल्प लेने का भी आग्रह किया, ताकि यह यात्रा आस्था के साथ-साथ सेवा और राष्ट्र निर्माण का संदेश भी दे सके।

प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि ज्येष्ठ पूर्णिमा पर प्रथम पूजा के साथ ही बाबा अमरनाथ के दर्शन का पावन क्रम शुरू हो जाता है और देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु इस यात्रा में शामिल होने पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि अमरनाथ धाम की यात्रा आध्यात्मिक ऊर्जा देने के साथ-साथ भारत की विविधता में एकता की भावना को भी मजबूत करती है। अलग-अलग राज्यों, भाषाओं और परंपराओं से जुड़े लोग एक ही आस्था के साथ बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। प्रधानमंत्री ने यात्रा के सफल संचालन के लिए श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड, जम्मू-कश्मीर प्रशासन, भारतीय सेना, सीआरपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस, आईटीबीपी, बीएसएफ, एनडीआरएफ, चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों, सफाई कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के योगदान की भी सराहना की।

प्रधानमंत्री ने श्रद्धालुओं से कौन-कौन से संकल्प लेने की अपील की :

प्रधानमंत्री मोदी ने श्रद्धालुओं से पांच महत्वपूर्ण संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने यात्रा मार्ग पर स्वच्छता बनाए रखने और किसी भी तरह की गंदगी न फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी श्रद्धालु प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के दिशा-निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन करें तथा बारिश, ठंड और कठिन मौसम को देखते हुए पूरी सावधानी बरतें। इसके अलावा उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश देते हुए आग्रह किया कि यात्रा पर होने वाले कुल खर्च का कम से कम 10 प्रतिशत हिस्सा

जम्मू-कश्मीर के स्थानीय उत्पादों की खरीद पर खर्च करें, ताकि स्थानीय लोगों की आजीविका मजबूत हो सके। उन्होंने रक्षाबंधन के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधा लगाने और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने का भी आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमरनाथ यात्रा केवल भगवान शिव के दर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की सनातन परंपरा, सेवा भाव और सांस्कृतिक एकता का जीवंत उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान जम्मू-कश्मीर के स्थानीय नागरिक श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत करते हैं, जबकि देशभर से आने वाले लोग लंगर और भंडारों के माध्यम से निःस्वार्थ सेवा करते हैं।

मंदिर चढ़ावा चोरी पर संघ ने जारी किया बयान

चोरी की घटना से राम भक्तों की श्रद्धा को आघात पहुंचा

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या में रामलला मंदिर चढ़ावा चोरी होने की घटना पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कड़ा बयान जारी किया। संघ ने कहा कि यह घटना केवल चोरी का मामला नहीं है, बल्कि इससे करोड़ों राम भक्तों की आस्था और श्रद्धा को गहरा आघात पहुंचा है। संघ ने दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए मंदिर प्रबंधन और व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया है।

क्या बोला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और क्यों जताई चिंता :

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने जारी बयान में कहा कि श्री राम जन्मभूमि पर बना भव्य मंदिर पीढ़ियों के संघर्ष, करोड़ों राम भक्तों के समर्पण, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। यही कारण है कि यह मंदिर पूरे हिंदू समाज की आस्था, श्रद्धा और भक्ति का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में अयोध्या स्थित श्री रामलला मंदिर के दान पात्रों में जमा धनराशि की चोरी की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। संघ ने कहा कि इस घटना से पूरे समाज और राम भक्तों की भावनाएं आहत हुई हैं। इसलिए इस मामले को सामान्य अपराध की तरह नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े गंभीर विषय के रूप में देखा जाना चाहिए।

दोषियों पर क्या कार्रवाई की मांग की गई :

संघ ने अपने बयान में कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के आग्रह पर उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।

जांच दल की सिफारिश के आधार पर कानूनी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। संघ ने स्पष्ट कहा कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। साथ ही यह भी कहा गया कि न्याय तभी पूरा माना जाएगा, जब दोषियों को कानून के अनुसार सख्त दंड मिलेगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी।

मंदिर प्रबंधन से संघ की क्या अपेक्षा है :

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा कि इस घटना को असाधारण मानते हुए मंदिर प्रबंधन को व्यवस्था और संचालन की सभी कमियों को दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। संघ के अनुसार वर्तमान में जो भ्रम और असमंजस की स्थिति बनी है, उसे जल्द समाप्त करना जरूरी है।

'चढ़ावा चोरी पाप नहीं, महापाप'

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बोले- कानून के साथ भगवान भी देंगे दंड

अयोध्या, 3 जुलाई (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका संतों और श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि यह केवल पाप नहीं, बल्कि महापाप है। उन्होंने कहा कि जो भी इस कृत्य में दोषी होगा, उसे कानून के तहत सजा मिलेगी और भगवान भी उसे उसके कर्मों का दंड देंगे।

उन्होंने कहा कि उन्हें एसआईटी की जांच, देश की कानून व्यवस्था और सरकार पर पूरा भरोसा है।

जांच निष्पक्ष होगी और सभी दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने यह भी आरोप लगाया कि देश में संतों, महंतों, मठों और मंदिरों के खिलाफ सुनियोजित षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों का उद्देश्य

लोगों की धार्मिक आस्था और श्रद्धा को कमजोर करना है, इसलिए समाज को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह के भ्रम या दुष्प्रचार में नहीं आना चाहिए। सत्य सामने आएगा और दोषियों को कानून के साथ-साथ ईश्वर का भी दंड मिलेगा। धीरेंद्र कृष्ण ने हनुमानगढ़ी पहुंचकर हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी राजू दास के गुरु महंत संतराम दास के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उनके निधन को संत परंपरा की अपूर्णीय क्षति बताया।

ध्रुव राठी के हिंदू देवी-देवताओं वाले 'आपत्तिजनक' वीडियो पर दिल्ली एचसी सख्त

केंद्र सरकार से पूछा- कब हटेगा?

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। यूट्यूबर ध्रुव राठी के हिंदू-देवताओं के मांस खाने वाले वीडियो पर शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र की शिकायत कमिटी को वीडियो हटाने पर फैसला करने के लिए 15 दिन का समय दिया है। आरोप है कि राठी ने हिंदी देवी-देवताओं को लेकर एक अपमानजनक वीडियो अपलोड और पब्लिश किया है। शिकायतकर्ता अमिता सचदेवा ने आरोप लगाया था कि वीडियो में सनातन धर्म का अपमान, हिंदू धर्मग्रंथों को गलत तरीके से पेश करना, हिंदू-विरोधी भावनाएं फैलाना और धार्मिक अशांति भड़काना शामिल है। ये सभी गंभीर अपराध हैं जिन पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा शुरू

तीर्थयात्री गुफा मंदिर की ओर बढ़े

श्रीनगर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। शुक्रवार को 57 दिनों की अमरनाथ यात्रा शुरू हुई। कड़ी सुरक्षा के बीच तीर्थयात्री बालटाल और पहलगाम बेस कैंप से दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3800 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर के लिए रवाना हुए। इस बीच, जम्मू-कश्मीर सरकार ने अमरनाथ यात्रियों को सलाह दी है कि वे केवल अपनी रजिस्टर्ड तारीख पर ही यात्रा करें और चेतावनी दी है कि किसी भी यात्री को उनकी रजिस्टर्ड तारीख से पहले यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। आज सुबह पहलगाम बेस कैंप से अनंतनाग के डिप्टी कमिश्नर बिलाल भट और एसएसपी अनंतनाग अमोद नागपुरे ने तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा को सुरक्षित और सुचारू रूप से चलाने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

पुलिस, पैरामिलिट्री फोर्स और सेना यात्रा के काफिलों को सुरक्षा दे रहे हैं। मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में सबसे छोटे बालटाल रूट से, गुफा मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को सुबह जेकेपीडीसी के एमडी राहुल यादव, गांदरबल के डीसी जतिन किशोर और

जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कल उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से अमरनाथ यात्रा के लिए 4822 तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। तीर्थयात्रियों को सुरक्षा काफिले के साथ सुरक्षित कश्मीर पहुँचाया गया, जहाँ जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। रजिस्टर्ड यात्रियों को पर्सनलाइज़्ड रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफ़िकेशन (आरएफआईडी) कार्ड जारी किए गए हैं, जिनमें जीपीएस-इनेबल्ड ट्रैकिंग की सुविधा है। इससे अधिकारियों को तीर्थयात्रियों की आवाजाही को ट्रैक करने, आपात स्थिति में उनसे संपर्क करने और तय जगहों से उनकी यात्रा पर नज़र रखने में मदद मिलती है। अमरनाथ यात्रा करने के लिए बड़ी संख्या में तीर्थयात्री कश्मीर पहुँचे हैं। 57 दिनों की यह यात्रा 28 अगस्त को रक्षा बंधन के दिन समाप्त होगी।

अभिषेक बनर्जी का एसटीएफ-सीआईडी पर हमला

बोले- मेरे करीबी लोगों को झूठे बयान देने को किया जा रहा मजबूर

कोलकाता, 3 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी ने पश्चिम बंगाल सरकार की विशेष कार्यबल (एसटीएफ) और सीआइडी पर राजनीतिक प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि पिछले दो सप्ताह के दौरान पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ और सीआइडी ने उनके कार्यालय से जुड़े अथवा उनके करीबी करीब 25 लोगों को बिना उचित नोटिस और कानूनी प्रक्रिया का पालन किए पूछताछ के नाम पर तलब किया या पकड़ा।

अभिषेक बनर्जी बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि पूछताछ के दौरान इन लोगों को डराया-धमकाया जा रहा है और उन पर उनके खिलाफ झूठे बयान देने का दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके सहयोगियों के फोन टैप किये जा रहे हैं तथा उनके परिवार के सदस्यों, यहां तक कि महिलाओं को भी परेशान और धमकाया जा रहा है। अभिषेक बनर्जी यहीं उन्होंने आगे आरोप लगाया कि यह राजनीतिक प्रताड़ना का सबसे बुरा उदाहरण है।

जिस सरकार के मुख्यमंत्री कथित तौर पर कैमरे पर रिश्वत लेते पकड़े गये और जिन पर सीबीआई के कई मामले लंबित हैं, वही सरकार अब राज्य की जांच एजेंसियों का इस्तेमाल उन्हें निशाना बनाने के लिए कर रही है। तृणमूल नेता ने कहा कि इस तरह के दबाव और कार्रवाई से वह डरने वाले नहीं हैं। अभिषेक बनर्जी ने अपनी पोस्ट के अंत में लिखा, "जो करना है कर लीजिए। मैं अपनी आखिरी सांस तक झुकने वाला नहीं हूं।" बनर्जी के इन आरोपों पर फिलहाल पश्चिम बंगाल पुलिस, एसटीएफ, सीआइडी या राज्य सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आयी है।

आंध्र प्रदेश के जूनियर वकीलों के लिए अच्छी खबर

कुरनूल में हाईकोर्ट बेंच के लिए जमीन आवंटित

कुरनूल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश सरकार ने कुरनूल में हाई कोर्ट बेंच स्थापित करने की अपनी इच्छा के अनुसार एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। हम जल्द ही कुरनूल में हाई कोर्ट बेंच स्थापित करेंगे और इस संबंध में सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। राज्य के कानून मंत्री एनएमडी फारूक ने स्पष्ट किया कि प्रक्रियाओं में तेजी लाई जा रही है। उन्होंने अपने दो साल के कार्यकाल की प्रगति के बारे में बताते हुए यह घोषणा की। मंत्री ने कहा कि बेंच स्थापित करने के लिए कुरनूल में जगह पहले ही आवंटित कर दी गई है और फिलहाल हाई कोर्ट के साथ बातचीत चल रही है।

हमने इससे संबंधित प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजे और सभी अनुमतियां प्राप्त कर ली हैं; उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार जल्द ही बेंच स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस

अवसर पर सरकार ने राज्य के जूनियर वकीलों को एक तोहफा दिया। मंत्री फारूक ने जूनियर वकीलों को दिए जाने वाले मौजूदा 5,000 रुपये के वजीफे (स्टाइपेंड) को दोगुना करके 10,000 रुपये करने की घोषणा की। इससे संबंधित आदेश जल्द ही जारी किए जाएंगे। उन्होंने न्यायिक प्रणाली को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे अन्य कदमों के बारे में भी बताया। राज्य भर में 96 नई अदालतें स्थापित करने के साथ-साथ, न्यायिक प्रणाली में 1770 पदों पर नियुक्ति के लिए सरकार ने आदेश जारी किए हैं।

कोर्ट की इमारतों, जजों के आवासों और गेस्ट हाउसों के निर्माण और विकास के लिए 216 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। अन्य महत्वपूर्ण फैसलों के तहत, कानून अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 61 वर्ष कर दी गई है और हाई कोर्ट के जजों के लिए ग्रेच्युटी की सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है। हाई कोर्ट में एजीपी के मानदेय में 25 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, स्पेशल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट का वेतन 30,000 रुपये से बढ़ाकर 45,000 रुपये कर दिया गया है और परिवहन खर्च के लिए प्रति माह 5,000 रुपये का अतिरिक्त अनुदान दिया जाएगा। मंत्री फारूक ने इन बातों की जानकारी दी।

बेटी के साथ गलत हरकत करने की कोशिश करने पर एक व्यक्ति का पैर तोड़ा

तिरुवनंतपुरम, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पोथेनकोड पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत एक 40 साल के व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस व्यक्ति पर 13 साल की लड़की के साथ गलत हरकत करते हुए पकड़े जाने के बाद लड़की के पिता ने हमला किया था। पुलिस ने बताया कि यह घटना दोपहर को हुई। पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति ने लड़की के साथ गलत हरकत की। एक स्थानीय निवासी ने उस व्यक्ति को लड़की को अपने घर ले जाते हुए देखा, तो उसे शक हुआ और उसने लड़की के पिता को खबर दी। जब पिता घर के अंदर गए, तो उन्होंने उस व्यक्ति को अपनी बेटी के साथ गलत हरकत करते हुए देखा। उन्होंने पहले लड़की को बचाया और फिर लकड़ी का एक लट्ठा उठाकर उस व्यक्ति पर हमला कर दिया, जिससे उसका पैर टूट गया। घायल व्यक्ति ने पुलिस से शिकायत की और दावा किया कि पुरानी दुश्मनी के कारण पड़ोसी ने उस पर हमला किया था।

पूर्व मुख्यमंत्री वाईएसआर कांग्रेस अध्यक्ष जगन ने टैक्सी ड्राइवर के शोक-संतप्त परिवार से मुलाक़ात की

विजयवाड़ा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने विजयवाड़ा के कृष्णलंका में टैक्सी ड्राइवर क्रांति कुमार के घर जाकर उनके परिवार को भरोसा दिलाया कि पार्टी उन्हें न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करेगी। 40 साल से कम उम्र के कुमार ने आत्महत्या कर ली थी। मरने से पहले उन्होंने एक वीडियो रिकॉर्ड किया था जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि पुलिस उन्हें महीनों से परेशान कर रही थी और उन्होंने पूर्व सर्कल इंस्पेक्टर नागराजू और अन्य लोगों का नाम भी लिया था। जगन ने कुमार की पत्नी, बच्चों और पिता को सांत्वना दी और उनके दुखद हालात को दिल दहला देने वाला बताया, क्योंकि उनके तीन छोटे बच्चे अब बेसहारा हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि कुमार के ख़िलाफ़ मामूली मामले सालों पहले ही बंद हो चुके थे, फिर भी उन्हें तीन महीने तक रोज़ाना पुलिस स्टेशन में हाज़िरी लगाने के लिए मजबूर किया गया, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। जगन ने कहा कि कुमार के मरने से पहले दिए गए बयान (डाइंग डिक्लेरेशन) में उत्पीड़न का साफ़ ज़िक्र था, फिर भी उनके पिता द्वारा पुलिस कमिश्नर को वीडियो दिखाए जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने राजधानी में 'प्रोटेक्शन रैकेट' का आरोप लगाते हुए कहा कि नागराजू को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और मुख्यमंत्री का संरक्षण प्राप्त था।

एपी में वार्डन ने बीमार लड़की को इलाज के लिए 6 किमी तक अपनी पीठ पर उठाया

अमरावती, 3 जुलाई (एजेंसियां)। समर्पण और इंसानियत की एक बहुत ही दिल छू लेने वाली घटना में, एक आदिवासी कल्याण आश्रम स्कूल की वार्डन ने एक बीमार छात्रा को समय पर इलाज दिलाने के लिए 6 किमी तक अपनी पीठ पर उठाया। हालांकि यह घटना बुधवार को हुई थी, लेकिन इसका पता तब चला जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वार्डन का बुखार से पीड़ित लड़की को अपनी पीठ पर ले जाते हुए एक वीडियो वायरल हो गया। वडापुट्टी गांव की वटाका भुवनेश्वरी, गुम्मलक्ष्मीपुरम मंडल के भद्रागिरी स्थित आश्रम स्कूल में सातवीं कक्षा में पढ़ती है। कुछ दिन पहले बुखार के लिए अस्पताल में इलाज कराने के बाद वडापुट्टी में अपने घर पर ठीक हो रही लड़की फिर से बीमार पड़ गई। इस बारे में पता चलने पर, आश्रम स्कूल की वार्डन कुंबुरका हेमानी, एक प्राइवेट एएनएम (ऑक्सिलरी नर्स मिडवाइफ) स्वप्ना के साथ वडापुट्टी पहुंचीं। एएनएम ने बताया कि लड़की को तुरंत मेडिकल मदद की ज़रूरत थी।

चूंकि वडापुट्टी से नेल्लिकेककुवा में सबसे पास की गाड़ी चलने लायक सड़क तक कोई ठीक कनेक्टिविटी नहीं थी, इसलिए हेमानी ने लड़की को अपनी पीठ पर उठाया। बाद में, लड़की को एक गाड़ी से पार्वतीपुरम के ज़िला अस्पताल ले जाया गया। लड़की का इलाज करने के बाद, डॉक्टरों ने कहा कि उसे समय पर अस्पताल लाया गया था। कुरुपम मंडल के सोब्बा गांव की रहने वाली हेमानी ने टीएनआईई से बात करते हुए कहा, भुवनेश्वरी अपने चाचा की देखरेख में रहती है। वह खुद भी बीमार है, इसलिए लड़की को अस्पताल नहीं ले जा सकता था। इसलिए, मैंने लड़की को अस्पताल ले जाने की पहल की, हालांकि उसे 6 किमी तक अपनी पीठ पर उठाना वाकई मुश्किल था। सरकार से मेरी अपील है कि एजेंसी इलाके के दूर-दराज और पहाड़ी गांवों में बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाए ताकि आदिवासियों को मेडिकल इमरजेंसी में समय पर इलाज मिल सके।

मंगलगिरि इलाके के लिए नई शान

मंत्री लोकेश ने विकास कार्यों की आधारशिला रखी

अमरावती, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य के आईटी और शिक्षा मंत्री नारा लोकेश ने मंगलगिरि के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के विकास और जीर्णोद्धार कार्यों का उद्घाटन किया। उन्होंने 6.13 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले कई महत्वपूर्ण कार्यों के लिए निचले सन्निधि में भूमि पूजन किया। इस परियोजना के माध्यम से ऐतिहासिक इमारतों के जीर्णोद्धार के साथ-साथ भक्तों को बेहतर सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। मंदिर पहुंचने पर पुजारियों और अधिकारियों ने मंत्री लोकेश का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इसके बाद, मंदिर में नई यज्ञशाला, वाहनशाला और घंटा मंडप के पुनर्निर्माण कार्य के लिए भूमि पूजन किया गया। उन्होंने ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण श्री कृष्ण देवराय मंडप के जीर्णोद्धार कार्य की भी शुरुआत की।

इस अवसर पर लगाई गई पट्टिका का अनावरण किया गया और काम से संबंधित तस्वीरों का निरीक्षण किया गया। इसके बाद, मंत्री लोकेश ने श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी और राज्य लक्ष्मी अम्मावर के दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की। विद्वानों ने उन्हें

वैदिक ग्रंथ और स्वामी का पवित्र प्रसाद भेंट किया। इस मौके पर मंत्री लोकेश ने मंदिर परिसर का पूरा दौरा किया और अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश व सुझाव दिए। उन्होंने भक्तों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए मंदिर के व्यापक विकास हेतु एक मास्टर प्लान तैयार करने का आदेश दिया। यह स्पष्ट किया गया कि सभी कार्य मंदिर की परंपराओं और आगम शास्त्र के नियमों के अनुसार होने चाहिए। दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए दैनिक आशीर्वाद वितरण की व्यवस्था करने का सुझाव दिया गया। साथ ही, मंदिर परिसर का निरीक्षण किया गया और इसके विकास के लिए आवश्यक सलाह दी गई। ये विकास कार्य देवदाय विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए 6.13 करोड़ रुपये के फंड से किए जाएंगे। इसमें ऐतिहासिक श्री कृष्ण देवराय मंडप का जीर्णोद्धार, नई यज्ञशाला, घंटा मंडप और वाहन शेड (वाहनशाला) जैसे महत्वपूर्ण पुनर्निर्माण कार्य शामिल हैं। इन कार्यों का उद्देश्य मंगलगिरि क्षेत्र की पुरानी शान को तेजी से और गुणवत्तापूर्ण तरीके से बहाल करना है।

मंत्री ने अधिकारियों को इन कार्यों को पूरा करने का आदेश दिया। कार्यक्रम के बाद, मंत्री लोकेश ने लोगों से आवेदन लिए। स्थानीय लोगों ने कार्यकर्ताओं के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। इस कार्यक्रम में देवदाय विभाग के कमिश्नर के। रामचंद्र मोहन, मंदिर के ईओ कोगंती सुनील कुमार, मंदिर ट्रस्टी काउंसिल के सदस्यों और कई अन्य लोगों के साथ-साथ टीडीपी के प्रमुख नेताओं और अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

सुरक्षा दस्तावेज लीक केस में बठिंडा के हिंदू नेता संदीप पाठक को राहत, हाईकोर्ट से मिली जमानत; जेल से हुए रिहा

बठिंडा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े गोपनीय पत्र के कथित लीक मामले में गिरफ्तार हिंदू नेता एवं अधिवक्ता संदीप पाठक को बड़ी कानूनी राहत मिली है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद शुक्रवार दोपहर उन्हें केंद्रीय जेल बठिंडा से रिहा कर दिया गया। हाईकोर्ट के आदेश के बाद उनकी रिहाई होते ही इस मामले को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार बठिंडा पुलिस ने कुछ समय पहले संदीप पाठक तथा पुलिस विभाग के एक अज्ञात कर्मचारी के खिलाफ सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े गोपनीय दस्तावेज के कथित रूप से लीक होने के आरोप में मामला दर्ज किया था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने संदीप पाठक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। मामले की जांच के दौरान अब तक पुलिस उस कर्मचारी की पहचान नहीं कर सकी है, जिस पर गोपनीय दस्तावेज लीक करने में सहयोग का आरोप लगाया गया था।

तीन बच्चों की हत्या के बाद महिला ने किया सुसाइड, मानसा में 4 शव मिलने से मचा हड़कंप

मानसा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के मानसा से एक ऐसी दर्दनाक घटना सामने आई है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। वार्ड नंबर-3 में एक महिला ने कथित तौर पर अपने तीन नाबालिग बच्चों की हत्या करने के बाद खुद भी फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। आखिर इस सामूहिक मौत के पीछे क्या वजह रही, इसका पता लगाने में पुलिस जुटी हुई है। दरअसल, मानसा के वार्ड नंबर-3 में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत की खबर सामने आई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महिला ने पहले अपने तीन नाबालिग बच्चों की जान ली और इसके बाद खुद भी फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

बताया जा रहा है कि महिला के पति का करीब चार वर्ष पहले निधन हो चुका था। इसके बाद वह अपनी सास और तीन बच्चों के साथ किराये के मकान में रह रही थी। मृतकों में दो बेटियां और डेढ़ साल का एक मासूम बेटा शामिल है। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

14 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाने के बाद महिला जज को मिली धमकी

डीजीपी से जवाब तलब; हाईकोर्ट का कड़ा रुख

जबलपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। गौ तस्करी व मॉब लिंचिंग के बहुचर्चित मामले में 14 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाने के बाद इंटरनेट मीडिया पर मिली धमकियों को हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया है। युगलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि ऐसी गतिविधियां सीधे तौर पर न्यायिक स्वतंत्रता और न्यायिक अधिकारियों के निडर होकर कार्य करने में बाधा डालती हैं। युगलपीठ ने उपद्रवियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के संबंध में प्रदेश के पुलिस महानिदेशक तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) से तीन दिनों के भीतर हलफनामा प्रस्तुत करने को कहा है।

गौरतलब है कि जजों की सुरक्षा से संबंधित संज्ञान याचिका की सुनवाई के दौरान युगलपीठ ने सिवनी मालवा में पदस्थ महिला न्यायाधीश तबस्सुम खान को गौ तस्करी व मॉब लिंचिंग के बहुचर्चित मामले में 14 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाने के बाद इंटरनेट मीडिया पर मिली धमकियों को गंभीरता से लिया। याचिका की सुनवाई के दौरान युगलपीठ को बताया गया कि नर्मदापुरम की पुलिस अधीक्षक ने अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश तबस्सुम खान को सुरक्षा प्रदान कर दी है।

युगलपीठ ने अपने आदेश में कहा कि नर्मदापुरम में न्यायिक अधिकारी के लिए भय का माहौल बना दिया गया है। ऐसी गतिविधियां सीधे तौर पर न्यायिक स्वतंत्रता और न्यायिक अधिकारियों के निडर होकर कार्य करने में बाधा डालती हैं। युगलपीठ ने कहा कि नर्मदापुरम की पुलिस अधीक्षक यह भी बताएं कि उन लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है, जिन्होंने न्यायिक अधिकारी को धमकाने का माहौल बनाया है। युगलपीठ ने इस मामले में पुलिस महानिदेशक तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह विभाग) को तीन दिनों के भीतर व्यक्तिगत हलफनामा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई नौ जुलाई को निर्धारित की गई है।

तेज रफ्तार ट्रक ने मचाई तबाही, भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत, कई घायल

मार्कापुरम, 3 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम जिले में एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, वहीं, कई अन्य घायल हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से हुआ। पुलिस ने मृतकों की पहचान नल्लाबंडा बाजार, गिड्डालूर निवासी अवुला अलकनंदा (19), अवुला अंकलु (20), अवुला नागेश (17) और अवुला नागेश्वरी (2) के रूप में की है। दुर्घटना में घायल हुए लोगों को तुरंत इलाज के लिए कम्भम सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी स्थिति पर डॉक्टर बारीकी से नजर बनाए हुए हैं।

पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दुर्घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दोषी पाए जाने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर सड़कों पर तेज रफ्तार ड्राइविंग के खतरनाक नतीजों को उजागर किया है।

नदिया के सुपारी कारोबारी अशोक अधिकारी के घर और गोदाम पर ईडी की छापेमारी

कोलकाता, 3 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार तड़के पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के नवद्वीप स्थित मणिपुर इलाके में सुपारी कारोबारी अशोक अधिकारी के आवास और गोदाम पर छापेमारी की। मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच के सिलसिले में यह कार्रवाई की गयी। सुबह करीब पांच बजे ईडी की टीम केंद्रीय बलों के जवानों के साथ पहुंची और पूरे परिसर को घेरकर तलाशी शुरू की। सूत्रों के अनुसार, ईडी अधिकारी अशोक अधिकारी के घर और व्यवसाय से जुड़े दस्तावेज, वित्तीय लेनदेन, बैंक रिकॉर्ड तथा अन्य महत्वपूर्ण कागजात की जांच कर रहे हैं। जरूरत पड़ने पर कुछ दस्तावेज जब्त भी किए जा सकते हैं। जांच एजेंसी उनके संभावित वित्तीय लेनदेन और मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़े संबंधों की पड़ताल कर रही है। बताया जाता है कि अशोक अधिकारी नवद्वीप के जाने-माने सुपारी कारोबारी हैं।

अशोक अधिकारी का कारोबार केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं है, बल्कि असम और त्रिपुरा में भी फैला हुआ है। वह लंबे समय से इस व्यवसाय से जुड़े हैं। इसी वजह से ईडी की कार्रवाई से इलाके में काफी हलचल मच गयी है और सुबह से बड़ी संख्या में लोग उनके घर के बाहर जुटे हुए हैं। तलाशी के दौरान बैंक प्रतिनिधि भी जांच दल के साथ मौजूद हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर बैंक खातों, वित्तीय लेनदेन और संपत्ति संबंधी दस्तावेजों का तत्काल सत्यापन किया जा सके। जांच में किसी प्रकार की बाधा न आये, इसके लिए केंद्रीय बलों के जवान पूरे परिसर के बाहर तैनात किये गये हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि तलाशी अभियान कब तक चलेगा। समाचार लिखे जाने तक न तो ईडी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है और न ही अशोक अधिकारी या उनके परिवार की ओर से इस कार्रवाई पर कोई प्रतिक्रिया सामने आयी है।

सुविचार: "दूसरों की राय को अपनी वास्तविकता न बनने दें। अपने लक्ष्यों के प्रति जुनूनी बनें और कड़ी मेहनत करें।"

बीआरएस सरकार तेलंगाना पर 8.21 लाख करोड़ रुपये का कर्ज छोड़ गई : भट्टी विक्रमार्क

डिप्टी सीएम ने योजनाओं के बारे में भी गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने बीआरएस नेताओं टी. हरीश राव और के.टी. रामाराव पर राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर निराधार आरोप लगाने का आरोप लगाते हुए कहा कि बीआरएस सरकार अपने दस वर्षों के शासनकाल में तेलंगाना को भारी कर्ज के बोझ तले छोड़ गई है। शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अदलूरी लक्ष्मण कुमार के साथ संबोधित करते हुए भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि बीआरएस शासनकाल के दौरान कुल 8,21,651 करोड़ रुपये का कर्ज लिया गया था। उन्होंने विपक्ष को चुनौती देते हुए कहा कि यदि यह आंकड़ा गलत है तो बीआरएस नेता इसका खंडन करें। उपमुख्यमंत्री ने हरीश राव के उस दावे पर सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा था कि बीआरएस सरकार ने केवल 3 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। भट्टी ने पूछा कि यदि यह दावा सही है तो फिर भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से इतनी बड़ी राशि की अदायगी क्यों करनी पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने निजी बैंकों से 10 से 10.5 प्रतिशत की ऊंची ब्याज दरों पर ऋण लेकर राज्य पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने ऋण पुनर्गठन (डेट रिस्ट्रक्चरिंग) की प्रक्रिया अपनाई है, जिसके चलते वर्ष 2025-26 से 2031-32 के बीच देय 34,058 करोड़ रुपये की भुगतान देनदारी घटकर 11,915 करोड़ रुपये रह गई है। इससे राज्य को लगभग 22,142 करोड़ रुपये की बचत होगी। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि पिछली सरकार ने कालेश्वरम परियोजना और मिशन भागीरथा जैसी योजनाओं के लिए विभिन्न निगमों के माध्यम से ऋण लेकर वास्तविक देनदारियों को छिपाया। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार ने ढाई वर्षों के भीतर पिछली सरकार द्वारा लिए गए ऋणों पर मूलधन और ब्याज मिलाकर 2,08,681 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। सिंगरेणी कोलियरीज को लेकर विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि बीआरएस शासनकाल में सिंगरेणी के लिए एक भी नया कोयला ब्लॉक हासिल नहीं किया गया। उन्होंने सवाल किया कि जब पुराने खदान क्षेत्र समाप्त हो रहे थे तब नई खदानों के लिए केंद्र सरकार की नीलामी प्रक्रिया में भाग क्यों नहीं लिया गया। उन्होंने बीआरएस के उस आरोप को पूरी तरह निराधार बताया जिसमें कहा गया था कि सिंगरेणी से 40 लाख टन कोयला गायब हो गया है। भट्टी ने कहा कि सिंगरेनी की निगरानी व्यवस्था अत्यंत मजबूत है और वहां से एक किलोग्राम कोयला भी अवैध रूप से बाहर नहीं जा सकता। भट्टी विक्रमार्क ने विपक्ष पर कल्याण छात्रावासों और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गुरुकुल संस्थानों की खरीद निविदाओं का मूल्य 1,142 करोड़ रुपये था, जबकि विपक्ष पहले 2,000 करोड़ रुपये और बाद में 3,000 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोप लगाता रहा। उन्होंने इन आरोपों को विरोधाभासी और निराधार बताया।

भारी मात्रा में गांजा के साथ पति-पत्नी समेत चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की अबिड्स पुलिस और चारामीनार टास्क फोर्स ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने चार तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 23 किलोग्राम गांजा, दो मोबाइल फोन और 7 हजार रुपये नकद बरामद किया है।

बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 12 लाख बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई 2 जुलाई को सूचना के आधार पर की गई। टीम ने हैदराबाद के नामपल्ली स्थित हज हाउस के पास संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में महाराष्ट्र के परभणी जिले के निवासी अमित अचुतराव काले उर्फ अमित, उसकी पत्नी सीमा नितिन पोटभरे उर्फ सीमा अमित काले, आर्थी मरुति खांदारे और एक किशोर शामिल है। जांच में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह ओडिशा और आंध्र प्रदेश के एजेंसी क्षेत्रों से गांजा खरीदकर उसे महाराष्ट्र में सप्लाई करता था। आरोपी पिछले लगभग छह महीनों से इस अवैध धंधे में सक्रिय थे और हैदराबाद को ट्रांजिट रूट के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने हाल ही में आंध्र प्रदेश के अराकू क्षेत्र से एक व्यक्ति गोविंद से लगभग 23 किलो गांजा खरीदा था। इसके बाद यह खेप विशाखापट्टनम से ट्रेन के माध्यम से हैदराबाद लाई गई और आगे महाराष्ट्र ले जाने की योजना थी। आरोपियों ने 1 जुलाई को विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़कर 2 जुलाई की सुबह सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद हैदराबाद पहुंचे। यहां से वे हज हाउस के पास निजी बस का इंतजार कर रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि गिरोह महाराष्ट्र में कई ग्राहकों को सप्लाई करता था, जिनमें परभणी और परली के कुछ नाम शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि मुख्य सप्लायर और कुछ रिसीवर अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

सिकंदराबाद कैंट क्षेत्र में एसआईआर गतिविधियों का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने शुक्रवार को सिकंदराबाद कैंटोनमेंट क्षेत्र के वार्ड नंबर 81, सुमन कॉलोनी में चल रही एसआईआर गतिविधियों का फील्ड निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के साथ क्षेत्र का दौरा किया और स्थानीय लोगों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची से संबंधित प्रक्रियाओं की प्रगति की भी समीक्षा की और मौके पर कार्य की स्थिति का मूल्यांकन किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने एसआईआर एन्यूमरेशन फॉर्म वितरण प्रक्रिया की फील्ड स्तर पर समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी, बीएलओ सुपरवाइजर, बूथ लेवल ऑफिसर और बूथ लेवल एजेंट निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी कार्यों को पूरा करें। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि मतदाताओं को सेवाएं सुचारु और प्रभावी तरीके से उपलब्ध कराई जाएं तथा प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति बनी रहे।

लॉज में युवती की संदिग्ध मौत, साथी युवक हिरासत में

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के लंगर हाउज इलाके में स्थित एक लॉज में 26 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि यह आत्महत्या है या हत्या। पुलिस के अनुसार, रेणुका नाम की युवती गुरुवार देर रात 34 वर्षीय फारूक के साथ होटल ग्रैंड लॉज में ठहरी थी। फारूक ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार तड़के रेणुका ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं, युवती के परिजनों ने इस दावे को नकारते हुए आरोप लगाया है कि रेणुका की हत्या की गई है। परिजनों की शिकायत पर लंगर हाउज पुलिस ने मामला दर्ज कर फारूक को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि फोरेंसिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत के सही कारण का पता लगाया जाएगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच जारी है।

ई-रिक्शा में 'तिर्री ट्रेंड' वायरल

बैटरी सिस्टम से छेड़छाड़ पर बढ़ी चिंता

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोशल मीडिया पर ई-रिक्शा से जुड़ा एक नया और असामान्य ट्रेंड तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे 'तिर्री प्रैंक' या 'तिर्री ट्रेंड' कहा जा रहा है। इस ट्रेंड को लेकर देशभर में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि इसमें चलते हुए ई-रिक्शा को अचानक रोकने के वीडियो सामने आ रहे हैं। इन वायरल वीडियो में कुछ लोग मोबाइल ऐप्स के जरिए ई-रिक्शा की बैटरी से कनेक्ट होकर वाहन को बीच रास्ते में बंद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान वाहन अचानक रुक जाता है, जिससे ड्राइवर और यात्री परेशानी में पड़ जाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बीएटी-बीएमएस और ईपीओसीएच एलआई आईओएन जैसे एप्लिकेशन का उपयोग लिथियम-आयन बैटरी की निगरानी के लिए किया जाता है। ये ऐप बैटरी का चार्ज, तापमान और प्रदर्शन जैसी जानकारी दिखाने के लिए बनाए गए हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, समस्या बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के कारण सामने आ रही है, जिससे कुछ मामलों में दूर से बैटरी सप्लाई को अस्थायी रूप से रोका जा सकता है। हालांकि यह सुविधा सुरक्षा और रखरखाव के लिए बनाई गई थी, लेकिन कमजोर सुरक्षा सेटिंग्स के कारण इसके दुरूपयोग की आशंका जताई जा रही है। इस ट्रेंड ने कई ई-रिक्शा चालकों की जागरूकता की कमी को भी उजागर किया है, जिनमें से कई को यह जानकारी नहीं थी कि उनकी बैटरी मोबाइल ऐप से नियंत्रित की जा सकती है या उसे पासवर्ड से सुरक्षित किया जा सकता है। वहीं, सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो में यह भी बताया जा रहा है कि प्रभावित ई-रिक्शा को दोबारा कैसे चालू किया जाए, जैसे ऐप से पुनः कनेक्ट करना या बैटरी पैक के बटन को कुछ सेकंड दबाना। दिल्ली में इस तकनीक के दुरूपयोग की रिपोर्टों के बाद केंद्र सरकार ने कथित तौर पर बीएटी-बीएमएस और ईपीओसीएच एलआई आईओएन जैसे ऐप्स को ऐप स्टोर से हटाने के निर्देश दिए हैं।

यौन उत्पीड़न के मामले में मदरसा शिक्षक दोषी

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बाल अपराधों के लिए गठित एक विशेष अदालत ने बालापुर में एक 11 वर्षीय लड़के के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में एक मदरसा शिक्षक को दोषी ठहराया है और उसे 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। यह घटना मार्च 2022 में घटी, जब आरोपी सैयद नदीम (22) ने बालापुर इलाके के मदरसे परिसर में लड़के को काबू में कर उसका यौन उत्पीड़न किया। उसने लड़के को यह धमकी भी दी थी कि अगर उसने किसी को भी इस बारे में बताया तो वह उसे जान से मार देगा। प्रारंभ में, बालापुर में एक मामला दर्ज किया गया था और बाद में चंद्रयानगुट्टा में इसे पुनः पंजीकृत किया गया और इसकी जांच की गई, जहां आरोप पत्र दाखिल किया गया और बाद में इसे बंडलागुडा में स्थानांतरित कर दिया गया।

पुलिस ने दो गांजा तस्करों को दबोचा, नकदी और वाहन बरामद

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भवानी नगर पुलिस और चारमीनार ज़ोन टास्क फोर्स ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 2.334 किलोग्राम गांजा, नकदी, एक दोपहिया वाहन और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इस संबंध में भवानी नगर थाने में अपराध संख्या 128/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 8(सी), 20(बी)(ii)(बी) और 29 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार दो जुलाई को गांजे की अवैध ढुलाई की सूचना मिलने पर भवानी नगर पुलिस और चारमीनार ज़ोन टास्क फोर्स ने तालाबकट्टा स्थित रेलवे ट्रैक के पास विशेष संयुक्त अभियान चलाया। शाम करीब 4:10 बजे बिना नंबर प्लेट की लाल रंग की होंडा एक्टिवा पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उनके पास से 2.334 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसे वे कथित रूप से हैदराबाद के पुराने शहर क्षेत्र में बेचने के लिए ले जा रहे थे। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत 54,900 रुपये बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 43 वर्षीय मोहम्मद नसीर उर्फ चाकू नसीर उर्फ छोटी चाकू और 24 वर्षीय मोहम्मद मेराज अली उर्फ आमेर के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी महाराष्ट्र के नागपुर से गांजा लाकर हैदराबाद में छोटे-छोटे पैकेट बनाकर बेचने की योजना बना रहे थे। पुलिस अब इस मामले में गांजा सप्लाई करने वाले मुख्य आपूर्तिकर्ता और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक मोहम्मद नसीर भवानी नगर थाने का हिस्ट्रीशीटर और राउडीशीटर है तथा उसके खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम, आर्म्स एक्ट और चोरी समेत करीब 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं मोहम्मद मेराज अली के खिलाफ भी एनडीपीएस अधिनियम के तहत पहले से दो मामले दर्ज बताए गए हैं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 2.334 किलोग्राम गांजा, गांजे के पांच छोटे पैकेट, छह खाली ज़िप-लॉक कवर, 6,000 रुपये नकद, बिना नंबर प्लेट की एक लाल रंग की होंडा एक्टिवा, एक नोकिया कीपैड मोबाइल फोन और एक सैमसंग एस-22 अल्ट्रा मोबाइल फोन बरामद किया है। चारमीनार ज़ोन के पुलिस उपायुक्त खरे किरण प्रभाकर और मिरचौक डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त जी. श्याम सुंदर के मार्गदर्शन में भवानी नगर पुलिस एवं चारमीनार ज़ोन टास्क फोर्स ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

सेमीकंडक्टर प्रशिक्षण के लिए दो विशेष इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज इन इलेक्ट्रॉनिक्स साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने 21 जुलाई तक चलने वाले दो गहन तीन-सप्ताह के इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कक्षा में पढ़ाए जाने वाले सैद्धांतिक ज्ञान और उद्योग की व्यावहारिक जरूरतों के बीच की दूरी को कम करना है। इसके तहत छात्रों को सेमीकंडक्टर डिजाइन और निर्माण तकनीकों में प्रत्यक्ष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में 40 छात्र वीएलएसआई डिजाइन क्षेत्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं, जबकि 20 छात्र सेमीकंडक्टर निर्माण प्रयोगशाला में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। छात्रों को आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन उपकरणों और उन्नत क्लीनरूम सुविधाओं के साथ काम करने का अवसर दिया जा रहा है।

ये दोनों पाठ्यक्रम सेमीकंडक्टर तकनीक की पूरी प्रक्रिया को समझने पर केंद्रित हैं।

एक कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजली प्रिया कर रही हैं, जबकि दूसरे का संचालन डॉ.एस.एल.डी. वर्मा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रमुख प्रोफेसर सम्राट एल. सबात ने कहा कि भारत के तेजी से बढ़ते सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शी टीम्स की बड़ी कार्रवाई, 127 आरोपी पकड़े गए

14 आरोपियों को मिली सजा

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार के मार्गदर्शन और निगरानी में महिला एवं बाल सुरक्षा विंग की शी टीम्स महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। जून 2026 के दौरान शी टीम्स को विभिन्न श्रेणियों में कुल 102 शिकायतें प्राप्त हुईं। त्वरित कार्रवाई के तहत महिलाओं के साथ सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ और दुर्व्यवहार करने वाले 127 लोगों को गिरफ्तार किया गया। प्रभावी जांच और समयबद्ध कानूनी कार्रवाई के कारण 14 मामलों में दोषसिद्धि भी सुनिश्चित की गई। नियमित निगरानी अभियान के दौरान शी टीम्स ने शहर के संवेदनशील सार्वजनिक स्थलों पर कई छेड़छाड़ और उत्पीड़न की घटनाओं का पता लगाया। विशेष अभियान के दौरान छह व्यक्तियों को सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को अनुचित तरीके से छूकर उन्हें परेशान करने, अपमानित करने और मानसिक कष्ट पहुंचाने के आरोप में पकड़ा गया।

इसके अलावा चार ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को भी गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर हिरासत में लिया गया। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और हैदराबाद सिटी पुलिस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामूली मामले दर्ज किए गए। अदालत में पेश किए जाने के बाद छह आरोपियों को दोषी ठहराते हुए तीन दिन के साधारण कारावास और एक-एक हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई। वहीं दो ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को भी दोषी करार देते हुए अदालत ने प्रत्येक पर 1,050 रुपये का जुर्माना लगाया। कार्रवाई के साथ-साथ शी टीम्स ने जागरूकता कार्यक्रमों पर भी विशेष ध्यान दिया। जून माह में स्कूलों, कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यस्थलों, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों, बाजारों और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में कुल 1,267 जागरूकता एवं निगरानी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सिकंदराबाद स्टेशन से अपहृत बालक बरामद, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के सहयोग से एक नाबालिग बालक को सुरक्षित बरामद कर अपहरण के आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 2 जुलाई को की गई, जबकि यह मामला 20 जून को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से बच्चे के अपहरण से संबंधित था। पुलिस के अनुसार दर्ज प्रकरण अपराध संख्या 324/2026 धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत दर्ज किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शेख अहमद अली साहेब (42 वर्ष), निवासी साईं नगर, चिंतल (मेडचल-मलकाजगिरी) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी पेशे से मास्टर कुक है और पिछले कई वर्षों से हैदराबाद में कार्यरत था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी 20 जून को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर मौजूद था, जहां उसने एक महिला को प्लेटफॉर्म पर सोते हुए देखा, जिसके पास एक छोटा बच्चा भी था। इसी दौरान उसने बच्चे को उठा लिया और अपने साथ चिंतल स्थित घर ले गया। बाद में जब परिवार और आसपास के लोगों ने बच्चे के बारे में पूछताछ की, तो आरोपी ने झूठा दावा किया कि उसे बच्चा सड़क पर मिला था। हालांकि, जब बच्चे के अपहरण की खबर मीडिया में आई, तो आरोपी घबरा गया और बच्चे को जीडीमेटला पुलिस स्टेशन ले जाकर यह झूठा बयान दिया कि उसे बच्चा मिला है। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान आरोपी के बयान में विरोधाभास पाए जाने पर उसने अंततः अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इस मामले में सिकंदराबाद रेलवे पुलिस और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने तत्परता दिखाते हुए नाबालिग बच्चे को सुरक्षित बरामद किया। इस कार्रवाई में एसएचओ बी. साई ईश्वर गौड़ सहित अन्य पुलिस अधिकारियों और महिला पुलिस स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रेलवे पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम के प्रयासों की सराहना की है और कहा है कि इस सफल बचाव अभियान में शामिल कर्मियों को उचित रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

तेलंगाना में डेंगू का खतरा बढ़ा

स्वास्थ्य विभाग ने जताई गंभीर चिंता

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के हैदराबाद और अन्य प्रमुख शहरी क्षेत्रों में डेंगू के तेजी से फैलने के कारण इसे एक बड़ी जन स्वास्थ्य चुनौती माना जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की शुरूआती चेतावनी के बाद राज्य के स्वास्थ्य एवं रोग निगरानी विभागों ने भी स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई है। अधिकारियों के अनुसार, पारंपरिक रोकथाम उपाय अब धीरे-धीरे कम प्रभावी साबित हो रहे हैं, क्योंकि डेंगू वायरस लगातार रूप बदल रहा है और अब यह लगभग पूरे साल सक्रिय रहने लगा है। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र के अनुसार, देश में मई तक डेंगू के 16,313 मामले दर्ज किए गए, जबकि मई में ही मामलों में 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई, जो मानसून से पहले ही स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि अनियमित मानसून पैटर्न डेंगू मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल वातावरण बना रहा है। लगातार बारिश और सूखे की मिली-जुली स्थिति मच्छरों के तेजी से बढ़ने में मदद कर रही है। आईडीएसपी (एकीकृत जिला निगरानी कार्यक्रम) के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, हैदराबाद में निर्माण स्थलों, छतों और अन्य स्थानों पर जमा साफ पानी मच्छरों के लिए आदर्श प्रजनन स्थल बन रहा है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि डेंगू के लगभग 80 प्रतिशत मामले लक्षणहीन होते हैं, जिससे बीमारी का प्रसार और अधिक खतरनाक हो जाता है। ऐसे लोग अनजाने में वायरस के वाहक बनकर मच्छरों के माध्यम से संक्रमण फैलाने में योगदान देते हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, एडीज एजिप्टी मच्छर शहरी वातावरण के अनुसार खुद को ढाल चुका है और साफ पानी में भी तेजी से पनप रहा है। इसके लार्वा घरों के अंदर रखे पानी के कंटेनर, कूलर, एयर कंडीशनर की ट्रे और अन्य स्थानों में पाए जा रहे हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि डेंगू वायरस के चार अलग-अलग प्रकार होते हैं और एक प्रकार से संक्रमित होने के बाद अन्य प्रकारों से सुरक्षा नहीं मिलती। बार-बार संक्रमण होने पर डेंगू हेमरेजिक फीवर और डेंगू शॉक सिंड्रोम जैसे गंभीर खतरे बढ़ सकते हैं, जो शरीर में प्लेटलेट्स की भारी गिरावट और अंग विफलता का कारण बन सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और आसपास साफ पानी जमा न होने देने की अपील की है।

दर्दनाक हादसा, सड़क के किनारे खड़ी रोडवेज बस को ट्रक ने मारी टक्कर, 5 लोगों की मौत

एटा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के एटा जिले से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आ रही है। यहां मरम्मत के लिए सड़क किनारे खड़ी एक बस को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी है। इस हादसे में 5 यात्रियों की मौत हो गई है। वहीं, 12 लोग घायल बताए जा रहे हैं जिनका अस्पताल में इलाज हो रहा है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, बस में खराबी की वजह से हाई-वे पर उसकी मरम्मत की जा रही थी। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ़्तार ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद बस 200 मीटर तक घिसटती गयी। जानकारी के अनुसार, एटा में सड़क किनारे खड़ी एक बस में तेज रफ्तार में आए कंटेनर ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई जबकि दस से ज्यादा लोग घायल हो गए दिल्ली आ रही यूपी रोडवेज की बस खराब होने के बाद सड़क किनारे खड़ी थी, उसकी मरम्मत की जा रही थी।

'फुनगी को फांसी, शाख को माफी '

चढ़ावा चोरी के आरोपी टिन्नू यादव के समर्थन में अखिलेश यादव?

लखनऊ, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद के आरोप में टिन्नू यादव पुलिस गिरफ्त में हैं। इस बीच उसके भाई ने टिन्नू को फंसाने का आरोप लगाया है। ऐसे में सपा चीफ अखिलेश यादव अब टिन्नू यादव के समर्थन में दिख रहे हैं। सपा चीफ अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट में तंज कसते हुए लिखा, फुनगी को फांसी, शाख को माफी। बता दें कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर आरोपी टिन्नू यादव के भाई दिनेश यादव ने कहा कि बड़े लोग खुद को बचाने के लिए छोटे लोगों को फंसा रहे हैं।

सपा मुखिया अखिलेश ने टिन्नू को निर्दोष बताते हुए कहा कि चंपत राय और अनिल मिश्रा ने फंसाया है। उन्होंने आगे कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। टिन्नू राम मंदिर में सेवा दे रहे थे, उन्होंने कोई चोरी

नहीं की है। राम मंदिर में चढ़ावे और दान की कथित हेराफेरी के मामले में गिरफ्तार आठों आरोपियों के घरों पर रविवार को पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव के घर से आभूषण और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए। आठों आरोपियों को तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मंदिर प्रबंधन से जुड़े आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव के घर से कुछ नकदी और संपत्ति से संबंधित दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में प्रत्येक आरोपी की अलग-अलग स्तर पर भूमिका सामने आई है। खास तौर पर रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव की भूमिका जांच एजेंसियों के विशेष रडार पर है। छापेमारी के दौरान टिन्नू यादव की पड़ोसी तारा देवी ने कहा, यहां पुलिस की कार्रवाई हुई है।

टिन्नू यादव अच्छे व्यक्ति थे। उनके ऊपर बिल्कुल गलत आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्हें फंसाया जा रहा है। मामले में लगातार जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है। वैसे ही नए खुलासे हो रहे हैं। विवाद के बीच राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अनिल मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि विपक्ष लगातार सवाल खड़े कर रहा है।

रामकुंवर हत्याकांडः तीनों दोषियों की उम्रकैद की सजा बरकरार

प्रयागराज, 3 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मुरादाबाद के बहुचर्चित रामकुंवर हत्याकांड में ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को बरकरार रखते हुए तीनों दोषियों बलिस्टर, महेश और नरेश की अपील खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने कहा कि मामले में प्रस्तुत साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और चिकित्सीय रिपोर्ट अभियोजन पक्ष के आरोपों की पुष्टि करते हैं। अदालत ने तीनों दोषियों को 15 दिन के भीतर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। ऐसा न करने पर उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया जाएगा। घटना 27 सितंबर 1987 की रात करीब 9:45 बजे मुरादाबाद के थाना कुंदरकी क्षेत्र के गांव बसेरा में हुई थी। मंदिर में अखंड रामायण पाठ सुनकर लौट रहे राम कुंवर को अभियुक्तों ने घेर लिया और गोलियां चला दीं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

रेड करने गई पुलिस भी चौंकी, दिल्ली-बंगाल की 10 युवतियां रेस्क्यू

पटना, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी के पॉश इलाके में स्थित एक होटल में देह व्यापार का धंधा चल रहा है। मामला गांधी मैदान थाना क्षेत्र स्थित एक होटल का है। छापेमारी में पुलिस ने पश्चिम बंगाल और दिल्ली की 10 महिला-युवतियों को रेस्क्यू किया गया। मौके से शराब की बोतलें समेत कई आपत्तिजनक सामान मिले हैं। पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गांधी मैदान इलाके के एक होटल में लंबे समय से संगठित तरीके से देह व्यापार संचालित किया जा रहा है।

इसके बाद विशेष टीम का गठन कर होटल में छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान कई कमरों की तलाशी ली गई, जहां से 10 महिला-युवतियों को सुरक्षित बाहर निकालकर संरक्षण में लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रेस्क्यू की गई अधिकांश युवतियां पश्चिम बंगाल और दिल्ली की रहने वाली हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि उन्हें किन परिस्थितियों में पटना लाया गया।

छापेमारी के दौरान होटल से आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया। हिरासत में लिए गए युवक से पूछताछ के आधार पर पुलिस होटल संचालक, दलालों और इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों की पहचान में जुटी है। मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी जांच की जा रही है ताकि नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचा जा सके। पुलिस होटल प्रबंधन की भूमिका की भी जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि होटल संचालकों को इस गतिविधि की जानकारी थी या नहीं। होटल के रजिस्टर, सीसीटीवी फुटेज और अन्य दस्तावेजों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भाकियू के प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह पर आठ एफआईआर दर्ज, अवैध प्लाटिंग का आरोप

प्रयागराज, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) के प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की शिकायत पर उनके खिलाफ एयरपोर्ट थाने में आठ अलग-अलग एफआईआर दर्ज किए गए हैं। सभी एफआईआर बिना नक्शा स्वीकृत कराए अवैध प्लाटिंग और निर्माण कराने के आरोप में दर्ज हुए हैं। पुलिस के अनुसार, पीडीए के अवर अभियंताओं और संबंधित क्षेत्रों के लेखपालों की ओर से दी गई अलग-अलग तहरीरों के आधार पर कार्रवाई की गई है। आरोप है कि अनुज सिंह ने विभिन्न स्थानों पर प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराए बिना प्लाटिंग और निर्माण कराया, जिससे विकास प्राधिकरण अधिनियम और अन्य संबंधित नियमों का उल्लंघन हुआ। एयरपोर्ट थाने में दर्ज आठों एफआईआर की विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। उधर, अनुज सिंह इन दिनों संगम क्षेत्र में किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर जल सत्याग्रह आंदोलन पर बैठे हैं।

नटवरलाल निकला शिवहर का डाटा ऑपरेटर मुरारी

डीएम का नकली साइन कर जारी कर दिया आदेश

पटना, 3 जुलाई (एजेंसियां)। नटवरलाल के किस्से तो आपने सुने होंगे, मगर शिवहर के समाहरणालय में जो हुआ, वह किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं। इस बार एक डाटा एंट्री ऑपरेटर ने बड़ी गलती करते हुए सीधे जिलाधिकारी के ही फर्जी हस्ताक्षर फाइल पर कर दिए। इतना ही नहीं, उसकी प्रतिलिपि अन्य अधिकारियों को भी भेज दी। लेकिन जैसे ही फाइल तेज-तर्रार जिलाधिकारी प्रतिभा रानी के पास पहुंची, उनकी पैनी नजर ने यह जालसाजी पकड़ ली।

बताया गया है कि जिलाधिकारी प्रतिभा रानी अनुज्ञप्ति वाद संख्या 188/2026 (विकास पासवान बनाम बिहार सरकार) की सुनवाई कर रही थीं। तभी उनके समक्ष रखे एक पत्र पर उनकी नजर ठहर गई, जहां उन्हें अपने ही हस्ताक्षर कुछ अटपटे लगे। हस्ताक्षर का जब मिलान हुआ तो परतें खुलती चली गईं। यह हस्ताक्षर जिलाधिकारी का था ही नहीं। एक

फर्जी हस्ताक्षर के सहारे सरकारी पत्र समाहरणालय से बाहर भेजा जा चुका था। आरोप है कि विधि प्रशाखा में तैनात डाटा एंट्री ऑपरेटर घनश्याम मुरारी ने जिलाधिकारी के हस्ताक्षर की नकल कर एसडीओ पुरनहिया, अंचलाधिकारी तथा एमओ को प्रतिवेदन भेजने का निर्देशात्मक पत्र जारी कर दिया, वह भी बिना जिलाधिकारी की जानकारी के। जिलाधिकारी ने मामला पकड़ते ही सख्त रुख अपनाया। उनके निर्देश पर विधि प्रशाखा के लिपिक शुभम सिन्हा ने नगर थाने में दोनों आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई। डाटा एंट्री ऑपरेटर घनश्याम मुरारी का अनुबंध तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया, जबकि प्रधान लिपिक से स्पष्टीकरण तलब करते हुए विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा कर दी गई है। इस पूरे प्रकरण ने समाहरणालय की कार्यप्रणाली पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन अब इस बात की पड़ताल में जुटा है कि आखिर किस मंशा से यह फर्जीवाड़ा रचा गया और कहीं यह किसी बड़े जाल की एक कड़ी तो नहीं। प्रशासनिक हलकों में इस घटना की चर्चा आग की तरह फैल गई है।

आखिर जिलाधिकारी के हस्ताक्षर की जालसाजी कोई मामूली अपराध नहीं, बल्कि प्रशासनिक साख पर सीधा हमला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, जिलाधिकारी श्रीमती प्रतिभा रानी ने मामले की पुष्टि की है।

पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी को कार्डियक अरेस्ट

लखनऊ के सिविल अस्पताल में भर्ती, देखने पहुंचे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव

लखनऊ, 3 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी की तबीयत शुक्रवार को अचानक खराब हो गई। उनको तत्काल ही श्यामा प्रसाद मुखर्जी(सिविल) अस्पताल में भर्ती कराया गया। पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी को कार्डियक अरेस्ट हुआ है। उनको हार्ट अटैक के बाद कार्डियक अरेस्ट हुआ है। सिविल अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। निदेशक डा। जीपी गुप्ता के अनुसार, राजेंद्र चौधरी को हार्ट अटैक के बाद कार्डियक अरेस्ट हुआ है। सिविल अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। लोहिया संस्थान में कार्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर भुवन चंद्र तिवारी को बुलाया गया है। वह भी सिविल अस्पताल पहुंचे हैं। स्थिति गंभीर है।

समाजवादी पार्टी से विधान परिषद सदस्य राजेन्द्र चौधरी की तबीयत खराब होने की सूचना

मिलते ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी सिविल अस्पताल पहुंच गए और चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों से मुलाकात कर चौधरी के स्वास्थ्य की जानकारी ली। अस्पताल में सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का भी पहुंचना शुरू हो गया है। राजेंद्र चौधरी की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तत्काल सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी जांच और इलाज में जुटी हुई है। अस्पताल प्रशासन उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए हुए है। हालांकि हार्ट अटैक की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। राजेंद्र चौधरी की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर फिलहाल

शख्स ने हथियार के साथ बनाई रंगबाजी वाली वीडियो, बाद में देने लगा सफाई; पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए लोग कुछ भी कर लेते हैं। ऐसा ही एक मामला मुजफ्फरपुर जिले से सामने आया है। यहां एक शख्स ने अवैध हथियार का प्रदर्शन करते हुए वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। हालांकि वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया। मुजफ्फरपुर पुलिस ने सोशल मीडिया पर अवैध हथियार का प्रदर्शन कर दहशत फैलाने के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से वायरल वीडियो में दिखाई गई एक दोनाली बंदूक और घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी बरामद किया है। जानकारी के मुताबिक एक जुलाई 2026 को सोशल मीडिया पर युवक का अवैध हथियार के साथ वीडियो तेजी से वायरल हुआ था। वीडियो में युवक हथियार लहराते हुए आपत्तिजनक और जातिसूचक बातें कह रहा था तथा लोगों में भय और दहशत फैलाने की कोशिश कर रहा था।

729किमी, 1300 पुलिसवाले, 138 स्पेशल दरोगा रखेंगे पैनी नजर

बिहार-नेपाल बॉर्डर सिक्योरिटी होगी टाइट

पटना, 3 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार-नेपाल बॉर्डर पर सिक्योरिटी टाइट होने वाली है। राज्य सरकार ने 729 किलोमीटर की सीमा पर तकरीबन 1300 पुलिस जवानों को तैनात करने का फैसला लिया। इसमें 138 दरोगा की विशेष टीम शामिल है। सरकार ने यह कदम बढ़ते तस्करी, घुसपैठ और नकली मुद्रा के मामलों पर लगाम लगाने के लिए किया। जिससे कि बॉर्डर के रास्ते होने वाले अवैध धंधों पर लगाम लगाई जा सके। सरकार ने सुरक्षा को प्रभावी बनाने के लिए बॉर्डर आईजी का नया पद भी बनाया है। राज्य के सभी जिलों में छोटी-बड़ी घटनाओं और संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। इसी उद्देश्य से बिहार पुलिस की विशेष शाखा स्पेशल ब्रांच को मजबूत किया जा रहा है। राज्य सरकार ने बिहार पुलिस के 1,300 से अधिक अधिकारियों में से 138 दारोगाओं की विशेष शाखा में पदस्थापना की है। इन अधिकारियों की जिम्मेदारी खुफिया सूचनाएं जुटाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और समय रहते सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट करना होगी। बिहार की सीमा केवल नेपाल से ही नहीं, बल्कि झारखंड, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश से भी लगती है।

इन सीमावर्ती इलाकों को भी संवेदनशील माना जाता है। जहां अपराध और तस्करी की घटनाओं को रोकने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी। सीमा सुरक्षा को और प्रभावी बनाने के लिए राज्य सरकार ने हाल ही में आईजी बॉर्डर का नया पद भी सृजित किया है। माना जा रहा है कि इससे सीमा क्षेत्रों में पुलिस और खुफिया तंत्र के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। किसी भी सुरक्षा चुनौती से समय रहते निपटना आसान होगा। सरकार का मानना है कि विशेष शाखा को मजबूत करने से राज्य की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था और अधिक प्रभावी बनेगी।

'चंपत राय जाएंगे जेल, मैं पीएम मोदी के संपर्क में '

चढ़ावा चोरी मामले पर विनय कटियार की दो टूक

अयोध्या, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व सांसद और राम मंदिर आंदोलन के दौरान सक्रिय रहे विनय कटियार ने कहा कि मौजूदा घटनाक्रम पर अभी अंतिम निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी और जो भी होगा, वह ठीक होगा। कटियार ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संपर्क में हैं और उन्हें भरोसा है कि सब ठीक हो जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि इस मामले में चंपत राय और गोपाल राव के नाम भी सामने हैं तथा जांच के आधार पर चंपत राय को आगे चलकर जेल भी जाना पड़ सकता है। विनय कटियार ने कहा कि चंपत जी तो।

अब क्या कहें हम उनको। जब मैं इधर आया, तीन दिनों के बाद तो हमने कहा चंपत जी, कहां यहां चले आए हो। कारसेवकपुरम में रहो। अगर कुछ करना है तो हमारे घर पर आ जाओ लेकिन उनको बात समझ में नहीं आई, मैं क्या कर सकता हूं। मैंने उनको कहा कि लगता है कि आपका भी भाग्य ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि 'जब हम जाएंगे तो सबके मुंह इतने-इतने से हो जाएंगे।' बाबरी ढांचा विध्वंस का जिक्र करते हुए कटियार ने बताया कि उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने उनसे पूछा था कि क्या तत्कालीन प्रधानमंत्री पी। वी। नरसिंह राव उनके मित्र हैं और उनसे बात करने को कहा था।

उनके अनुसार, नरसिंह राव लगातार फोन कर हालात की जानकारी ले रहे थे और ढांचा गिरने के बाद उन्होंने कहा था कि 'अब तो भेजना पड़ेगा ही।' राम मंदिर चढ़ावा और कथित गबन मामले पर विनय कटियार ने कहा कि इस मामले में पैसों का 'जबरदस्त गबन' हुआ है और इसकी जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि आरोपी अविनाश उस समूह का हिस्सा नहीं थे और यदि उनके खिलाफ कार्रवाई होती है तो इसमें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि एसआईटी एक ही दिन में जांच पूरी नहीं करती, इसमें दो-तीन दिन या उससे अधिक समय लग सकता है।

दलित युवक को उठा ले गई थी पुलिस

फिर मिली थी लाश... हाईकोर्ट की सख्ती के बाद 6 वर्दीवाले पहुंचे जेल

भोजपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के गंज गांव निवासी दलित युवक सनोज कुमार के रहस्यमय ढंग से लापता होने के मामले में पटना हाईकोर्ट की सख्ती के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जगदीशपुर उत्पाद थाना में तैनात दो एएसआई, तीन होमगार्ड जवान और एक निजी चालक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। भोजपुर के पुलिस अधीक्षक राज ने इसकी पुष्टि की है। गिरफ्तार आरोपितों में एएसआई धीरज कुमार सिंह, एएसआई राज कुमार, होमगार्ड जवान राजू सिंह, उमेश यादव, धर्मेंद्र पासवान तथा निजी चालक विकास सिंह शामिल हैं। सभी पर सनोज कुमार को हिरासत में लेने के बाद उसके लापता होने के मामले में संलिप्तता की जांच चल रही है। एक अन्य

संदिग्ध पुलिसकर्मी से भी पूछताछ की जा रही है। यह मामला 13 अगस्त 2025 का है। परिजनों के अनुसार, उस दिन शाम सनोज कुमार ने अपने पिता गौरी शंकर राम को फोन कर बताया था कि धरहरा महादलित टोला के पास उत्पाद विभाग की टीम ने उसे पकड़ लिया है। इसके कुछ ही देर बाद उसका मोबाइल बंद हो गया और वह फिर कभी घर नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। अगले दिन पिता ने बिहिया थाने में गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज कराते हुए उत्पाद विभाग पर बेटे को गायब करने का आरोप लगाया। जांच के दौरान सनोज की बाइक घटनास्थल के पास लावारिस हालत में मिली थी। बाद में स्थानीय पुलिस की जांच में उसका एक मोबाइल उत्पाद विभाग के कर्मियों के पास से बरामद किया गया, जबकि दूसरा मोबाइल अब तक नहीं मिला है। इसी तथ्य ने पूरे मामले को और अधिक संदिग्ध बना दिया। स्थानीय स्तर पर कार्रवाई नहीं होने के बाद परिजनों ने पटना हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हालिया सुनवाई में हाईकोर्ट ने भोजपुर के डीएम और एसपी को व्यक्तिगत रूप से तलब कर मामले में प्रगति रिपोर्ट मांगी।

भरत तिवारी के घर पहुंचे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान

घुटनों के बल बैठकर दी श्रद्धांजलि, बिलख पड़ीं मां

शाहपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भोजपुर के चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में शुक्रवार को नया राजनीतिक मोड़ आ गया। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बिलौटी गांव पहुंचे और भरत तिवारी के स्वजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। बिहार सरकार के मंत्री संजय सिंह, पूर्व एमएलसी हुलास पांडेय समेत अन्य नेताओं के साथ गांव पहुंचते ही चिराग पासवान ने भरत भूषण तिवारी की तस्वीर पर घुटनों के बल बैठकर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने परिजनों से अलग-अलग बातचीत कर पूरी घटना की जानकारी ली। भरत की मां के पास बैठकर उन्होंने उनकी बातों को गंभीरता से सुना और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। करनामेपुर पहुंचने

से एक दिन पहले ही चिराग पासवान ने अमित शाह से मुलाकात के दौरान भरत तिवारी एनकाउंटर का मुद्दा उठाया था। उन्होंने राजगीर में दो युवकों की हत्या के मामले की भी चर्चा करते हुए दोनों घटनाओं की निष्पक्ष जांच कराने और पीड़ित परिवारों को शीघ्र न्याय दिलाने का आग्रह किया था। इस मुलाकात की जानकारी उन्होंने स्वयं अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा की थी। गृह मंत्री के साथ उनकी तस्वीर भी थी। पटना पहुंचने पर मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने भरत तिवारी एनकाउंटर पर खुलकर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि यदि किसी व्यक्ति ने आत्मसमर्पण कर दिया था, तो उसके बाद गोली चलाना पूरी तरह गलत है।

यूपी में मिशन-2027 का आगाज

लखनऊ दौरे पर नितिन नवीन, संगठन और सरकार के साथ बनेगी जीत की रणनीति

लखनऊ, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेशविधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों का औपचारिक आगाज कर दिया है। इसी कड़ी में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 4 और 5 जुलाई को दो दिवसीय उत्तर प्रदेश दौरे पर लखनऊ पहुंच रहे हैं। राजनीतिक जानकार इस दौरे को केवल एक संगठनात्मक बैठक नहीं, बल्कि मिशन-2027 के लिए भाजपा की चुनावी रणनीति की शुरुआत मान रहे हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने के बाद भाजपा अब कोई जोखिम लेने के पक्ष में नहीं दिख रही है। यही कारण है कि संगठन से लेकर सरकार तक हर स्तर पर समीक्षा और नई रणनीति तैयार करने का काम शुरू हो चुका है। उत्तर प्रदेश देश की राजनीति का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है।

यहां की 403 विधानसभा सीटें और 80 लोकसभा सीटें राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करती हैं। भाजपा लगातार दो बार विधानसभा चुनाव जीतकर सरकार बना चुकी है। अब पार्टी की नजर तीसरी बार सत्ता में वापसी कर इतिहास रचने पर है। इसी लक्ष्य को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पहली बार प्रदेश के संगठन और सरकार के शीर्ष नेताओं के साथ व्यापक मंथन करेंगे। 'जून मेरे लिए दर्द, उम्मीद और नई शुरुआत का महीना रहा'- मास्टरशेफ पंकज भदौरिया ने साझा किया भावुक सफर भाजपा नेतृत्व का मानना है कि उत्तर प्रदेश में लगातार तीसरी बार जीत केवल चुनावी अभियान से संभव नहीं होगी, बल्कि इसके लिए संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करना होगा। इसी सोच के साथ प्रदेश, क्षेत्र, जिला और शक्ति केंद्र स्तर तक संगठन को नए सिरे से मजबूत करने की रणनीति बनाई जा रही है। लोकसभा चुनाव-2024 में उत्तर प्रदेश में भाजपा को अपेक्षा से कम सीटें मिलीं।

सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में हिस्सा लेने मात्र से किसी को जिले से बाहर नहीं कर सकते: बॉम्बे हाई कोर्ट

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। क्या सरकार के खिलाफ आवाज उठाना अपराध है या लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा? क्या सरकार के खिलाफ आवाज उठाने की वजह से किसी शख्स को उसके क्षेत्र से बाहर निकाला जा सकता है? ऐसे ही एक मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि केवल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने या नारे लगाने के कारण किसी व्यक्ति को उसके जिले से बाहर नहीं किया जा सकता। दरअसल, एक स्थानीय नेता (सईद अहमद चौधरी) सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें 1 साल के लिए जिले से बाहर कर दिया था। इस मामले में कोर्ट ने इस आदेश रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा, नारे लगाना और शांतिपूर्वक विरोध करना हर नागरिक का अधिकार है। सिर्फ इसी वजह से किसी को सजा नहीं दी जा सकती। 49 साल के सईद अहमद अब्दुल वाहिद चौधरी की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस माधव जे। जामदार की सिंगल-जज बेंच ने पुलिस से पूछा कि क्या सरकार के फैसलों का विरोध करने पर केस दर्ज करके नागरिकों को "सरकार का गुलाम" बनाया जा रहा है

मद्रास हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

'जन नायगन' पायरेसी केस में दो आरोपियों की जमानत खारिज

चेन्नई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की फिल्म 'जन नायगन' को लेकर चल रहा विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। अब इसके पायरेसी मामले में मद्रास हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए दो आरोपियों की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है। सुनवाई के दौरान चेन्नई साइबर क्राइम पुलिस ने कोर्ट को बताया कि फिल्म 'जन नायगन' का पायरेटेड वर्जन अब तक करीब 12 करोड़ यानी 12 मिलियन लोगों द्वारा देखा जा चुका है। बता दें कि यह फिल्म अभी तक आधिकारिक रूप से सिनेमाघरों में रिलीज भी नहीं हुई है और इसे सेंसर बोर्ड से अंतिम मंजूरी भी नहीं मिली है।

यह मामला तब शुरू हुआ जब केवीएन प्रोडक्शंस ने फिल्म के ऑनलाइन लीक होने की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद चेन्नई साइबर क्राइम पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और इस पूरे पायरेसी नेटवर्क के

खिलाफ कार्रवाई करते हुए 21 लोगों पर मामला दर्ज किया।

जांच के दौरान कई आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया, जबकि दो आरोपी अब भी फरार बताए जा रहे हैं इन्हीं गिरफ्तार आरोपियों में रजनी और जयप्रकाश ने मद्रास हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। जब यह मामला न्यायमूर्ति सी। कुमारप्पन के समक्ष सुनवाई के लिए आया, तो पुलिस ने अदालत के सामने पूरे मामले की गंभीरता को विस्तार से रखा। पुलिस ने अदालत को बताया कि इस नेटवर्क के पीछे काम करने वालों ने पहले फिल्म की डिजिटल फाइलें हासिल कीं और फिर उन्हें अलग-अलग माध्यमों से जोड़कर एक पूरा पायरेटेड वर्जन तैयार किया। इसके बाद इसे इंटरनेट पर अपलोड किया गया, जहां से यह तेजी से पायरेसी वेबसाइट्स और प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच गया। यह पूरा ऑपरेशन इतनी तेजी से हुआ कि फिल्म के रिलीज से पहले ही करोड़ों लोग इसे देख चुके थे। सरकारी पक्ष ने यह भी दलील दी कि इस मामले में अभी जांच पूरी नहीं हुई है और कई अहम सबूतों की जांच बाकी है।

इसी आधार पर पुलिस ने आरोपियों को जमानत देने का विरोध किया। अदालत ने पुलिस की इन दलीलों को गंभीरता से लेते हुए दोनों आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। यह पूरा मामला 9 अप्रैल 2026 की रात से शुरू हुआ था, जब 'जननायगन' के कुछ क्लिप्स और बाद में पूरी फिल्म इंटरनेट पर लीक हो गई थी। इसके बाद प्रोडक्शन हाउस ने तुरंत हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और अवैध स्ट्रीमिंग रोकने के लिए आदेश हासिल किया। कोर्ट ने इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स को भी निर्देश दिए थे कि वे ऐसी वेबसाइट्स और लिंक को ब्लॉक करें, जहां फिल्म अवैध रूप से उपलब्ध थी।

खान सर केस में एंटिसिपेटरी बेल पर सुनवाई अब 7 जुलाई को होगी

पटना, 3 जुलाई (एजेंसियां)। खान ग्लोबल स्टडीज के डायरेक्टर फैजल खान (खान सर) की अग्रिम जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई नहीं हो सकी। जिला जज के छुट्टी पर रहने के कारण खान सर और अन्य आरोपितों की जमानत याचिका पर सुनवाई नहीं हुई। अब सुनवाई 7 जुलाई को होगी। इससे पहले 30 जून को कोर्ट ने हथियारों के डॉक्यूमेंट्स जमा करने का आदेश दिया था।

उस दिन लोक अभियोजक ने कोर्ट में कहा था कि फैजल खान के दोनों गार्ड के पास अवैध हथियार थे। दहशत फैलाने के उद्देश्य से 2 जून की रात फायरिंग की गई थी। बचाव पक्ष के वकील अरविंद मौआर ने हथियारों के लाइसेंसी होने की बात कही थी। उन्होंने दावा किया था कि दोनों के हथियार के दस्तावेज पुलिस ने जब्त कर लिए हैं। इसके बाद कोर्ट ने हथियारों के डॉक्यूमेंट जमा करने को कहा था। तीन जुलाई सुनवाई की तिथि तय की थी। अब 7 जुलाई पर सबकी नजर टिक गई है।

सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग का मामला

अनमोल बिश्नोई ने मुंबई कोर्ट के सामने सरेंडर की अनुमति मांगी

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के छोटे भाई और साल 2024 में अभिनेता सलमान खान के बांद्रा स्थित घर के बाहर हुई फायरिंग मामले में वांटेड आरोपी अनमोल बिश्नोई ने मुंबई की विशेष महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) अदालत में आत्मसमर्पण (सरेंडर) करने की अनुमति मांगते हुए याचिका दायर की है। अपनी याचिका में अनमोल ने कहा कि वह निष्पक्ष सुनवाई और न्याय के हित में चल रहे मुकदमे का सामना करने तथा न्यायिक कार्यवाही में शामिल होने के लिए स्वेच्छा से मुंबई की अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करना चाहता है।

आपको बता दें कि अनमोल बिश्नोई फिलहाल नई दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। उसे नवंबर 2025 में अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। भारत पहुंचने पर राष्ट्रीय जांच

एजेंसी (एनआईए) ने लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट से जुड़े कथित आतंकवादी-गैंगस्टर गठजोड़ के एक मामले में उसे गिरफ्तार किया था। विशेष न्यायाधीश एस। आर। नवेंदर ने लोक अभियोजक को अनमोल की ओर से दायर याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि हालांकि अनमोल एनआईए के मामले में पहले से न्यायिक हिरासत में है, लेकिन उचित निर्देश जारी किए बिना वह मुंबई की अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सकता। उसने तिहाड़ जेल प्रशासन के नाम एक प्रोडक्शन वारंट जारी करने की मांग की है, ताकि उसके आत्मसमर्पण को औपचारिक रूप से दर्ज किया जा सके और आवश्यक रिमांड की कार्यवाही, चाहे वह भौतिक रूप से हो या वर्चुअल माध्यम से, पूरी की जा सके। याचिका में कहा गया है कि यदि यह राहत दी जाती है तो अभियोजन पक्ष को कोई पूर्वाग्रह नहीं होगा।

इसके विपरीत, इससे कार्यवाही में तेजी आएगी और कानूनी प्रक्रिया के किसी भी दुरुपयोग को रोका जा सकेगा। याचिका में यह भी कहा गया है कि फायरिंग मामले की सुनवाई पहले से जारी है और उसकी अनुपस्थिति में अभियोजन पक्ष के तीन गवाहों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं।

बड़े गिरोह का पर्दाफाश तीन सदस्य गिरफ्तार; 1.5 करोड़ के महंगे मोबाइल बरामद

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में पार्सल डिलीवरी के दौरान बीच रास्ते में ही ट्रकों से कीमती इलेक्ट्रॉनिक सामान उड़ाने वाले एक शातिर अंतरराज्यीय गिरोह का द्वारका सेक्टर-23 थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है और उनकी निशानदेही पर 1.5 करोड़ रुपये कीमत के 604 ब्रांड न्यू विवो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। ये आरोपी अमेजन के लिए जा रहे एक बड़े कंसाइनमेंट से इन मोबाइलों को चुराकर उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर ले गए थे, जहां इन्हें एक बाग में छिपाकर रखा गया था। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशाल पाल सिंह ने बताया कि यह कामयाबी एसीपी किशोर कुमार रेवाला के मार्गदर्शन और सेक्टर-23 थाना प्रभारी इंस्पेक्टर बिजेंद्र छिल्लर के नेतृत्व वाली टीम को मिली है।

गांदरबल में सोनमर्ग सुरंग के पास सीआरपीएफ की गाड़ी पलटी, हादसे में छह जवान घायल

श्रीनगर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनमर्ग (गगनगीर) सुरंग के पास केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से फिसल गया। इस हादसे में वाहन में सवार सीआरपीएफ के 6 जवान घायल हो गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, गाड़ी का संतुलन बिगड़ने से वाहन सड़क से फिसल गया। इस हादसे में सीआरपीएफ के 6 जवानों को चोटें आई हैं।

दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर राहत कार्य शुरू किया गया। सभी घायल जवानों को दुर्घटनास्थल पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया है। इसके बाद, बेहतर और आगे के इलाज के लिए उन्हें पास के गुंड स्थित सीआरपीएफ शिविर और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय पुलिस ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी माह पंजाब आएंगे पीएम मोदी

देंगे विकास परियोजनाओं की सौगात, कार्यकर्ताओं और पंजाबियों का हौसला बढ़ाएंगे

चंडीगढ़, 3 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी माह पंजाब दौरे पर आएंगे। वे यहां कार्यकर्ताओं और पंजाबियों का हौसला बढ़ाएंगे। मोदी पंजाबियों को कई बड़ी विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बताया कि पंजाब भाजपा के कार्यकर्ता पीएम मोदी के आगमन की तैयारियों में जुटे हैं। भारतीय जनता पार्टी पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। पंजाब भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने हाल ही में तीन दिवसीय संगठनात्मक दौरा किया। उन्होंने राज्यभर में पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित कर संगठन को नई ऊर्जा दी। केंद्र सरकार ने पंजाब के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दी है। आधारभूत ढांचे, रेल संपर्क और जनकल्याण से जुड़ी परियोजनाओं पर तेजी से कार्य हो रहा है। बिट्टू ने कहा कि पंजाब की जनता विकास के लिए समर्पित सरकार और विपक्ष के बीच अंतर देख रही है।

विपक्ष आंतरिक खींच-तान तथा पदों के बंटवारे में उलझा हुआ है। उन्होंने पंजाब कांग्रेस की हाल ही में घोषित संगठनात्मक सूची पर प्रतिक्रिया दी। बिट्टू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने मजबूत संगठन बनाने के बजाय नेताओं को लॉलीपॉप बांटने का काम किया है।

तेज रफ्तार कार ने रेपिडो बाइक को मारी टक्कर, महिला की मौत, 200 फीट तक घसीटा

इंदौर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर के एमआर-10 ब्रिज पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 40 वर्षीय महिला की मौत हो गई। महिला फैक्ट्री से काम कर रेपिडो बाइक से घर लौट रही थी, तभी पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद महिला कार के अगले हिस्से में फंस गई और चालक उसे करीब 200 फीट तक घसीटता हुआ ले गया। हादसे में रेपिडो चालक को मामूली चोटें आई हैं। हीरानगर थाना पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान रचना शर्मा पत्नी रविंद्र शर्मा निवासी नंदानगर सांवेर रोड के रूप में हुई है।

बीच सड़क पर पुलिसकर्मी को बेरहमी से पीटा, गाड़ी भी तोड़ी; 14 आरोपी गिरफ्तार

नागपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जिससे कानून-व्यवस्था को लेकर एक साथ कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। पूरे मामले को ऐसे समझिए कि नागपुर में बीच सड़क पर सरेआम कुछ बदमाशों ने एक ऑन-ड्यूटी पुलिसकर्मी को कार से खींचकर बेरहमी से पीटा और उसकी कार में जमकर तोड़फोड़ की। यह पूरी खौफनाक वारदात वहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए अब तक 14 आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। बता दें कि यह घटना 28 जून की रात की है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, 35 वर्षीय एक पुलिसकर्मी अपनी निजी कार से एक महिला मित्र के साथ मानकापुर चौक की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सड़क पर गाड़ी पर एक मामूली सा स्क्रेच लगने को लेकर विवाद शुरू हो गया।

विवाद इतना बढ़ गया कि बाइक पर सवार करीब 7 से 8 युवकों ने पुलिसकर्मी की कार के आगे अपनी मोटरसाइकिलें अड़ाकर रास्ता रोक दिया। इसके बाद जो हुआ, उसने सबको झकझोर कर रख दिया। पहले बदमाशों ने पुलिसकर्मी को गाली देते हुए जबरन कार से बाहर खींच लिया। उन्हें घसीटते हुए सड़क के दूसरी पार ले गए और लात-घूंसों की बरसात कर दी। इस हमले में पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए।

'मोर पंख की बिक्री की छूट से बढ़ा शिकार', मेनका गांधी का बड़ा दावा; दिगंबर जैन समाज का भी किया जिक्र

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने मोर पंख की बिक्री और इसके दुरुपयोग पर बड़ा बयान दिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने दावा किया है कि 1972 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में बने वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत दिगंबर जैन साधुओं के आग्रह पर मोर पंख को बिक्री की परमिशन दी गई थी। उनका कहना है कि इसी छूट के बाद मोर पंख का बड़ा कारोबार खड़ा हो गया और अब अधिकांश पंख मोरों को मारकर हासिल किए जाते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पशु अधिकार कार्यकर्ता मेनका गांधी ने कहा कि दिगंबर जैन साधु अपनी कमर में मोर पंख से बनी 'पिच्छी' रखते हैं।

उन्होंने बताया कि उस समय साधुओं ने सरकार से अनुरोध किया था कि मोर पंख पर प्रतिबंध न लगाया जाए, जिसे इंदिरा गांधी ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद मोर पंख भारत में कानूनी रूप से बेचे जाने वाले एकमात्र पक्षी के पंख बन गए। मेनका गांधी ने कहा कि यह गलत धारणा है कि मोर बड़ी संख्या में अपने पंख स्वाभाविक रूप से गिरा देते हैं। उनके

मुताबिक, एक मोर सामान्य तौर पर महीने में केवल एक पंख ही गिराता है। लेकिन जैसी ही बिक्री की सरकार से परमिशन मिली, मोर पंख का एक बड़ा बाजार विकसित हो गया और लोग इन्हें घरों में सजावट के लिए इस्तेमाल करने लगे। मेनका गांधी ने दावा किया कि साल 2001 में उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को इस संबंध में सबूत सौंपे थे। साथ ही मोर पंख की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून में संशोधन का सुझाव दिया था। उनके अनुसार, वाजपेयी इसके लिए तैयार हो गए थे और संशोधन का मसौदा संसद तक पहुंच गया था, लेकिन जैन समुदाय के दबाव के कारण उसे वापस लेना पड़ा।

दूध का बर्तन लिए किचन में पड़े पांव, पहले से बैठे कोबरा ने स्कूल संचालक को अंगूठे में डसा, अस्पताल से पहले थमीं सांसें

राजगढ़, 3 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में मानसून परवान पर है। इसके साथ ही सांप डसने की घटनाएं बढ़ गई हैं। प्रदेश में हर दिन लोगों की जान सांप के डसने से जा रही है। राजगढ़ में एक स्कूल संचालक की जान सांप के डसने से चली गई है। उनके किचन में कुंडली मारकर सांप बैठा हुआ था। दूध का बर्तन रखने वह गए तो सांप ने डस लिया दरअसल, राजगढ़ के गांगाहोनी गांव में 40 वर्षीय स्कूल संचालक विष्णु प्रसाद लववंशी को सांप ने डस लिया। सांप ने उन्हें रात 12 बजे डसा था, जब किचन में दूध का बर्तन रखने गए। किचन में वह दूध का बर्तन लेकर गए तो सांप पहले से वहां छिपा हुआ था। अचानक से उनका पैर सांप पर पड़ गया। सांप ने पैर के अंगूठे में डस लिया। उनकी चीख सुनकर घर में अफरातफरी मच गई है। बताया जा रहा है कि घर उनका सड़क किनारे हैं। पास की झाड़ियों से सांप निकलकर घर में आया गया। परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर जा रहे उन्होंने रास्ते में दम तोड़ दिया।

अंडे-बैंगन से हमले के बाद महुआ पहुंचीं हाइकोर्ट, सुरक्षा कवच की लगायी गुहार

कोलकाता, 3 जुलाई (एजेंसियां)। कृष्णानगर से तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर अंडे, कीचड़ और बैंगन फेंके जाने की घटना के बाद मामला अब अदालत तक पहुंच गया है। हमले के तुरंत बाद मोइत्रा ने कलकत्ता हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और सुरक्षा कवच यानी कानूनी संरक्षण की मांग की। शुक्रवार को न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की अदालत में महुआ की ओर से याचिका दायर करने की अनुमति मांगी गयी। उनकी तरफ से अदालत को बताया गया कि उनके खिलाफ दर्ज एफआइआर पर पुलिस तेजी से कार्रवाई कर रही है, लेकिन मोइत्रा द्वारा दर्ज करायी गयी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। इसी आधार पर उन्होंने अदालत से संरक्षण की मांग की।

अदालत ने मामले में याचिका दायर करने की अनुमति दे दी। पूरा विवाद एक जुलाई को नदिया जिले के कालीगंज में हुई तृणमूल की एक कार्यकर्ता सभा से जुड़ा है। इस सभा में महुआ मोइत्रा मौजूद थीं। सभा के दौरान पार्टी

कार्यालय के बाहर राष्ट्रीय राजमार्ग पर काले झंडे लेकर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गये। प्रदर्शनकारियों ने महुआ के खिलाफ "हाय-हाय" और "गो बैक" के नारे लगाने शुरू कर दिये। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने पार्टी कार्यालय की खिड़की से मोइत्रा को देखते ही सड़क से उन पर एक के बाद एक अंडे फेंकने शुरू कर दिये। अंडों के साथ कीचड़ और बैंगन भी फेंके गये। इतना ही नहीं, मोइत्रा और तृणमूल कार्यकर्ताओं को घेरकर बाहर निकलने से रोकने का भी आरोप लगाया गया। घटना के बाद मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर कई वीडियो साझा किये। इन वीडियो में उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी भाजपा समर्थक थे और पुलिस पूरे घटनाक्रम के दौरान मूकदर्शक बनी रही। वीडियो संदेश में मोइत्रा ने कहा, "यह राज्य की कानून-व्यवस्था की असली तस्वीर है।

भाजपा के लोग जमा होकर हमें घेरकर खड़े हैं। खिड़की से मेरे ऊपर हमला किया गया। पुलिस सब कुछ देख रही है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं कर रही। भीड़ को हटाने के लिए भी कोई कदम नहीं उठाया गया।" बाद में जब मोइत्रा पार्टी कार्यालय से निकलकर अपनी गाड़ी की ओर बढ़ीं, तब भी उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर तीखा हमला बोला और दावा किया कि यह पूरी कार्रवाई राजनीतिक रूप से प्रेरित थी। अब हाइकोर्ट पहुंचकर मोइत्रा ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वह इस मामले को केवल राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि अपनी सुरक्षा और अधिकारों से जुड़ा गंभीर मुद्दा मान रही हैं।

सोनम रघुवंशी को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने जमानत रद्द करने से किया इनकार

भोपाल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राजा रघुवंशी मर्डर केस मामले की आरोपी सोनम रघुवंशी को बड़ी राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने सोनम रघुवंशी की जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेघालय सरकार की याचिका पर नोटिस जारी किया है। अब अगले हफ्ते गुरुवार को इसकी सुनवाई होगी। दरअसल, आरोपी सोनम रघुवंशी को मेघालय हाईकोर्ट की तरफ से दी गई जमानत के खिलाफ मेघालय सरकार ने सर्वोच्च अदालत का दरवाजा खटखटाया था। बीते गुरुवार को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केस को मेंशन करते हुए कहा कि यह बहुत ही गंभीर मामला है और इस याचिका पर जल्द से जल्द सुनवाई होनी चाहिए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट इस केस की सुनवाई करने के लिए तैयार हो गया था। सोनम रघुवंशी के मामले में पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सोनम रिहा हो चुकी है, हम बेल पर रोक लगाने के इच्छुक नहीं हैं। इसके बाद मेघालय सरकार की अर्जी पर सोनम रघुवंशी को नोटिस जारी किया।

फिर, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह पहले देखेगा कि ट्रायल कैसे चल रहा है। साथ ही, सोनम रघुवंशी की जमानत को बरकरार रखा। जान लें कि सोनम रघुवंशी की जमानत के खिलाफ याचिका की सुनवाई जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की बेंच ने की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, 'यह चौंकाने वाला और हत्या का मामला है। ऐसे में हाईकोर्ट की ओर से जमानत देना गलत है। जिस जज ने तीन बार जमानत याचिका को रद्द कर दिया था, उसी जज ने चौथी बार जमानत दे दी। जबकि इस मामले में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है।' सुनवाई के दौरान, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आगे कहा कि मैं बस चार पेज दिखाऊंगा। वे दोनों हनीमून के लिए मेघालय जाते हैं। यह पहले से तय किया गया मर्डर था। पत्नी अपने पति को पहाड़ी इलाके में ले जाती है। हमले में शामिल होती है। फिर, उसकी हत्या कर दी जाती है और फिर लाश को खाई में फेंक दिया जाता है। महिला तीन हमलावरों को साथ ले गई थी और उसने खुद भी उसकी हत्या की। भागने के बाद उसे यूपी से गिरफ्तार किया गया। इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी की मई, 2025 में सोनम रघुवंशी से शादी हुई थी। फिर, दोनों हनीमून के लिए मेघालय की राजधानी शिलांग गए थे। इस दौरान राजा रघुवंशी के लापता होने की बात सामने आई और फिर कुछ दिन बाद उनकी बॉडी बरामद की गई थी।

बेंगलुरु खदान हादसा: पुलिस ने क्रशर यूनिट के मालिक समेत तीन लोगों को किया गिरफ्तार

बेंगलुरु, 3 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक पुलिस ने शुक्रवार को बेंगलुरु खदान हादसा से जुड़े मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह हादसा गुरुवार सुबह तड़के बेंगलुरु दक्षिण तालुक के मदपट्टना स्थित क्रशर यूनिट में हुआ। इस घटना में सात मजदूरों की मौत हुई थी, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। इस घटना को लेकर मजदूर गोपीकृष्णन की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

सेंट्रल जोन के आईजीपी एस। गिरीश ने बताया कि यह हादसा अलग-अलग मालिकों की दो आसपास की खदानों से जुड़ा है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान साई राम क्रशर के मालिक पांडुरंगा, खदान के इंचार्ज लोकेश और स्थानीय इंचार्ज राजू के तौर पर हुई है। पुलिस के अनुसार, तीनों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पांडुरंगा ने बसवेश्वरा क्रशर को लीज पर लिया था और खदान चला रहा था। जांच के सिलसिले में पुलिस कावेरी क्रशर के मालिक उदय शंकर और बसवेश्वरा क्रशर के मालिक डी। आनंदस्वामी से भी पूछताछ कर सकती है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पत्थर की खदान में सात मजदूरों की मौत जिस बड़े पत्थर (बोल्डर) के नीचे दबकर हुई, उसे ऊपर स्थित दूसरी खदान में चल रही एक जेसीबी मशीन ने धक्का दिया था। वहीं, हादसे में बाल-बाल बचे तमिलनाडु के मजदूर गोपी ने आरोप लगाया कि ऊपरी खदान में काम करने वाले मजदूरों ने पत्थर हटाने से पहले नीचे काम कर रहे लोगों को चेतावनी नहीं दी थी।

हरियाणा के 50,000 युवाओं को नौकरी क्यों देना चाहता है जापान

टोक्यो का प्लान, क्यों पड़ी जरूरत

टोक्यो, 3 जुलाई (एजेंसियां)। जापान की औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अगले 5 वर्षों में हरियाणा के लगभग 50,000 युवाओं को रोजगार और इंटर्नशिप के अवसर दिए जाएंगे। जापान के फुकुओका प्रीफेक्चर प्रांत ने हरियाणा के साथ एक ऐतिहासिक सहयोग किया है।

हरियाणा सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया है कि जापान के फुकुओका प्रांत में लगभग 80% कंपनियों को जिनमें सेमीकंडक्टर, ऑटोमोबाइल, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं उन्हें अभी तकनीकी रूप से कुशल कर्मचारियों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है।

कुशल कर्मचारियों की ज़रूरत को पूरा करने के लिए फुकुओका प्रांत की सरकार ने हरियाणा से सहयोग मांगा है। प्रवक्ता ने कहा कि

जापान प्रधानमंत्री साने ताकाइची

अगले पांच सालों में हरियाणा के लगभग 50,000 युवाओं को फुकुओका में रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। आपको बता दें कि जापान में बुजुर्गों की बढ़ती आबादी और कम होती कार्यशील जनसंख्या के कारण फुकुओका की लगभग 80% तकनीकी और औद्योगिक कंपनियां कुशल कर्मचारियों की भारी कमी का सामना कर रही हैं।

किन इन क्षेत्रों में मिलेंगी नौकरियां- ये रिक्तियां मुख्य रूप से सेमीकंडक्टर, ऑटोमोबाइल, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IT) और एडवांस विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में हैं। युवाओं को दी जाएगी ट्रेनिंग- फुकुओका और हरियाणा सरकार के बीच 'हरियाणा-फुकुओका कनेक्ट 2026' के तहत उच्च-स्तरीय बैठक हुई है।

इसके तहत हरियाणा के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में जापानी भाषा और उद्योग-आधारित तकनीकी पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे ताकि युवाओं को वहां की जरूरतों के अनुसार तैयार किया जा सके।

2025 में हुए समझौते का अगला कदम- यह पहल भारत और जापान के प्रधानमंत्रियों के बीच अगस्त 2025 में हुए उस व्यापक समझौते का हिस्सा है जिसके तहत अगले पांच वर्षों में 50,000 कुशल भारतीयों को जापान भेजने की रूपरेखा तैयार की गई थी।

हरियाणा सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक फुकुओका प्रांत की सरकार, फुकुओका इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्री लीडर्स के प्रतिनिधियों ने हरियाणा सरकार के अधिकारियों, विश्वविद्यालयों और विभिन्न विभागों के साथ विस्तार से बातचीत की है।

बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम, निवेश के मौकों, तकनीकी मैनपावर की जरूरतों और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की।

दोनों पक्ष अगले पांच सालों में भारतीय युवाओं खासकर हरियाणा के 50,000 छात्रों और तकनीकी पेशेवरों के लिए जापान में रोजगार, इंटर्नशिप और स्किल डेवलपमेंट के मौके बढ़ाने पर सहमत हुए।

हम आखिरी सांस तक लड़ेंगे

पाकिस्तान के खिलाफ पीओके में बड़े आंदोलन का ऐलान, मुनीर का डर नहीं

इस्लामाबाद, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 5 जुलाई को बड़े विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया गया है। यह अपील ऐसे समय में की गई है जब पीओके में पाकिस्तान में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तान रेंजर्स और पुलिस ने भारी बल प्रयोग किया है। पीओके में प्रदर्शन की अगुवाई कर रही अवामी एक्शन कमेटी ने कहा है कि प्रदर्शनकारियों को बड़े पैमाने पर हिरासत में लिया जा रहा है। उन्हें जबरन गायब किया जा रहा है। दमन का यह तरीका बलूचिस्तान की तरह है, जहां पाकिस्तानी सेना पर बलूच लोगों को गायब करने के आरोप लगते रहे हैं।

पीओके में तनाव का हालिया कारण अवामी एक्शन कमेटी के सदस्य शौकत नवाज मीर की

पीओके में पाकिस्तान के खिलाफ चल रहा प्रदर्शन और मुनीर

गिरफ्तारी और उन्हें जबरदस्ती गायब किए जाने को लेकर है। प्रदर्शन के नेताओं का कहना है कि मीर के गायब होने से पूरे इलाके में लोगों में नाराजगी बढ़ गई है। इससे नए सिरे से प्रदर्शन शुरू हो रहे हैं, जिसमें उन्हें तत्काल रिहा करने की मांग की जा रही है। एक बार फिर रावलकोट में गुरुवार देर रात सैकड़ों लोग विरोध प्रदर्शन के लिए जमा हुए। जम्मू-कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी के नेता और वकील ख्वाजा मेहरान ने यहां लोगों को संबोधित करते हुए पाकिस्तानी अधिकारियों पर सीधा हमला बोला। उन्होंने अधिकारियों पर शांतिपूर्ण आंदोलन को दबाने के लिए गिरफ्तार करने और डराने धमकाने का आरोप लगाया।

मेहरान ने पाकिस्तान के दमन के आगे झुकने से इनकार किया और कहा, हम अपनी आखिरी सांस तक लड़ेंगे। इसके साथ ही उन्होंने जोर दिया कि पाकिस्तानी बलों के दमन के बावजूद आंदोलन शांतिपूर्ण बना रहेगा।

उन्होंने कहा, हम बिना हथियारों के लड़ेंगे। रावलकोट पिछले कुछ दिनों से पीओके के प्रदर्शनकारियों का केंद्र रहा है। पिछले महीने पाकिस्तानी रेंजर्स ने यहीं पर प्रदर्शकारियों के समूह पर गोली चलाई थी, जिसमें कई लोग मारे गए थे। ख्वाजा मेहरान ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने न सिर्फ विरोध प्रदर्शन के आयोजकों के खिलाफ, बल्कि प्रदर्शनों में शामिल कश्मीरी महिलाओं के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की है।

यूएन ऑफिस के बाहर आग लगाकर जान दी

बौद्ध भिक्षु के वेष में था शख्स, पर्चे मिले लिखा था- चीन को तिब्बत से निकालो

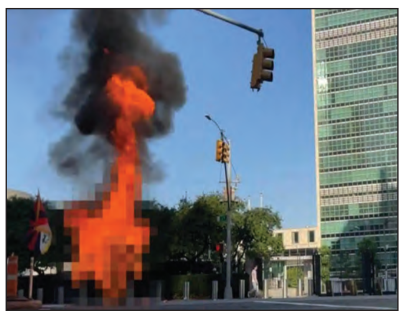

न्यूयॉर्क सिटी, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के बाहर गुरुवार शाम एक 52 वर्षीय व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों और सामने आए वीडियो के मुताबिक, वह व्यक्ति बौद्ध भिक्षु के वेश में था। घटना से पहले उसने संयुक्त राष्ट्र परिसर के पास फुटपाथ पर तिब्बती झंडा रखा और फिर खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली।

पुलिस को घटनास्थल से कुछ पर्चे मिले, जिन पर चीन को तिब्बत से निकालो लिखा था। शुरुआती जांच में इसे तिब्बत मुद्दे से जुड़ा विरोध माना जा रहा है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक आत्मदाह के पीछे की अंतिम वजह की पुष्टि नहीं की है।

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के वक्त सभी आधिकारिक बैठकें खत्म हो चुकी थीं। इसलिए यूएन के नियमित कामकाज पर इसका कोई असर नहीं पड़ा।

हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाईः खामेनेई को भारत ने पेश की खिराज-ए-अकीदत

ईरान दे रहा सुप्रीम लीडर को आखिरी विदाई

तेहरान, 3 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान अपने मारे गए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए हफ्ते पर चलने वाला अंतिम संस्कार कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसमें लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। अंतिम संस्कार कार्यक्रम 4 जुलाई को शुरू होगा, जो 9 जुलाई को पवित्र शहर मशहद में उन्हें दफनाने के साथ पूरी होगी। मशहद खामेनेई का गृह नगर भी है। इसके पहले शुक्रवार को अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्यों के शवों को इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसाला मस्जिद में लाया गया, जहां लोगों को उन्हें श्रद्धांजलि देते देखा गया।

शुक्रवार को भारत से पहुंचे धर्म गुरुओं ने भी ईरान के सुप्रीम लीडर की श्रद्धांजलि दी। भारत में स्थित ईरानी दूतावास ने इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। इसमें भगवाधारी हिंदू, पगड़ीधारी सिख धर्म गुरु

अली खामेनेई को भारत से पहुंचे धर्मगुरुओं ने श्रद्धांजलि दी

श्रद्धांजलि देते नजर आए। धार्मिक नेताओं के अलावा राजनेता और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल ने भी खामेनेई को श्रद्धांजलि दी। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने भी खिराज-ए-अकीदत पेश की। उनके साथ ईसाई और हिंदू धर्म गुरु भी नजर आए।

तीन दशक से ज्यादा समय तक ईरान के सुप्रीम लीडर रहे अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल के हमले के पहले ही दिन मारे गए थे, जिसके बाद क्षेत्र में एक बड़ा संघर्ष छिड़ गया था। अब चार महीने बाद ईरान ने खामेनेई के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू की है।

इसे भव्य बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। ईरानी मीडिया में 10 से ज्यादा दिनों से इसकी जोर शोर से तैयारी चल रही थी। ईरान ने कार्यक्रम की शुरुआत के लिए जिस दिन को चुना है, उसे अमेरिका के लिए संकेत के रूप में देखा जा रहा है। 4 जुलाई को अमेरिका अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है।

4-6 जुलाई- अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के कार्यक्रम की शुरुआत 4 जुलाई को तेहरान से होगी। खामेनेई के पार्थिव शरीर को लोगों के दर्शन के लिए ग्रैंड मोसाला प्रार्थना परिसर में रखा जाएगा। 6 जुलाई को तेहरान की सड़कों पर बड़ा जुलूस निकाला जाएगा, जिसमें लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

7 जुलाई- इसके बाद अंतिम संस्कार का जुलूस पवित्र शहर कोम जाएगा। तेहरान से लगभग 140 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित कोम शहर, ईरान में शिया इस्लामिक विद्वता का केंद्र है। 8 जुलाई- ईरान के पड़ोसी देश इराक के ऐतिहासिक और पवित्र शहरों नजफ और कर्बला में भी यह जुलूस जाएगा।

गिरिडीह में मिला 7 फीट लंबा अजगर

13 किलो का अजगर रिहायशी इलाके से रेस्क्यू फोन पर सूचना देने वाले को सराहा गया

गिरिडीह, 3 जुलाई (एजेंसियां)। गिरिडीह शहर के धरियाडीह इलाके में शुक्रवार को एक सात फीट लंबा भारतीय अजगर मिला। सर्प मित्र रॉकी नवल अजगर का सफल रेस्क्यू किया साथ ही उन्होंने उस शख्स के लिए भीड़ से ताली भी बजवाई, जिसने उन्हें फोन कर अजगर के रेस्क्यू करने के लिए सूचना दी।

रॉकी नवल ने बताया कि जहां लोग सांप को देखते ही उसे मार डालते हैं, इस अजगर को बचाने के लिए कॉल करना बड़ी बात है। रॉकी नवल के अनुसार, इस अजगर का वजन लगभग 13 किलोग्राम है।

दरअसल, आवासीय क्षेत्र के पास झाड़ियों में अजगर दिखने से लोगों में हड़कंप मच गया। विशालकाय अजगर को देखकर स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई। आसपास रहने वाले लोग अपने बच्चों और पालतू जानवरों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हो गए। स्थानीय निवासियों ने तुरंत सर्प मित्र रॉकी नवल को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही रॉकी नवल अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

इसके बाद रॉकी नवल ने सावधानी और धैर्य के साथ रेस्क्यू अभियान चलाया।

होर्मुज स्ट्रेट में दखल दिया तो मिलेगा करारा जवाब

ईरान की अमेरिका को धमकी, जहाजों को चेताया

तेहरान, 3 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान की मुख्य सैन्य कमान खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने गुरुवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट में किसी भी तरह का हस्तक्षेप करता है, तो ईरानी सशस्त्र बल 'तेज और निर्णायक' जवाबी कार्रवाई करेंगे। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रपोर्ट के अनुसार, जारी बयान में कहा गया कि होर्मुज स्ट्रेट अमेरिका के लिए कोई 'मनमर्जी करने की जगह' नहीं है, बल्कि यह ईरान की 'निर्विवाद संप्रभुता' वाला क्षेत्र है। बयान में कहा गया कि इस जलमार्ग की सुरक्षा और स्थिरता ईरानी सेना के लिए एक लाल रेखा है, जिसे किसी भी कीमत पर पार नहीं होने दिया जाएगा।

बयान में कहा गया कि इस होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले सभी तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों को

ईरान की ओर से तय किए गए समुद्री रास्तों का ही इस्तेमाल करना होगा। अगर कोई जहाज इन नियमों का पालन नहीं करता या दूसरे रास्तों का इस्तेमाल करता है, तो ईरानी सेना तुरंत और सख्त कार्रवाई करेगी। साथ ही, ऐसे जहाजों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है। मुख्यालय ने कहा कि अगर अमेरिका इस होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा व्यवस्था में दखल देने या वहां किसी तरह की बाधा पैदा करने की कोशिश करता है, तो ईरान इसे अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानेगा और उसका तुरंत व निर्णायक जवाब देगा।

बयान में कहा गया कि इस जलमार्ग के ऊपर अमेरिकी लड़ाकू विमान और ड्रोन की लगातार मौजूदगी से क्षेत्र में असुरक्षा बढ़ती है। ईरान ने कहा कि अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए वह अमेरिका और उसके समर्थकों की किसी भी 'आक्रामक कार्रवाई को कुचलने' के लिए जरूरी कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। इसी बीच, गुरुवार को ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि होर्मुज स्ट्रेट 'अमेरिकी सेंट्रल कमांड के नहीं, बल्कि ईरान के नियंत्रण में है।'

उनका यह बयान एक दिन बाद आया, जब अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बहरीन में 12 देशों के सैन्य अधिकारियों के साथ एक 'सुरक्षा संवाद' आयोजित किया। इस बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा, रक्षा सहयोग बढ़ाने और होर्मुज स्ट्रेट से व्यापारिक जहाजों की बिना रुकावट आवाजाही सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई।

बांग्लादेश में विदेशी दखल रोकेंगे

चीनी राजदूत ने भारत पर साधा निशाना, जे-10सी जेट डील पर साधी चुप्पी

ढाका, 3 जुलाई (एजेंसियां)। चीन ने एक बार फिर बांग्लादेश में कथित प्रभाव की बात करते हुए भारत पर निशाना साधने की कोशिश की है। बांग्लादेश में चीनी राजदूत याओ वेन ने कहा है कि चीन किसी भी देश के मामलों में विदेशी दखल का कड़ा विरोध करता है और ऐसे दखल का विरोध करने में बांग्लादेश के साथ खड़ा है। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के दक्षिणपंथी दल भारत पर ढाका में 'नाजायज दखल' का आरोप लगाते रहे हैं। वेन का बयान इसी कड़ी को आगे बढ़ाता दिखता है।

प्रथोमोलो की रिपोर्ट के मुताबिक, याओ वेन ने गुरुवार को ढाका में चीनी दूतावास में बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान की हालिया चीन यात्रा पर चर्चा की है। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर सवालों के जवाब दिए, जिसमें खासतौर से बांग्लादेश और चीन

बांग्लादेश बीते कुछ दिनों से चीन के चंगुल में जाता दिख रहा है

के संबंधों को बेहतर करने और बीजिंग में हुए हालिया समझौतों को जमीन पर उतारने के बारे में जानकारी दी।

तारिक रहमान हाल ही चीन की यात्रा से लौटे हैं, जहां उनकी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात हुई। तारिक रहमान की यात्रा के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में किसी भी तरह के विदेशी दखल को चीन खारिज करता है। चीन के इस स्टैंड पर गुरुवार को वेन याओ से सवाल किया गया।

ढाका में दखल को खारिज करने पर याओ ने कहा, 'यह सिर्फ बांग्लादेश के बारे में नहीं है। चीन की विदेश नीति किसी भी देश के मामलों में विदेशी दखल का कड़ा विरोध करने की है। चीन खुद भी ऐसी ही स्थितियों का सामना करता है। कई विरोधी विदेशी ताकतें चीन के आंतरिक मामलों में दखल देने की कोशिश करती हैं।' चीन-बांग्लादेश का सहयोग बहुत व्यापक है। रक्षा सहयोग उसका एक हिस्सा है। जैसे-जैसे चीन-बांग्लादेश संबंध एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं तो हमें उम्मीद है कि रक्षा क्षेत्र में भी चीजें बेहतर होंगी।

याओ वेन ने आगे कहा, 'आज भी हमें कुछ जगहों से ऐसी कोशिशों का सामना करना पड़ता है। इसलिए हम उस स्थिति को पूरी तरह समझते हैं, जिसका सामना बांग्लादेश कर रहा है। बांग्लादेश के लिए हमारा संदेश बहुत स्पष्ट है कि चीन किसी भी विदेशी दखल का विरोध करने में बांग्लादेश के साथ खड़ा है।

पाकिस्तान में बड़ा हादसा यात्रियों से भरी बस खाई में गिरी

40 लोगों की मौत की आशंका

बस के ब्रेक फेल होने से हादसा

इस्लामाबाद, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को यात्रियों से भरी एक बस गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई।

अधिकारियों के अनुसार, पेशावर जा रही बस बलूचिस्तान के शेरानी जिले को पार करने के बाद खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान जिले में प्रवेश कर रही थी। इसी दौरान यह हादसा हुआ।

हादसे में आठ लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रारंभिक आशंका है कि बस के ब्रेक फेल हो गए थे। पहाड़ी क्षेत्र में एक तीखे मोड़ से गुजरते समय चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद बस सड़क से फिसलकर गहरी खाई में जा गिरी। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। खैबर पख्तूनख्वा के पहाड़ी इलाकों में सड़क दुर्घटनाएं आम हैं और अक्सर जानलेवा साबित होती हैं। इसकी प्रमुख वजह दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां, प्रतिकूल मौसम और यातायात नियमों का लगातार उल्लंघन माना जाता है।

क्रूज पर फैला नोरो वायरस, चालक दल समेत 125 लोग बीमार

कितना खतरनाक है यह संक्रमण?

वॉशिंगटन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से कनाडा और अलास्का की यात्रा पर निकले एक लग्जरी क्रूज जहाज में नोरोवायरस का बड़ा प्रकोप सामने आया है। इस संक्रमण की चपेट में 125 लोग आए हैं, जिनमें 102 यात्री और 23 चालक दल के सदस्य शामिल हैं। घटना के बाद स्वास्थ्य एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। आखिर यह वायरस कैसे फैलता है, इसके लक्षण क्या हैं और इससे बचाव कैसे किया जा सकता है।

सैन फ्रांसिस्को से रवाना होकर कनाडा और अलास्का की 20 दिन की यात्रा पर निकले रूबी प्रिंसेस क्रूज में नोरोवायरस संक्रमण फैलने से 125 लोग बीमार हो गए। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, संक्रमितों में 102 यात्री और 23 चालक दल के सदस्य शामिल हैं। घटना के बाद जहाज के सैन फ्रांसिस्को लौटते ही विशेष सफाई और संक्रमण नियंत्रण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। यह मामला इसलिए

भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि नोरोवायरस बंद जगहों और भीड़भाड़ वाले वातावरण में बहुत तेजी से फैलता है।

नोरोवायरस पेट और आंत से जुड़ा अत्यधिक संक्रामक वायरस है। यह संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने, दूषित भोजन या पानी पीने और संक्रमित सतहों को छूने से फैल सकता है। क्रूज जहाज, हॉस्टल, अस्पताल और वृद्धाश्रम जैसी जगहों पर इसके फैलने का खतरा अधिक रहता है क्योंकि वहां बड़ी संख्या में लोग सीमित जगह में रहते हैं। अधिकांश लोगों में यह संक्रमण कुछ दिनों में ठीक हो जाता है, लेकिन छोटे बच्चों, बुजुर्गों और पहले से गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए यह खतरनाक साबित हो सकता है।

सीडीसी के अनुसार, रूबी प्रिंसेस क्रूज पर कुल 3,032 यात्री और 1,144 चालक दल के सदस्य मौजूद थे। संक्रमण की जानकारी 28 जून को स्वास्थ्य अधिकारियों को दी गई। हालांकि सभी संक्रमित एक साथ बीमार नहीं हुए थे। प्रिंसेस क्रूज कंपनी ने कहा कि मामले सामने आते ही जहाज पर अतिरिक्त स्वच्छता अभियान चलाया गया। जहाज को अगली यात्रा से पहले पूरी तरह साफ और कीटाणुरहित किया गया ताकि संक्रमण दोबारा न फैले।

नकटी के विस्थापितों का विरोध प्रदर्शन

मंत्री बंगले का घेराव, कलेक्ट्रेट के सामने नारेबाजी बृजमोहन बोले- अफसरों पर कार्रवाई होनी चाहिए

रायपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। नकटी गांव के विस्थापित लोगों ने रायपुर में मंत्री ओपी चौधरी के बंगले का घेराव कर दिया है। प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत शंकर नगर की ओर जाने वाली सड़क के एक हिस्से को बंद कर दिया गया है।

इससे पहले गांव के लोग रायपुर कलेक्ट्रेट के सामने धरने पर बैठे थे। उनके प्रदर्शन में कांग्रेस नेता भी शामिल हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी थी कि शुक्रवार तक मांगें पूरी नहीं होने पर वे अनिश्चितकालीन धरना और जेल भरो आंदोलन शुरू करेंगे।

नकटी गांव में 80 घरों पर बुलडोजर चलने के तीन दिन बाद भी उनका विरोध जारी है। गुरुवार को पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव गांव पहुंचे और प्रभावितों से मुलाकात की थी। वहीं भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रात के अंधेरे में घर तोड़ने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए और वे आज भी

ग्रामीणों के साथ खड़े हैं।

बता दें कि प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को ईडब्ल्यूएस मकान दिए हैं, लेकिन सभी को आवास नहीं मिला है।

ग्रामीणों का कहना है कि मकान छोटे हैं और उनमें बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, जिससे परिवारों का रहना मुश्किल हो रहा है। बता दें कि कार्रवाई से 2 दिन पहले ही ग्रामीण सांसद बृजमोहन अग्रवाल से मुलाकात करने पहुंचे थे।

सांसद ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया था कि बरसात तक कोई तोड़फोड़ नहीं होगी। उन्होंने कहा था कि प्रशासन और ग्रामीणों के बीच का रास्ता निकालने की कोशिश की जा रही है। इसी बीच 29 जून को 80 घर तोड़ दिए गए।

नकटी गांव को लेकर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल की मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को लिखी एक साल पुरानी चिट्ठी वायरल हो रही है। जिसमें उन्होंने विधायक कॉलोनी के लिए जमीन चयन पर आपत्ति जताई थी। पत्र में कहा था कि गरीबों को हटाना मानवीय दृष्टि से उचित नहीं है।

शिव-पार्वती क्यों गए अमरनाथ गुफा?

जिस मार्ग से शिव-पार्वती गए थे अमरनाथ गुफा, उस रस्ते पर आज भी मौजूद हैं उनके निशान

पौराणिक कथा के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान शिव से अमरत्व के रहस्य को जानने की इच्छा प्रकट की। भगवान भोलेनाथ अमरत्व के रहस्य को एकांत में बताना चाहते थे ताकि कोई दूसरा इस बारे में न जान पाए। तब वे माता पार्वती को लेकर कैलाश से निकल पड़े और अमरनाथ गुफा में पहुंचे। अमरनाथ गुफा में ही शिव जी ने माता पार्वती को अमरत्व की कथा सुनाई थी।

भगवान शिव माता पार्वती के साथ जब कैलाश से चले, तो उनके सबसे छोटे पुत्र गणेश जी, प्रिय गण नंदी, वासुकी उनके साथ थे। महादेव नहीं चाहते थे कि वे सभी उनके साथ जाएं। तो फिर वे जिस मार्ग से अमरनाथ गए, बीच-बीच में उनको छोड़ते हुए आगे बढ़ गए।

पहलगाम में छोड़ा नंदी का साथ

माता पार्वती और शिव जी जब पहलगाम पहुंचे तो उन्होंने अपने सबसे प्रिय सेवक नंदी को छोड़ दिया। अमरनाथ यात्रा का पहला पड़ाव पहलगाम है। पहलगाम अमरनाथ यात्रा का पारंपरिक मार्ग है। वर्तमान समय में यहां लोग अपनी यात्रा का पहला पड़ाव डालते हैं।

चंदनवाड़ी में किया चंद्रमा का त्याग

पहलगाम से 16 किलोमीटर दूर चलने के बाद भगवान शिव ने अपनी जटाओं से चंद्रमा को निकालकर अलग कर दिया। जिस जगह पर उन्होंने चंद्रमा का त्याग किया, उसे चंदनवाड़ी के नाम से जानते हैं। आज भी चंदनवाड़ी में यात्रा का मुख्य बेस कैंप है।

शेषनाग झील पर गले से उतारे नाग

भगवान शिव जब चंदनवाड़ी से आगे बढ़े तो उन्होंने शेषनाग झील के पास अपने गले से नाग और सर्पों को उतारा। चंदनवाड़ी से करीब 11-12 किलोमीटर आगे शेषनाग झील है, जो अल्पाइन झील के नाम से जानते हैं। यहां पर यात्रा का दूसरा पड़ाव होता है। रात में श्रद्धालु यहां पर ठहरते हैं।

महागुनस पर्वत पर गणेश जी को छोड़ा

भगवान शिव जब शेषनाग झील से आगे बढ़े तो वे महागुनस पर्वत पर पहुंचे। वहां पर उन्होंने अपने सबसे छोटे पुत्र गणेश जी को छोड़ दिया। महागुनस पर्वत शेषनाग झील से करीब 4।5 किलोमीटर दूर है। यहां खड़ी चढ़ाई के बाद पहुंचा जाता है।

पंचतरणी में किया पंचतत्वों का परित्याग

वहां से महादेव माता पार्वती के साथ आगे बढ़ें। एक स्थान पर उन्होंने पंच तत्वों का त्याग किया, जो आज पंचतरणी के नाम से प्रसिद्ध है। यह स्थान अमरनाथ गुफा से करीब 6 किलोमीटर पहले ही है।

अंत में पहुंचे अमरनाथ गुफा

सभी लोगों का त्याग करने के बाद भगवान शिव माता पार्वती को लेकर अमरनाथ गुफा में पहुंचे। वहां पर उन्होंने एकांत में अमरत्व की कथा सुनाई, लेकिन माता पार्वती बीच में ही सो गईं।

4 जुलाई को शुक्र-केतु का अनोखा मिलन: मेष मिथुन सहित इन 2 राशि वालों की आएगी मौज!

4 जुलाई को धन, वैभव, और ऐश्वर्य के दाता शुक्र का गोचर होने जा रहा है, जहां उनका मिलन रहस्यमयी ग्रह केतु से होगा। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, इस अनोखे मिलन से मेष और मिथुन समेत 4 राशियों के जीवन में खुशियों की बरसात होने वाली है। आइए जानते हैं इस गोचर का पूरा समीकरण और किन राशियों की खुलने वाली है लॉटरी।

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों का राशि और नक्षत्र परिवर्तन बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। जब भी कोई बड़ा ग्रह अपनी स्थिति बदलता है, तो उसका सीधा असर मानवीय जीवन और सभी राशियों पर पड़ता है।4 जुलाई को अंतरिक्ष में एक ऐसा ही दुर्लभ और अनोखा संयोग बनने जा रहा है, जो कुछ राशि के जातकों के लिए तरक्की के नए रास्ते खोलने वाला है।

4 जुलाई को बनेगा शुक्र-केतु का विशेष संयोग

पंचांग के अनुसार, 4 जुलाई को शुक्र ग्रह कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। सिंह राशि में केतु पहले से विराजमान हैं, इसलिए यहां शुक्र और केतु की युति बनेगी। इसके साथ ही शुक्र अश्लेषा नक्षत्र से निकलकर मघा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे।मघा नक्षत्र का स्वामी भी केतु है, इसलिए शुक्र पूरी तरह केतु के प्रभाव में आ जाएंगे। ज्योतिष के अनुसार, शुक्र और केतु का यह संयोग व्यक्ति के जीवन में अचानक बदलाव नई सोच, प्रतिष्ठा और कुछ मामलों में आर्थिक लाभ के संकेत देता है। हालांकि इसका प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग रहेगा, लेकिन चार राशियों के लिए यह समय विशेष रूप से शुभ माना जा रहा है।

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए यह गोचर कई अच्छे अवसर लेकर आ सकता है। लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होने की संभावना रहेगी। नौकरी करने वालों को नई जिम्मेदारी या पदोन्नति मिल सकती है। व्यापार में लाभ के नए रास्ते खुल सकते हैं। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और प्रेम संबंध पहले से अधिक मजबूत हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होने के साथ अचानक धन लाभ के भी योग बन सकते हैं।

मिथुन राशि

मिथुन राशि वालों के लिए शुक्र-केतु का यह संयोग आत्मविश्वास और सफलता बढ़ाने वाला साबित हो सकता है।कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी और नई योजनाओं में सफलता मिलने की संभावना है। यदि किसी नए काम की शुरुआत करना चाहते हैं तो समय अनुकूल माना जा सकता है। आय के नए रास्ते खुल सकते हैं और पुराने निवेश से भी लाभ मिलने के संकेत हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा।

तुला राशि

शुक्र तुला राशि के स्वामी ग्रह हैं, इसलिए यह गोचर तुला राशि वालों के लिए खास प्रभाव डाल सकता है। करियर में अच्छी प्रगति देखने को मिल सकती है। नौकरी बदलने की सोच रहे लोगों को बेहतर अवसर मिल सकते हैं। व्यापारियों को नए ग्राहकों और अच्छे मुनाफे की संभावना रहेगी। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा और मित्रों का सहयोग मिलेगा।

धनु राशि

धनु राशि के जातकों के लिए यह समय भाग्य का साथ दिलाने वाला माना जा रहा है। लंबे समय से अटके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा और करियर से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। यात्रा के योग बन सकते हैं, जो भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है। आर्थिक मामलों में राहत मिलेगी और परिवार में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा।

जुलाई में होगा ग्रहों का महासंगम!

बनेंगे 6 राजयोग में किन राशि वालों को मिलेगा लाभ

जुलाई 2026 का महीना ज्योतिषीय रूप से बेहद खास है, क्योंकि इसमें हंस, भद्र, गजकेसरी सहित 6 अद्भुत राजयोग बन रहे हैं. इन शुभ योगों का सर्वाधिक लाभ वृषभ, कर्क, तुला, वृश्चिक और धनु राशि के जातकों को मिलेगा. यह माह इन राशियों के लिए करियर में तरक्की, आर्थिक मजबूती, पारिवारिक सुख और रुके हुए कार्यों की पूर्ति लेकर आएगा, जिससे जीवन में सकारात्मक बदलाव आएंगे.

आज से जुलाई माह की शुरुआत हो गई है। ये माह अंग्रेजी कैलेंडर का सातवां महीना होता है। ज्योतिषविदों के अनुसार, ग्रहों की चाल के लिहाज से जिलाई का ये महीना बहुत ही विशेष रहने वाला है, क्योंकि इस महीने हंस राजयोग, भद्र राजयोग, गजकेसरी राजयोग, नवपंचम राजयोग, गुरु आदित्य योग और दशांक जैसे अद्भुत योगों का निर्माण होगा। जुलाई माह में इस तरह से कुल छह राजयोग बनेंगे। खास बात ये है कि जुलाई में ये सभी योग अलग-अलग दिनों और तिथियों पर बनेंगे। आइए जानते हैं कि इन राजयोगों का लाभ किन राशि के जातकों को सबसे अधिक मिल सकता है?

वृषभ राशि

वृषभ राशि वालों के लिए जुलाई का ये महीना राहत लेकर आ सकता है। आपके जो काम लंबे समय नहीं हो रहे हैं, वो अब पूरे हो सकते हैं। परिवार का माहौल खुशनुमा रह सकता है। संतान से जुड़ी चिंताएं समाप्त हो सकती हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

कर्क राशि

कर्क राशि वालों के लिए जुलाई का महीना सुनहरे दिन लाल सकता है। परिवार में खुशियां आ सकती हैं। पुराने निवेश से लाभ हो सकता है। विद्यार्थियों को शिक्षा या प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

तुला राशि

तुला राशि के अविवाहित जातकों के लिए इस माह में विवाह के योग बन सकते हैं। नौकरीपेशा जातकों को करियर में तरक्की मिल सकती है। घर के बड़े-बुजुर्गों की सेहत में सुधार आ सकता है। मानसिक शांति प्राप्त हो सकती है।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि के जातकों की कार्यक्षेत्र में इस माह जमकर तारीफ हो सकती है।वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग प्राप्त हो सकता है। नई जिम्मेदारियां या प्रमोशन मिल सकता है। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। पुराना रुका हुआ धन वापस मिल सकता है।

धनु राशि

धनु राशि के जातकों का इस माह प्रदर्शन निखर सकता है। व्यापार में नई साझेदारी या विस्तार की योजनाएं सफल हो सकती हैं। समाज और कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ सकता है। चंद्रमा के गोचर और गुरु की शुभ दृष्टि का लाभ भी प्राप्त हो सकता है।

प्रकृति और मनुष्य के बीच भी भावनात्मक संबंध बढ़ें

पेड़ भी कुछ कहना चाहते हैं। यह प्रकृति के पक्ष में बोली जाने वाली आदर्श पंक्तियां नहीं, इसके पीछे एक सच काम कर रहा है। 20 से 100 किलोहर्ट्ज पर पेड़-पौधे आवाज करते हैं और इसे दूसरे पेड़ और कुछ जानवर सुनते भी हैं।

इसके वैज्ञानिक प्रयोग हो चुके हैं। जैसे शांत पलों में पेड़ कुछ गुनगुनाते हैं। उनके फूल तोड़ने पर वो आहत नहीं होते। अब धीरे-धीरे मनुष्य को चाहिए कि वो पौधों की आवाज सुने और ऐसा हो भी सकेगा। जो मनुष्य अपनी आत्मा पर बहुत अधिक टिकेंगे, आत्मा के निकट होंगे, वो पेड़-पौधों की आवाज सुन सकेंगे।

प्रकृति और मनुष्य के बीच जो भावनात्मक संबंध है, वो और बढ़ना चाहिए, वरना मनुष्य से मनुष्य के बीच का भावनात्मक संबंध तो बिगड़ेगा ही। जघन्य अपराध पहले पुरुषों के खाते में ही जाते थे। अब कुछ बहन-बेटियां भी सीमाएं लांघ रही हैं। अपराध हुआ, कानून अपना काम करेगा।

लेकिन इसका एक बड़ा नुकसान हुआ कि परिवारों में एक-दूसरे के रिश्ते पर संदेह खड़े हो गए। प्रकृति से हम जितने दूर होंगे, उतने ही हिंसात्मक, आक्रामक और निगेटिव होते जाएंगे।

महाभारत युद्ध का वो पल जब श्रीकृष्ण ने उठा लिया था रथ का पहिया

महाभारत युद्ध में भगवान श्रीकृष्ण ने शस्त्र न उठाने की प्रतिज्ञा ली थी, पर एक पल ऐसा भी आया जब उन्हें अपनी प्रतिज्ञा तोड़नी पड़ी. पांडवों पर संकट देख, उन्होंने भीष्म पितामह का वध करने के लिए रथ का पहिया उठा लिया. यह घटना धर्म की रक्षा और श्रीकृष्ण के विराट रूप को दर्शाती है, जो उनकी लीला का एक महत्वपूर्ण अंग है.

महाभारत का युद्ध सिर्फ राज्य भर के लिए नहीं लड़ा गया था, बल्कि ये लड़ाई थी धर्म और अर्धम के बीच की। इस लड़ाई के अंत में धर्म की विजय हुई। कुरुक्षेत्र के मैदान में महाभारत का युद्ध 18 दिनों तक चला था, जिसमें असंख्य वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। इस युद्ध में भगवान श्रीकृष्ण की सेना कौरवों की ओर से लड़ रही थी और वो स्वयं पांडवों के पक्ष में रहकर अर्जुन के रथ के सारथी बने हुए थे।

महाभारत के युद्ध में भगवान श्रीकृष्ण ने शस्त्र न उठाने की प्रतिज्ञा की थी, लेकिन आप जानते हैं कि महाभारत के युद्ध में एक पल ऐसा भी आया जब भगवान श्रीकृष्ण को अपनी प्रतिज्ञा तोड़नी पड़ी थी? भगवान ने अपनी प्रतिज्ञा तोड़कर रथ का पहिया उठा लिया था। आइए जानते हैं महाभारत की ये रोचक और अनसुनी कथा।

पौराणिक कथा के अनुसार...

पौराणिक कथा के अनुसार, महाभारत का युद्ध शुरू होने से पहले ही भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ये बात बता दी थी कि वो इस युद्ध में अस्त्र-शस्त्र नहीं उठाएंगे और सारथी के रूप में सिर्फ रथ संभालेंगे। वहीं, दूसरी तरफ कौरवों ने पूरी ताकत के साथ युद्ध में लड़ने का निर्णय लिया था। युद्ध के समय कौरवों ने हाहाकार मचा दिया था। कौरव सेना के महारथियों ने पांडवों की सेना को बहुत नुकसान पहुंचाया था।

युद्ध के दसवें दिन प्रहार अधिक तेज हो गया था, जिसकी वजह पांडवों की सेना कमजोर दिखाई देने लगी थी। पांडवों की सेना पर आए संकट को देखकर भगवान श्रीकृष्ण का धैर्य टूट गया और उनको बहुत क्रोध आ गया। ऐसा इसलिए क्योंकि वो जानते थे कि अगर युद्ध इसी प्रकार होता रहा तो धर्म की रक्षा करना बहुत कठिन हो जाएगा। तभी भगवान रथ से नीचे उतरे।

श्रीकृष्ण पितामह का वध करने दौड़े

इसके बाद भगवान ने रथ का पहिया उठाया और पितामह का वध करने के लिए उनकी ओर दौड़े। अपनी ओर भगवान को आता देककर पितामह भीष्म अति प्रसन्न हुए कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण उनको मोक्ष प्रदान करने आ रहे हैं। भीष्म पितामह ने अपने धनुष-बाण रख दिए। वहीं भगवान को पितामह की ओर रथ का पहिया लेकर दौड़ता देख अर्जुन घबरा गए और उन्होंने श्रीकृष्ण को रोका।

गलत अंगुली में तो नहीं पहन रहे सोने की अंगूठी

लाभ होने की जगह आप पर पड़ रही शनि की वक्र दृष्टि

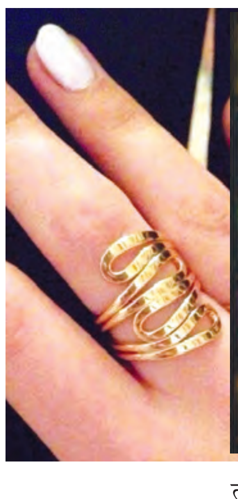

सोने की अंगूठी शुभता और संपन्नता का प्रतीक है. ज्योतिष में सोने का संबंध सूर्य और गुरु ग्रह से है, लेकिन सोने की अंगूठी गलत अंगुली में पहनते हैं तो उसका अशुभ प्रभाव हो सकता है. शनि की वक्र दृष्टि आप पर हो सकती है, जिससे कई हानि हो सकती है. जानें सोने की अंगूठी किस अंगुली में पहनें? इसके फायदे क्या हैं?

सोने की अंगूठी पहनने के नियम

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सोने का संबंध सूर्य और गुरु ग्रह से है, तो आपको सोने की अंगूठी भी सूर्य और गुरु की अंगुली में ही पहननी चाहिए।

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, तर्जनी और अनामिका अंगुली का संबंध सूर्य और गुरु ग्रह से होता है। इन दोनों ही अंगुलियों में आप सोने की अंगूठी पहन सकते हैं।

अब सवाल यह हैं कि कैसे पहचानें? यह जानना बहुत आसान है। आपकी हथेली के अंगूठे के बाद जो पहली अंगुली होती है। उसे तर्जनी अंगुली कहते हैं। इसका संबंध देवों के गुरु बृहस्पति से होता है।

तर्जनी अंगुली में सोने की अंगूठी पहनने से कुंडली का गुरु दोष दूर होता है। गुरु का शुभ प्रभाव जीवन में होता है। इससे शिक्षा, यश, करियर, वैवाहिक जीवन आदि में सकारात्मक बदलाव होते हैं।

वहीं अनामिका अंगुली आपकी हथेली की सबसे छोटी अंगुली के बाद दूसरे नंबर पर आती है। आमबोलचाल में लोग इसे रिंग फिंगर भी कहते हैं। अनामिका अंगुली का संबंध ग्रहों के राजा सूर्य से है।

जब आप अनामिका अंगुली में सोने की अंगूठी पहनते हैं, तो करियर, यश, कीर्ति, पिता से संबंध, नौकरी, सरकारी सेवा, धन, राजनीति आदि में लाभ मिलता है। कुंडली का सूर्य दोष मिटता है।

आप सोने की अंगूठी को सूर्य या गुरु ग्रह से संबंधित दिन को पहन सकते हैं। इस आधार पर सोने की अंगूठी गुरुवार या रविवार के दिन धारण कर सकते हैं।

यदि आपकी अंगूठी में ग्रहों से संबंधित कोई स्टोन लगा है तो आप उसके अनुसार बताई गई अंगुली में ही उसे धारण करें।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 4 जुलाई - 2026

जापान से रणनीतिक गठबंधन

दुनिया आज भरोसेमंद साझेदारों की तलाश में है। ऊर्जा सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन), उन्नत तकनीक और रक्षा सहयोग वैश्विक शक्ति संतुलन तय कर रहे हैं। ऐसे दौर में भारत और जापान की बढ़ती रणनीतिक साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एशिया और विश्व व्यवस्था की स्थिरता के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण बन चुकी है। जापान के प्रधानमंत्री शनाए तकाइची की भारत यात्रा इसी बदलते वैश्विक परिदृश्य में दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाई देने वाला महत्वपूर्ण अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उन्हें आत्मीयता से छोटी बहन कह कर संबोधित करना इस गहरे विश्वास और परिपक्व संबंध का प्रतीक है। भारत और जापान लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और शांतिपूर्ण विकास के साझा समर्थक हैं। पिछले एक दशक में दोनों देशों के बीच आर्थिक, तकनीकी, रक्षा और रणनीतिक सहयोग निरंतर मजबूत हुआ है। पहली बार संयुक्त रक्षा उपकरण विकास पर सहमति इस बात का संकेत है कि दोनों देश पारंपरिक मित्रता से आगे बढ़कर दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदार बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। कोविड-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी एक देश या सीमित आपूर्ति स्रोत पर अत्यधिक निर्भरता वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर जोखिम बन सकती है। दूसरी ओर, चीन द्वारा रेयर अर्थ खनिजों और महत्वपूर्ण तकनीकी संसाधनों का रणनीतिक उपयोग भी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। ऐसे में भारत और जापान के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर, बायोटेक्नोलॉजी और अन्य क्रिटिकल टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग भविष्य की आर्थिक, तकनीकी और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने वाला निर्णायक कदम है। रक्षा सहयोग इस संबंध का दूसरा मजबूत स्तंभ है। दोनों देशों द्वारा नौसेना के लिए आधुनिक संचार प्रणालियों तथा रक्षा तकनीक के संयुक्त विकास की पहल हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा को नई मजबूती देगी। क्वाड (भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया) के माध्यम से भी दोनों देश स्वतंत्र, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के पक्षधर हैं। आर्थिक मोर्चे पर भी यह मित्रता नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है। पिछले वर्षों में जापान भारत में अरबों डॉलर का निवेश बढ़ा रहा है। सरकार अगले दशक में भारत में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। जापान को भारत का विशाल बाजार, युवा कार्यबल और तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था आकर्षित करती है, जबकि भारत को जापान की उन्नत तकनीक, निवेश, गुणवत्ता आधारित विनिर्माण और नवाचार का लाभ मिलेगा। यह साझेदारी दोनों देशों की विकास यात्रा को नई गति देने की क्षमता रखती है। भारत और जापान की मित्रता आज केवल दो देशों के रिश्ते का नाम नहीं, बल्कि एशिया और विश्व में स्थिरता, समृद्धि और भरोसे का मजबूत आधार बन चुकी है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों में यह संबंध रणनीतिक दूरदर्शिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। भारत और जापान की यह साझेदारी प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि स्थिरता, समृद्धि और नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था की साझा प्रतिबद्धता है। यदि दोनों देश इसी विश्वास, पारदर्शिता और दूरदर्शिता के साथ आगे बढ़ते रहे, तो यह संबंध 21वीं सदी की सबसे सफल, प्रभावशाली और विश्वसनीय रणनीतिक मित्रताओं में शामिल होगा।

चीन का नया कानून दुनिया में बहस का बड़ा मुद्दा

अजय कुमार

भारत में समान नागरिक संहिता यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर बहस अभी जारी है, लेकिन इसी दौरान चीन ने ऐसा कानून लागू कर दिया है, जिसने पूरी दुनिया में नई चर्चा छेड़ दी है। पहली नजर में इसे देखकर लगता है कि यह भी किसी तरह का 'यूनिफॉर्म कानून' है, लेकिन असलियत इससे कहीं ज्यादा गहरी है। 1 जुलाई 2026 से लागू हुआ 'एथनिक यूनिटी एंड प्रोग्रेस प्रमोशन लॉ' केवल कानून नहीं बल्कि चीन की उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए वह देश में मौजूद अलग-अलग जातीय पहचानों को एक साझा चीनी राष्ट्रीय पहचान में ढालना चाहता है। यही वजह है कि जहां बीजिंग इसे राष्ट्रीय एकता का सबसे बड़ा कदम बता रहा है, वहीं संयुक्त राष्ट्र, एमनेस्टी इंटरनेशनल और कई मानवाधिकार संगठन इसे अल्पसंख्यकों की पहचान मिटाने की कानूनी शुरुआत मान रहे हैं।करीब 1.41 अरब आबादी वाले चीन में सरकार आधिकारिक तौर पर 56 जातीय समूहों को मान्यता देती है। इनमें लगभग 91 प्रतिशत आबादी हान समुदाय की है, जबकि बाकी 55 समुदायों में उइगर, तिब्बती, मंगोल, हुई, झुआंग, मियाओ और कई अन्य समूह शामिल हैं। इन समुदायों की अपनी भाषाएं, संस्कृति, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक पहचान है। चीन का संविधान इन्हें अधिकार देता है, लेकिन पिछले एक दशक में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार ने 'झोंगहुआ मिन्ज़ू' यानी एकीकृत चीनी राष्ट्र की अवधारणा को सबसे ऊपर रखा है। अब उसी सोच को पहली बार एक व्यापक राष्ट्रीय कानून का रूप दे दिया गया है।दरअसल यह कहानी आज से नहीं बल्कि कई दशक पहले शुरू हुई थी। 1984 में चीन ने रीजनल एथनिक ऑटोनॉमी लॉ बनाया था, जिसके तहत अल्पसंख्यक क्षेत्रों को अपनी भाषा और संस्कृति बचाने के कुछ अधिकार मिले थे। लेकिन 2014 के बाद स्थिति बदलनी शुरू हुई। शी जिनपिंग ने राष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकवाद और अलगाववाद को सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए नई नीति अपनाई। शिनजियांग में निगरानी व्यवस्था बढ़ाई गई, तिब्बत में शिक्षा व्यवस्था बदली गई, इनर मंगोलिया में स्थानीय भाषा की जगह मंदारिन को बढ़ावा दिया गया। उस समय इन फैसलों का विरोध हुआ, लेकिन सरकार पीछे नहीं हटी। अब वही सारी नीतियां एक नए कानून के जरिए स्थायी ढांचे में बदल गई हैं।इस कानून का सबसे बड़ा आधार भाषा है। चीन चाहता है कि पूरे देश में एक साझा भाषा के रूप में मंदारिन ही प्रमुख रहे। प्री-स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय तक शिक्षा का मुख्य माध्यम मंदारिन होगा। सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक संस्थानों और आधिकारिक संचार में भी इसी भाषा को प्राथमिकता दी जाएगी।

सरकार का तर्क है कि साझा भाषा आर्थिक अवसर बढ़ाती है, रोजगार आसान बनाती है और राष्ट्रीय एकता मजबूत करती है। लेकिन विरोध करने वालों का कहना है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि पहचान का सबसे बड़ा आधार होती है। यदि किसी समुदाय की मातृभाषा धीरे-धीरे स्कूलों और सरकारी व्यवस्था से बाहर हो जाएगी तो आने वाली पीढ़ियों में उसकी सांस्कृतिक पहचान भी कमजोर पड़ जाएगी। यही वजह है कि सबसे ज्यादा चिंता उइगर, तिब्बती और मंगोल समुदायों को लेकर जताई जा रही है। शिनजियांग में करीब 1.2 करोड़ उइगर मुसलमान, तिब्बत में लाखों तिब्बती बौद्ध और इनर मंगोलिया में बड़ी संख्या में मंगोल समुदाय रहता है। पिछले कुछ वर्षों से इन इलाकों में स्थानीय भाषाओं की जगह मंदारिन को बढ़ावा देने की नीति लागू की जा रही थी। अब नया कानून इस पूरी प्रक्रिया को कानूनी सुरक्षा देता है।

स्वामी विवेकानंद : युग चेतना के जीवंत प्रकाश स्तंभ

डॉ घनश्याम बादल

4 जुलाई भारतीय इतिहास का वह दिन है, जब केवल एक संन्यासी का देहावसान नहीं हुआ, बल्कि एक ऐसे युगपुरुष ने अपने नश्वर शरीर का त्याग किया, जिसने भारत की आत्मा को नई चेतना, नया आत्मविश्वास और नई दिशा प्रदान की। मात्र उनतालीस वर्ष की अल्पायु में संसार से विदा लेने वाले स्वामी विवेकानंद ने जितना कार्य किया, उतना अनेक लोग लंबा जीवन जीकर भी नहीं कर पाते। उनकी पुण्यतिथि केवल श्रद्धांजलि देने का अवसर नहीं, बल्कि उनके विचारों, उनके व्यक्तित्व और उनके अधूरे स्वप्नों का आत्ममंथन करने का दिन भी है।

12 जनवरी 1863 को कोलकाता में नरेंद्रनाथ दत्त के रूप में जन्मे इस विलक्षण बालक में बचपन से ही अद्भुत जिज्ञासा, निर्भीकता और सत्य की खोज का भाव था। वे केवल धार्मिक पहीं, बल्कि दर्शन, विज्ञान, इतिहास, साहित्य और संगीत के गंभीर अध्येता भी थे। उनका प्रश्न था-क्या आपने ईश्वर को देखा है? इस प्रश्न का संतोषजनक उत्तर उन्हें केवल श्री रामकृष्ण परमहंस से मिला। यहीं से नरेंद्रनाथ का जीवन बदल गया और वे स्वामी विवेकानंद बने। विवेकानंद की सबसे बड़ी विशेषता थी धर्म को कर्म से जोड़ना। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भूखे व्यक्ति के लिए रोटी ही सबसे बड़ा धर्म है। वे मंदिरों तक सीमित ईश्वर के बजाय मनुष्य की सेवा में ईश्वर का दर्शन करते थे।

उनका संदेश,दरिद्र नारायण की सेवा ही सच्ची पूजा है आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने संन्यास को पलायन नहीं, बल्कि समाज निर्माण का माध्यम बनाया। 1893 में अमेरिका के शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में उनका अमेरिका की बहनों और भाइयों₹ से आरंभ हुआ संबोधन केवल भाषण नहीं,भारत की सांस्कृतिक आत्मा की उद्घोषणा थी।

कुछ ही मिनटों में उन्होंने पश्चिमी जगत को भारतीय दर्शन की विशालता, सहिष्णुता और सार्वभौमिकता से परिचित करा दिया। उस दिन एक गुलाम भारत का संन्यासी विश्व मंच पर आत्मविश्वास के साथ खड़ा था और पूरी दुनिया उसकी वाणी सुन रही थी।। यह भारत के आत्मगौरव का पुनर्जागरण था।

विवेकानंद को केवल शिकागो तक सीमित कर देना उनके विराट व्यक्तित्व के साथ अन्याय होगा। उनके जीवन का सबसे बड़ा पक्ष भारत-भ्रमण है। उन्होंने राजमहलों से लेकर झोपड़ियों तक भारत को देखा। वे केवल हिमालय की गुफाओं में ध्यान नहीं करते रहे, बल्कि किसानों, मजदूरों, दलितों, आदिवासियों और उपेक्षित वर्गों की पीड़ा को निकट से अनुभव किया। कन्याकुमारी की शिला पर बैठकर उन्होंने जिस भारत का स्वप्न देखा, वह केवल आध्यात्मिक भारत नहीं था, बल्कि शिक्षित, आत्मनिर्भर, समरस और शक्तिशाली भारत था। बहुत कम लोग जानते हैं कि वे आधुनिक विज्ञान के समर्थक थे। उनका मानना था कि विज्ञान और अध्यात्म परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने युवाओं से अंधविश्वास छोड़कर विवेक, तर्क और अनुभव के आधार पर सत्य स्वीकार करने का आग्रह किया। वे कहते थे कि यदि किसी बात को बुद्धि स्वीकार नहीं करती, तो उसे केवल परंपरा के नाम पर मत मानो। यह दृष्टिकोण उन्हें रूढ़िवादी धार्मिक नेताओं से अलग करता है।

स्वामी विवेकानंद स्त्री-शिक्षा और महिला सशक्तीकरण के भी प्रबल समर्थक थे। उनका स्पष्ट मत था कि किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसकी महिलाओं की स्थिति से मापी जा सकती है। वे भारतीय नारी में अपार शक्ति देखते थे और चाहते थे कि उसे शिक्षा, सम्मान और अवसर मिले। उन्होंने कहा था कि पक्षी एक पंख से उड़ नहीं सकता; समाज भी स्त्री और पुरुष दोनों की समान भागीदारी के बिना आगे नहीं बढ़ सकता।

जातिगत भेदभाव के प्रति उनका दृष्टिकोण अत्यंत स्पष्ट था। उन्होंने जन्म के आधार पर ऊँच-नीच का विरोध किया और मनुष्य की श्रेष्ठता का आधार उसके चरित्र, कर्म और ज्ञान को माना। वे सामाजिक समरसता के पक्षधर थे। उनके लिए राष्ट्र निर्माण का अर्थ केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा की स्थापना भी था। विवेकानंद के व्यक्तित्व का एक कम चर्चित पक्ष उनका अद्भुत संगठन कौशल था। उन्होंने केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि रामकृष्ण मिशन की स्थापना कर सेवा, शिक्षा, चिकित्सा और राहत कार्यों की ऐसी परंपरा विकसित की, जो आज भी देश-विदेश में निरंतर चल रही है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि आध्यात्मिकता का सर्वोच्च रूप मानव सेवा है।

युवाओं के प्रति उनका विश्वास असाधारण था। उनका प्रसिद्ध आह्वान ₹उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको₹आज भी करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वे युवाओं में केवल ऊर्जा नहीं, बल्कि चरित्र, अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति देखना चाहते थे। उनका कहना था कि हमें ऐसे मनुष्य चाहिए जिनकी मांसपेशियाँ लोहे की हों, स्नायु इस्पात के हों और जिनके भीतर अटूट आत्मविश्वास हो। उनके अनुसार राष्ट्र का भविष्य पुस्तकीय ज्ञान से नहीं, बल्कि चरित्रवान नागरिकों से निर्मित होता है।

आज जब समाज धार्मिक कट्टरता, सामाजिक विभाजन, उपभोक्तावाद, मानसिक तनाव, बेरोज़गारी और नैतिक संकट जैसी अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, तब विवेकानंद का दर्शन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। उन्होंने धर्म को जोड़ने का माध्यम बनाया, आत्मविश्वास का संदेश दिया, जबकि आज का युवा अक्सर हीनभावना और अवसाद से संघर्ष कर रहा है। उन्होंने सेवा को साधना माना, जबकि आज सफलता का अर्थ प्रायः केवल आर्थिक उपलब्धि तक सीमित होता जा रहा है। उन्होंने भारतीय संस्कृति पर गर्व करना सिखाया, परंतु साथ ही संकीर्णता से दूर रहकर विश्वबंधुत्व का मार्ग भी दिखाया।

स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी उनके विचारों को शिक्षा, राजनीति, समाज, प्रशासन और व्यक्तिगत जीवन में उतारने का प्रयास करें। भारत यदि आत्मविश्वासी, ज्ञानवान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से युक्त, सामाजिक रूप से समरस और नैतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनना चाहता है, तो विवेकानंद का मार्गदर्शन आज भी उतना ही उपयोगी है जितना एक शताब्दी पहले था। वास्तव में, स्वामी विवेकानंद का शरीर 4 जुलाई 1902 को पंचतत्त्व में विलीन हुआ, पर उनका विचार आज भी जीवित है।

वे वर्तमान के पथप्रदर्शक और भविष्य के प्रेरणास्रोत हैं। जब तक भारत अपनी आत्मा की खोज करता रहेगा, जब तक युवा अपने भीतर की शक्ति को पहचानने का प्रयास करता रहेगा और जब तक मानवता सेवा, समरसता तथा सत्य के मार्ग पर चलने की आकांक्षा रखेगी, तब तक स्वामी विवेकानंद का प्रकाश कभी मंद नहीं नहीं होगा।

संवैधानिक सर्जरी: सत्ता से अपराध की सीधी विदाई

आरके जैन

भारतीय राजनीति की सबसे ऊंची कुर्सियों के लिए अब केवल जनादेश पर्याप्त नहीं रहेगा, बल्कि कानून की कसौटी पर खरा उतरना भी अनिवार्य होगा। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 (जो अगस्त 2025 में लोकसभा में पेश किया गया) इसी नई व्यवस्था का संकेत देता है। इसके अनुसार यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई मंत्री ऐसे गंभीर अपराध में, जिसमें पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा का प्रावधान है, लगातार तीस दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसे इकतीसवें दिन पद छोड़ना होगा। इस्तीफा न देने पर उसका पद स्वतः समाप्त हो जाएगा। यह संशोधन केवल कानूनी बदलाव नहीं, बल्कि उस राजनीतिक संस्कृति पर प्रहार है, जिसमें जेल से भी सत्ता संचालित होती रही। संदेश स्पष्ट है-लोकतंत्र में जनादेश सम्मान देता है, पर पद पर बने रहने का अधिकार अंततः कानून और जनविश्वास ही तय करेंगे।

इस विधेयक की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उसने जवाबदेही को समय-सीमा से बांध दिया है।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के लिए निर्धारित अवधि पूरी होते ही पद छोड़ना अनिवार्य होगा। मंत्रियों के मामले में राष्ट्रपति या राज्यपाल, प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्री की सलाह पर कार्रवाई करेंगे, लेकिन सलाह न आने पर भी पद स्वतः समाप्त हो जाएगा। अर्थात अब संवैधानिक व्यवस्था किसी राजनीतिक निर्णय की बंधक नहीं रहेगी। यह प्रावधान सर्वोच्च न्यायालय के लिली थॉमस निर्णय की भावना को आगे बढ़ाता है, जिसने दोषसिद्धि पर तत्काल अयोग्यता का सिद्धांत स्थापित किया था। रेप्रेज़ेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट, 1951 पहले से दोषसिद्ध जनप्रतिनिधियों को अयोग्य ठहराता है, किंतु नया संशोधन जवाबदेही की शुरुआत दोषसिद्धि के बाद नहीं, बल्कि गंभीर मामलों में लंबी न्यायिक हिरासत से ही कर देता है। यही इसे अब तक की व्यवस्थाओं से अलग और अधिक प्रभावी बनाता है। यदि यह संशोधन प्रभावी ढंग से लागू हुआ, तो राजनीति की कार्यसंस्कृति बदल सकती है। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार पर इसका सीधा प्रहार होगा, क्योंकि गंभीर मामलों में लंबी न्यायिक हिरासत अब केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सत्ता से विदाई का कारण भी बन सकती है। इससे स्वच्छ छवि वाले नेतृत्व को अवसर मिलेगा, ईमानदार युवाओं का भरोसा बढ़ेगा और जनता का विश्वास मजबूत होगा कि कानून से ऊपर कोई नहीं। शासन का ध्यान व्यक्तिगत मुकदमों से हटकर विकास और सुशासन पर केंद्रित रहेगा। उल्लेखनीय है कि यह स्थायी दंड नहीं है; न्यायिक राहत मिलने पर पुनर्नियुक्ति संभव होगी। इसलिए यह व्यवस्था प्रतिशोध नहीं, बल्कि सार्वजनिक पद की गरिमा और जवाबदेही को सुरक्षित रखने का निवारक उपाय अधिक है। इसी कारण कुछ संवैधानिक विशेषज्ञ इसे भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानते हैं।

सिक्के का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या केवल लंबी न्यायिक हिरासत, बिना दोषसिद्धि के, किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को पद से हटाने का आधार बन सकती है, जबकि न्याय का मूल सिद्धांत प्रत्येक व्यक्ति को दोष सिद्ध होने तक निर्दोष मानता है। विपक्ष और अनेक विधि विशेषज्ञों को आशंका है कि जांच एजेंसियों पर राजनीतिक प्रभाव बढ़ने पर यह प्रावधान विरोधियों को सत्ता से हटाने का हथियार बन सकता है। विशेषकर विपक्ष शासित राज्यों में इससे केंद्र-राज्य संबंधों में तनाव बढ़ने की आशंका है। इसलिए इस संशोधन की वास्तविक कसौटी उसकी कठोरता नहीं, बल्कि निष्पक्ष और दुरुपयोग-मुक्त क्रियान्वयन होगी।

इस बदलाव का असर केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सरकारों की स्थिरता पर भी पड़ेगा। छोटे बहुमत वाली सरकारों में यदि मुख्यमंत्री या कई मंत्री एक साथ पद छोड़ने को विवश हुए, तो सत्ता का संतुलन बदल सकता है और नए राजनीतिक समीकरण उभर सकते हैं। समर्थकों का तर्क है कि यदि किसी सरकार की स्थिरता गंभीर मामलों में जेल में बंद नेताओं पर टिकी है, तो ऐसी स्थिरता लोकतंत्र के हित में नहीं मानी जा सकती। इसलिए असली चुनौती सरकार बचाने की नहीं, बल्कि शासन की विश्वसनीयता बनाए रखने की है। आखिर लोकतंत्र केवल सरकारों के टिके रहने से नहीं, बल्कि जनता के अटूट विश्वास से मजबूत होता है। यह विधेयक भारतीय राजनीति को दो खेमों में बांट चुका है और जेपीसी में इस पर बहस जारी है। सत्तापक्ष इसे भ्रष्टाचार-मुक्त शासन की दिशा में ऐतिहासिक कदम मानता है, जबकि विपक्ष इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर आघात बताता है। इसलिए संसदीय समिति की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह सभी प्रावधानों की गहन समीक्षा कर दुरुपयोग रोकने के लिए प्रभावी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करे। सर्वोच्च न्यायालय स्पष्ट कर चुका है कि सांसद और विधायक विशेषाधिकार प्राप्त शासक नहीं, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेह जनसेवक हैं। अतः यह संशोधन तभी सफल माना जाएगा जब जवाबदेही और न्याय का संतुलन बना रहे। वर्तमान में जेपीसी इस विधेयक की जांच कर रही है और जुलाई 2026 के मध्य तक रिपोर्ट पेश करेगी।

इस संशोधन के दूरगामी प्रभाव राजनीति की कार्यसंस्कृति में भी दिखाई दे सकते हैं। दलों को स्वच्छ छवि और कानूनी रूप से निर्विवाद नेताओं को प्राथमिकता देनी होगी, जिससे नए नेतृत्व के उभरने की संभावनाएं बढ़ेंगी और जनता की अपेक्षाएं भी बदलेंगी। तब यह संशोधन केवल कानून नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति में बदलाव का आधार बन सकता है। लेकिन यदि जांच एजेंसियों की निष्पक्षता संदेह के घेरे में रही, तो यही व्यवस्था लोकतांत्रिक टकराव और राजनीतिक अविश्वास का कारण भी बन सकती है।

अंतिम कसौटी कानून बनाने की नहीं, उसे निष्पक्षता से लागू करने की होती है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक भी उसी परीक्षा से गुजरेगा। यदि इसका संतुलित और निष्पक्ष क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ, तो यह स्वच्छ शासन, उत्तरदायी नेतृत्व और कानून की सर्वोच्चता का नया अध्याय लिखेगा। लेकिन यदि इसका दुरुपयोग हुआ, तो यही कानून लोकतांत्रिक विवादों का केंद्र बन जाएगा। अंततः लोकतंत्र की मजबूती कानूनों की संख्या से नहीं, उनके न्यायपूर्ण पालन से तय होती है।

खामेनेई का अंतिम संस्कार: शोक आमंत्रण में छिपा है बड़ा सियासी संदेश

संजय सक्सेना

ईरान के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के निधन के बाद चार जुलाई 2026 को उनके अंतिम संस्कार को लेकर उपजे कूटनीतिक घटनाक्रम ने भारतीय राजनीति और विदेश नीति के गलियारों में एक नई चर्चा को जन्म दे दिया है। ईरान सरकार द्वारा भारत की कई प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों को इस शोक सभा में आमंत्रित करना न केवल दोनों देशों के बीच गहरे होते संबंधों का संकेत है, बल्कि यह पश्चिम एशिया की बदलती भू-राजनीति में भारत की बढ़ती अहमियत को भी रेखांकित करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिला निमंत्रण इस बात का प्रमाण है कि ईरान भारत को अपने रणनीतिक भागीदारों की सूची में शीर्ष पर रखता है, लेकिन प्रधानमंत्री के स्थान पर बिहार के राज्यपाल को भारत के प्रतिनिधि के तौर पर भेजना यह दर्शाता है कि भारत कूटनीतिक शिष्टाचार और आंतरिक व्यस्तताओं के बीच एक संतुलित रुख अपना रहा है। यह आमंत्रण भारत के लिए एक जटिल स्थिति भी पैदा करता है। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं को बुलावा जाना यह स्पष्ट करता है कि ईरान भारत के किसी एक धड़े या सरकार से नहीं, बल्कि पूरे भारतीय तंत्र से संवाद बनाए रखने का इच्छुक है। भारत के भीतर अयातुल्ला अली खामेनेई और ईरानी नेतृत्व के प्रति एक बड़े वर्ग की आस्था किसी से छिपी नहीं है। हाल ही में मोहर्रम के दौरान लखनऊ और देश के अन्य हिस्सों में खामेनेई के पोस्टर और उनकी विचारधारा के समर्थन में दिखने वाली सक्रियता इस बात का प्रमाण है कि भारत में ईरान के वैचारिक और धार्मिक अनुयायियों का एक मजबूत आधार मौजूद है। ऐसे में ईरान के शोक में शामिल होने का सरकार का यह निर्णय इस विशाल आबादी के प्रति एक संवेदनशील संदेश भी है।

भारतीय राजनीति के दृष्टिकोण से देखें तो यह घटनाक्रम देश के भीतर सॉफ्ट पावर और सांस्कृतिक कूटनीति की जटिलताओं को उजागर करता है। जब भारत सरकार के प्रतिनिधि आधिकारिक तौर पर ईरान के इस शोक आयोजन में शामिल होते हैं, तो वे अनजाने में ही घरेलू राजनीति में मौजूद उन समर्थकों को एक सकारात्मक संदेश देते हैं, जो ईरान के शीर्ष नेतृत्व के प्रति गहरी श्रद्धा रखते हैं। यह कदम भारत की उस स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी (रणनीतिक स्वायत्तता) को भी पुष्ट करता है, जहां भारत अमेरिका और इज़रायल जैसे अपने अन्य रणनीतिक सहयोगियों के साथ संबंधों को प्रभावित किए बिना ईरान के साथ अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जुड़ाव को प्राथमिकता देता है। कहा जा रहा है कि इस यात्रा का व्यापक प्रभाव यह होगा कि यह भारत को वैश्विक स्तर पर एक ऐसे तटस्थ और संतुलित शक्ति के रूप में स्थापित करेगा, जिसकी पहुंच और प्रभावशीलता ईरान जैसे देशों के बीच भी बनी हुई है। हालांकि, देश की आंतरिक राजनीति में यह कदम विपक्षी दलों के लिए एक अवसर भी हो सकता है कि वे भारत की विदेश नीति में ईरान के महत्व को रेखांकित करें और सरकार पर यह दबाव बनाएं कि वह इस संबंध को आगे बढ़ाते हुए अपनी अल्पसंख्यक आबादी की आकांक्षाओं और हितों का भी ध्यान रखे। बहरहाल, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन के बाद उनके अंतिम संस्कार और दफन समारोह के लिए ईरान द्वारा भारत को भेजा गया औपचारिक आमंत्रण एक अत्यंत महत्वपूर्ण राजनयिक घटना है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया था, जो दोनों देशों के बीच गहरे रणनीतिक और ऐतिहासिक संबंधों का संकेत है। हालांकि, प्रधानमंत्री के पास पहले से निर्धारित अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के चलते भारत सरकार ने एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का निर्णय लिया है, जिसमें बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा शामिल हैं। इस आमंत्रण की सबसे दिलचस्प कड़ी वह सूची है, जिसमें मुख्यधारा के कई राजनीतिक दलों के नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद और पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा को निमंत्रण मिला है। इसके अतिरिक्त, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती तथा जम्मू-कश्मीर के पाँच शिया धर्मगुरुओं को भी आमंत्रित किए जाने की खबरें हैं।

ईरान की इस रणनीति के पीछे कई गहरे भू-राजनीतिक निहितार्थ छिपे हैं। सबसे स्पष्ट संदेश यह है कि ईरान भारत के साथ केवल सत्ताधारी दल के साथ ही नहीं, बल्कि भारत की पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था और विविध राजनीतिक स्पेक्ट्रम के साथ अपना जुड़ाव बनाए रखना चाहता है। विपक्षी नेताओं और क्षेत्रीय दिग्गजों को बुलाकर ईरान यह जताना चाहता है कि उसका भारत से संबंध किसी एक सरकार या कार्यकाल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक "राष्ट्र-से-राष्ट्र" का रिश्ता है जो दशकों पुराना है।उधर, कई बड़े राजनीतिक चेहरों और रसूखदार नेताओं को आमंत्रण न मिलना ईरान की एक सधी हुई कूटनीति का हिस्सा माना जा रहा है। ईरान नहीं चाहता कि इस गंभीर शोक आयोजन को किसी प्रकार की घरेलू राजनीतिक खींचतान या अंतरराष्ट्रीय विवादों में घसीटा जाए। निमंत्रण सूची को बेहद चुनिंदा रखना यह भी बताता है कि तेहरान भारत के साथ कूटनीतिक संतुलन बनाने में बहुत सतर्क है।

घर की बूढ़ी दीवारें

सुरेश कुमार मिश्रा

शहर के सबसे पुराने मुहल्ले में एक मकान था जिसकी दीवारें इतनी बूढ़ी हो चुकी थीं कि हर बारिश के बाद वे अपने भीतर का नमक बाहर निकालकर रोती थीं। लोग उसे भूतों का घर कहते थे, लेकिन वहाँ रहने वाला बूढ़ा आदमी हँसकर कहता, भूत तो उन घरों में रहते हैं जहाँ इंसान होना मर जाता है। उसका नाम कोई नहीं जानता था। बच्चे उसे बाबा कहते थे, दूधवाला उसे उधार कहता था, बिजली वाला उसे बकायेदार और नगर निगम वाला उसे अतिक्रमण। उसका अपना नाम जैसे सरकारी फाइलों के किसी पीले पन्ने में दम तोड़ चुका था। हर सुबह वह टूटी कुर्सी बाहर निकालकर बैठ जाता और राह चलते लोगों से पूछता, बेटा, आज इंसानियत किस गली से गुज़री थी, कहीं दिखी क्या? लोग मुस्कराकर आगे बढ़ जाते। एक दिन एक लड़का रुक गया। उसने पूछा, बाबा, आप रोज़ यही सवाल क्यों पूछते हैं? बाबा ने अपनी धुँधली आँखों में उतरती शाम को समेटते हुए कहा, क्योंकि कल तक जो मेरे पड़ोसी थे, आज वे मेरे मोबाइल नंबर तक से अनजान हो गए हैं। रिश्ते अब घंटियों की तरह हैं, बजते तभी हैं जब किसी को अपना काम हो। लड़का चुप हो गया। हवा ने सूखे नीम से कुछ पत्ते गिराए। बाबा उन्हें उठाकर हथेली पर रखने लगा जैसे किसी बूढ़ी माँ के झड़ते बाल समेट रहा हो। उसने धीमे से कहा, पेड़ कम से कम गिरकर भी धरती का हाथ नहीं छोड़ते, इंसान तो खड़े खड़े भी साथ छोड़ देता है। सामने से गुजरते नेता का काफिला धूल उड़ाता निकल गया। बाबा मुस्कराया, देखो बेटा, धूल भी अब गाड़ियों के साथ चलती है, पैरों के साथ नहीं।

अगले दिन मोहल्ले में खबर फैली कि सरकार ने उस इलाके के विकास का नक्शा बना लिया है। लोग खुश थे। किसी को चौड़ी सड़क चाहिए थी, किसी को पार्क, किसी को शॉपिंग कॉम्प्लेक्स। बाबा चुपचाप अपनी दीवार सहला रहा था। तभी अधिकारी आए। एक ने नक्शा खोलकर कहा, बाबा, आपका मकान प्रगति के रास्ते में आ रहा है। बाबा ने मुस्कराकर पूछा, प्रगति किसकी होगी साहब, सड़क की या आदमी की?अधिकारी हँस पड़ा। भावुक मत बनिए। मुआवजा मिलेगा। बाबा ने दीवार पर टँगी अपनी पत्नी की धुँधली तस्वीर की ओर देखा और बोला, साहब, क्या आपकी फाइल में यादों की भी कोई कीमत लिखी है? दूसरा अधिकारी झुँझलाकर बोला, हम भावनाएँ नहीं नापते। बाबा ने उत्तर दिया, यही तो इस देश की सबसे बड़ी तरक्की है। अब सब कुछ नापा जाता है, बस आदमी नहीं। भीड़ तमाशा देख रही थी। किसी ने कहा, बाबा जिद्दी है। किसी ने कहा, बूढ़े लोग बदलाव नहीं चाहते। बाबा धीरे से बोला, बदलाव मुझे भी चाहिए बेटा। बस इतना कि आदमी फिर आदमी कहलाने लगे। उसकी आवाज़ इतनी धीमी थी कि उसे सुनने के लिए कान नहीं, दिल चाहिए था। मगर वहाँ दिलों की जगह मोबाइल कैमरे खुले हुए थे। हर चेहरा घटना रिकॉर्ड कर रहा था, कोई पीड़ा नहीं। रात को वही लड़का फिर आया। उसने पूछा, बाबा, अगर घर टूट गया तो आप कहाँ जाएँगे? बाबा ने आकाश की ओर देखा। जहाँ से आया था, वहीं। आदमी आखिर रहता कहाँ है? ईंटों में या स्मृतियों में? लड़के ने कहा, मैं आपको अपने घर ले जाऊँगा। बाबा मुस्कराया। बेटा, जिस घर में बूढ़े को जगह देने के लिए पहले सोफा हटाना पड़े, वहाँ बूढ़ा नहीं जाता। लड़का रो पड़ा। तो मैं क्या करूँ? बाबा ने उसका सिर सहलाया। बस इतना करना कि जब तेरे पिता बूढ़े हों तो उन्हें कैलेंडर की पुरानी तारीख मत समझना। तभी सामने वाले मकान से तेज संगीत बजने लगा। जन्मदिन की पार्टी थी। इधर बाबा चुपचाप अपनी पत्नी की तस्वीर से बातें कर रहा था। सुनो, लगता है अब हमारे घर की उम्र पूरी हो गई। तुम तो पहले ही चली गई थीं।

फीफा वर्ल्ड कप में रोनाल्डो के नाम बड़ी उपलब्धि

नॉकआउट मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में पुर्तगाल ने क्रोएशिया को 2-1 से हराया। पुर्तगाल की ओर से क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी पर एक शानदार गोल दागा। इस मुकाबले में मैदान पर उतरने के साथ ही रोनाल्डो फीफा वर्ल्ड कप इतिहास का नॉकआउट मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। रोनाल्डो ने 41 साल और 147 दिन की उम्र में यह मुकाबला खेला। इसके साथ ही रोनाल्डो नॉकआउट मुकाबले में गोल करने वाले भी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। उन्होंने पूर्व खिलाड़ी पेपे का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 39 साल और 283 दिन की उम्र में यह मुकाम हासिल किया था। रोनाल्डो के अलावा, पुर्तगाल की ओर से गोंजालो रामोस ने निर्णायक गोल किया। क्रोएशिया के खिलाफ मिली जीत के साथ ही पुर्तगाल ने राउंड ऑफ 16 का टिकट हासिल कर लिया है। मुकाबले के पहले हाफ में पुर्तगाल और क्रोएशिया की ओर से कोई भी गोल नहीं हुआ। दोनों टीमों के डिफेंस ने शुरुआती 45 मिनटों में जबरदस्त खेल दिखाया। हालांकि, दूसरे हाफ के आगाज के साथ ही इवान पेरिसिच ने क्रोएशिया को मुकाबले में 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, इस बढ़त को पुर्तगाल ने ज्यादा देर तक बरकरार नहीं रहने दिया। रोनाल्डो ने पेनल्टी के रूप में मिले शानदार मौके को भुनाते हुए बेहतरीन गोल दागा और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

इसके बाद इंजरी टाइम में राफेल लियाओ के बेहतरीन पास पर रामोस ने पुर्तगाल की तरफ से दूसरा गोल करते हुए टीम की जीत पर मुहर लगा दी।

अतिरिक्त समय में क्रोएशिया की ओर से मारियो पासालिक ने गोल किया, लेकिन मारियो के ऑफसाइड होने की वजह से गोल को अमान्य करार दे दिया गया और क्रोएशिया का जश्न जल्द ही दुख में तब्दील हो गया। यह क्रोएशिया के दिग्गज खिलाड़ी लुका मॉड्रिक का आखिरी विश्व कप मुकाबला भी रहा। मैच के बाद रोनाल्डो मॉड्रिक से गले मिलते हुए भी नजर आए। पुर्तगाल ने जीत के साथ राउंड ऑफ 16 में अपनी जगह पक्की कर ली है। वहीं, हार के साथ क्रोएशिया का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है।

हरभजन सिंह कभी ट्रक ड्राइवर बनने का बना चुके थे मन

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज ने बदला नसीब

हरभजन सिंह की गिनती उन महान ऑफ स्पिन गेंदबाजों के रूप में होती है, जिन्होंने भारत के लिए कई यादगार जीत में अहम भूमिका निभाई। टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले इस पहले भारतीय ऑफ स्पिनर को 'टर्बनेटर' नाम से भी जाना जाता है। 3 जुलाई 1980 को पंजाब के जालंधर में जन्मे हरभजन ने बड़े-बड़े धुरंधर बल्लेबाजों को अपनी उंगलियों पर नचाया है।

'भज्जी' को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था। घरेलू स्तर शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें मार्च 1998 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू का मौका मिल गया। करीब डेढ़ साल तक भारत की तरफ से खेलने के बाद हरभजन सिंह को टीम से बाहर कर दिया गया था। अनिल कुंबले उस समय टीम इंडिया के स्टार स्पिनर थे, जिनके चोटिल होने के बाद भी भज्जी के बजाय दूसरे खिलाड़ियों को मौका मिल रहा था, इससे वह काफी निराश थे।

इसी बीच साल 2000 में हरभजन सिंह के पिता का निधन हो गया। ऐसे में मां और 5 बहनों की जिम्मेदारी हरभजन सिंह के कंधों पर आ गई। एक ओर टीम में जगह न मिलना, तो दूसरी तरफ आर्थिक समस्या से जूझ रहे परिवार को देखते हुए भज्जी क्रिकेट छोड़ने पर विचार करने लगे थे।

हरभजन ने अमेरिका जाकर ट्रक ड्राइवर बनने का मन बना लिया था। हालांकि, बहनों ने सपोर्ट किया और भज्जी रणजी ट्रॉफी खेलने के लिए तैयार हो गए और एक ही सीजन में 28 विकेट अपने नाम किए।

साल 2001 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज से पहले कुंबले चोटिल गए थे, जिसके बाद कप्तान सौरव गांगुली के कहने पर भज्जी की टीम में वापसी हुई। इस सीरीज में उन्होंने 3 मुकाबलों में कुल 32 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान कोलकाता में खेले गए टेस्ट मैच में उन्होंने हैट्रिक भी ली। यहां से भज्जी टीम इंडिया के प्रमुख स्पिनर्स में शुमार हो गए।

मैदान पर अपनी आक्रामकता और फाइटिंग स्पिरिट के लिए मशहूर भज्जी टी20 वर्ल्ड कप 2007 और वनडे वर्ल्ड कप 2011 की विजेता टीम का हिस्सा रहे। उन्होंने गेंदबाजी के अलावा, जरूरत पड़ने पर अपने बल्ले से भी योगदान दिया है। हरभजन सिंह का 'दूसरा' गेंद उनकी सबसे खतरनाक और रहस्यमयी गेंदबाजी विविधताओं में से एक थी। उन्होंने ऑफ स्पिन के साथ 'दूसरा' गेंद का सफल प्रयोग कर बल्लेबाजों को लगातार चकमा दिया।

भारत की तरफ से 103 टेस्ट मैच खेलने वाले भज्जी ने इस फॉर्मेट में 417 विकेट लेने के साथ 18.22 की औसत के साथ 2,224 रन बनाए, जिसमें 2 शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा, 236 वनडे मुकाबलों में भज्जी ने 269 विकेट हासिल करने के साथ 1,237 रन बनाए। 28 टी20 मुकाबलों में उनके नाम पर 25 विकेट दर्ज हैं।

हरभजन सिंह ने आईपीएल करियर के 163 मुकाबलों में 150 विकेट लेने के साथ 833 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 4 आईपीएल खिताब जीते। साल 2008 से लेकर 2017 तक मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहे। इसके बाद साल 2018 और 2019 में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स, जबकि साल 2021 में कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से खेला। क्रिकेट के बाद भज्जी ने राजनीतिक सफर भी शुरू किया। वह बतौर कमेंटेटर भी नजर आए।

क्रिकेट में उत्कृष्ट योगदान के लिए साल 2003 में हरभजन सिंह को 'अर्जुन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया, जबकि साल 2009 में उन्हें 'पद्म श्री' से नवाजा गया। फ्रांस की यूनिवर्सिटी इकोल सुपीरियेयूरे रोबर्ट डि सोर्बोन ने भज्जी को पीएचडी की मानद डिग्री दी है।

एशियन गेम्स 2026 से पहले विजयी भारत फाउंडेशन से जुड़ीं ओलंपियन भवानी देवी

सैबर तलवारबाज सी.ए. भवानी देवी एशियन गेम्स 2026 से पहले विजयी भारत फाउंडेशन (वीबीएफ) में शामिल हो गई हैं। वह वीबीएफ के उच्च-प्रदर्शन तलवारबाजी कार्यक्रम का हिस्सा होंगी। भवानी देवी टोक्यो 2020 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली भारत की पहली फेंसर (तलवारबाज) बनी थीं। भवानी का प्रदर्शन भी टूर्नामेंट में दमदार रहा था और उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। साल 2018 में हुए कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप में भवानी ने अपने दमदार खेल के बूते गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।2022 में भी वह अपने इस प्रदर्शन को दोहराने में सफल रही थीं। इसके साथ ही उन्होंने 2023 में आयोजित हुई एशियन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। टोक्यो ओलंपिक में भवानी ने महिलाओं के व्यक्तिगत इवेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राउंड ऑफ 32 तक का सफर तय किया था। उन्होंने राउंड ऑफ 64 में ट्यूनीशिया की नादिया बेन अजीजी को एकतरफा मुकाबले में 15-3 से शिकस्त दी थी। हालांकि राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में भवानी को फ्रांस की मानोन ब्रुनेट के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी। वीबीएफ में उनके शामिल होने से ग्लोबल फेंसिंग सर्किट का बेजोड अनुभव मिला है, जो वीबीएफ की टैलेंट पाइपलाइन में युवा फेंसर्स की भी मदद करेगा।

इस एसोसिएशन के बारे में बात करते हुए भवानी ने कहा, मैं विजयी भारत फाउंडेशन और उनकी टीम से जुड़कर बहुत खुश हूं। मैं उनके खेल विकास कार्यक्रम, खासकर फेंसिंग के बारे में बहुत अच्छी खबरों को फॉलो कर रही हूं। मैं उनके सपोर्ट से आने वाले एक रोमांचक सीजन का इंतजार कर रही हूं।

भवानी ने हाल ही में दिल्ली में एशियन सीनियर फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 में हिस्सा लिया था, जिसका हिस्सा विजयी भारत फाउंडेशन के सात फेंसर्स भी रहे थे। भवानी देवी के ओलंपिक तक का सफर तय करने के चलते भारत में तलवारबाजी के खेल को पहचान भी मिली। भवानी नेशनल लेवल पर 9 बार चैंपियन रह चुकी हैं। भवानी को साल 2021 में भारतीय सरकार द्वारा 'अर्जुन पुरस्कार' से भी नवाजा जा चुका है।

मैदान पर विरोधियों की नींद उड़ाने वाले हालंद, इसाबेल के प्यार में कैसे पिघले?

फीफा विश्व कप 2026 में नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर है एरलिंग हालंद

फीफा विश्व कप 2026 में नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालंद अपनी टीम की सबसे बड़ी उम्मीद बने हुए हैं। गोल मशीन के नाम से मशहूर हालंद एक बार फिर अपनी फिनिशिंग से विरोधी टीमों के लिए खतरा साबित हो रहे हैं। वह अब तक इस विश्वकप में पांच गोल दाग चुके हैं, लेकिन मैदान के बाहर भी उनकी एक ऐसी कहानी है, जो किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं। बचपन की दोस्ती, पहला मैसेज, फुटबॉल, एक गेम और फिर माता-पिता बनने तक... हालंद और इसाबेल हॉगसेंग योहानसेन की लव स्टोरी बेहद क्यूट और खास है।

कब हुई मुलाकात और कब दोस्ती प्यार में बदल गई?

एरलिंग हालंद और इसाबेल हॉगसेंग योहानसेन पहली बार नॉर्वे के क्लब ब्रायने एफके की फुटबॉल अकादमी में मिले थे। दोनों ने छोटी उम्र में ही क्लब की युवा टीम का हिस्सा बनना शुरू कर दिया था।शुरुआत दोस्ती से हुई, लेकिन जब हालंद जर्मन क्लब बोरूसिया डॉर्टमुंड के लिए खेलने लगे, तब दोनों के रिश्ते ने नया मोड़ लिया और दोस्ती प्यार में बदल गई। बाद में जब हालंद ने मैनचेस्टर सिटी जॉइन किया तो इसाबेल भी उनके साथ इंग्लैंड चली गईं।

हालंद ने रिलेशनशिप को लेकर कौन सा राज खोला?

हालंद ने एक इंटरव्यू में अपनी लव स्टोरी का दिलचस्प राज भी खोला था। उन्होंने बताया कि रिश्ते की शुरुआत उन्होंने नहीं, बल्कि इसाबेल ने की थी। हालंद ने कहा, 'उसने मुझे सबसे पहले मैसेज किया था। वह भी ब्रायने क्लब में खेलती थी। उसी ने सबसे पहले मुझमें दिलचस्पी दिखाई थी। मैंने नहीं।'

मैदान से दूर क्या करके बिताते हैं समय?

हालंद ने अपनी निजी जिंदगी की एक और दिलचस्प बात साझा की। उन्होंने बताया कि दोनों को वीडियो गेम खेलना काफी पसंद है।

उन्होंने कहा, 'मैं खाना बनाता हूं। शायद यह बात उसे थोड़ी शर्मिंदा करे, लेकिन उसे गेम खेलना पसंद है। हम दोनों साथ में माइनक्राफ्ट खेलते हैं। घर बनाते हैं और खूब मजे करते हैं। कभी-कभी हम ब्रायने लौटकर साथ में कबाब भी खाते हैं।'

हालंद पहले भी कई बार बता चुके हैं कि माइनक्राफ्ट उनका पसंदीदा वीडियो गेम है, जबकि कबाब उनका सबसे पसंदीदा खाना है, हालांकि फिटनेस की वजह से वह इसे कम ही खा पाते हैं।

कौन हैं इसाबेल हॉगसेंग योहानसेन?

इसाबेल का जन्म जुलाई 2004 में नॉर्वे के ब्रायने में हुआ था। उन्होंने ब्रायने एफके की महिला टीम से सिर्फ 13 साल की उम्र में डेब्यू किया था। अपने करियर में उन्होंने 36 मैचों में 23 गोल किए।

फुटबॉल के अलावा वह फैशन इंडस्ट्री से भी जुड़ी हुई हैं और सोशल मीडिया पर भी काफी लोकप्रिय हैं। इंस्टाग्राम पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं, जहां वह अपनी यात्रा, परिवार और छुट्टियों की तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

इसाबेल-हालंद कब बने माता-पिता?

साल 2024 के आखिर में हालंद और इसाबेल पहली बार माता-पिता बने। दोनों ने अपने बेटे का स्वागत किया, हालांकि अब तक उन्होंने बेटे का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। हालंद ने प्रेग्नेंसी की जानकारी भी बेहद अनोखे अंदाज में दी थी। नॉर्वे के लिए गोल करने के बाद उन्होंने गेंद को अपनी टी-शर्ट के अंदर रखकर जश्न मनाया था। बाद में मैनचेस्टर सिटी के तत्कालीन मैनेजर पेप गार्डियोला ने भी पुष्टि की कि हालंद पहली बार पिता बने हैं।

सादगी ही है रिश्ते की सबसे बड़ी ताकत

हालंद और इसाबेल की प्रेम कहानी किसी बड़े फिल्मी ड्रामे की नहीं, बल्कि दोस्ती, भरोसे और साथ की कहानी है। बचपन में एक ही फुटबॉल अकादमी से शुरुआत करने वाले दोनों आज दुनिया के सबसे चर्चित युवा कपल्स में गिने जाते हैं।

हालंद मैदान पर गोल दाग रहे हैं, जबकि मैदान के बाहर इसाबेल हर कदम पर उनके साथ मजबूती से खड़ी नजर आती हैं। इस विश्वकप में इसाबेल हर मैच में हालंद को सपोर्ट करने पहुंची हैं। मैच के बाद दोनों ने साथ में तस्वीरें भी खिंचवाई हैं। अब नॉर्वे का राउंड ऑफ-16 में ब्राजील से सामना होगा और हालंद से उस मैच में काफी उम्मीदें हैं।

श्रीलंका दौरे पर 15 से 27 अगस्त के बीच दो टेस्ट मैच खेलेगा भारत

भारत अगस्त 2026 में दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगा। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने गुरुवार को इसकी घोषणा की है। यह सीरीज आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-2027 चक्र का हिस्सा होगी। दोनों देशों के बीच पहला टेस्ट मैच 15 से 19 अगस्त के बीच गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा और आखिरी टेस्ट मैच 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित होगा। दोनों मैच स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू होंगे। भारत और श्रीलंका के लिए यह दो मुकाबलों की सीरीज बेहद अहम है। दोनों टीमें डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में ऊपर चढ़ना चाहती हैं। मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र की प्वाइंट्स टेबल में, शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम 9 मुकाबलों के बाद 48.15 के प्वाइंट्स प्रतिशत (पीसीटी) के साथ पांचवें स्थान पर है। वहीं, श्रीलंका 44.44 के पीसीटी के साथ छठे पायदान पर है।

इस दो मुकाबलों की सीरीज में जीत किसी भी टीम को शीर्ष-2 में जगह बनाने और फाइनल में पहुंचने की कोशिश में बहुत काफी मदद करेगी। भारत ने पिछली बार साल 2017 में श्रीलंकाई सरजमीं पर टेस्ट सीरीज खेली थी। विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने उस सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया था।

लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) की शुरुआत 17 जुलाई को होगी। इस टूर्नामेंट का समापन 8 अगस्त को होगा। इसके बाद भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत होगी। हालांकि, श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने अपने कार्यक्रम में भारत और श्रीलंका के बीच प्रस्तावित तीन मैचों की टी20 सीरीज का कोई उल्लेख नहीं किया। इस सीरीज का प्रस्ताव शुरू में चक्रवात 'डिटवाह' के बाद द्वीप देश में राहत और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए फंड जुटाने के मकसद से दिया गया था। यह टी20 सीरीज मूल रूप से द्वीपीय देश में 'दितवाह चक्रवात' के बाद राहत और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से प्रस्तावित की गई थी।

फिलहाल, ध्रुव जुरेल की कप्तानी वाली भारत-ए टीम गाले में दो मुकाबलों के रेड-बॉल शैडो टूर के लिए श्रीलंका में है। पहला मैच ड्रॉ होने के बाद, दूसरा चार दिवसीय मुकाबला गुरुवार से शुरू हो गया है।

एलए नाइट राइडर्स स्टेडियम का उद्घाटन

जय शाह ने क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी के लिए 'एक अहम पड़ाव' बताया

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने लॉस एंजिल्स में एलए नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड के उद्घाटन को क्रिकेट के वैश्विक विस्तार में एक अहम कदम बताया है। शाह ने इसे ओलंपिक गेम्स में इस खेल की वापसी के लिए 'एक अहम पड़ाव' करार दिया है। नाइट राइडर्स ग्रुप की तरफ से बनाए गए इस अत्याधुनिक स्टेडियम में बुधवार को पहला मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) मैच खेला गया, जिसमें लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स का मुकाबला वाशिंगटन फ्रीडम से हुआ। इसके साथ ही यह फ्रेंचाइजी इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का क्रिकेट स्टेडियम बनाने वाला पहला ग्लोबल क्रिकेट ब्रांड बन गया है। बॉलीवुड सुपरस्टार और नाइट राइडर्स ग्रुप के को-ओनर शाहरुख खान को बधाई देते हुए, जय शाह ने कहा कि यह पहल उभरते हुए मार्केट में क्रिकेट के विस्तार में अहम भूमिका निभाएगी।

शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ₹शाहरुख खान आपको बधाई। यह ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी की दिशा में एक अहम पड़ाव है, जो एलए नाइटराइडर्स, एलए28 और आईसीसी के सहयोग से संभव हुआ है।

आईसीसी चेयरमैन ने कहा कि क्रिकेट का लगातार वैश्विक विकास इस खेल से जुड़े सभी लोगों की सामूहिक कोशिशों पर निर्भर करता है।

उन्होंने कहा, दुनिया भर में क्रिकेट को आगे बढ़ाना एक सामूहिक प्रयास है। इस तरह की पहल से फैंस और खिलाड़ियों के लिए नए इकोसिस्टम बनते हैं, जो इस विकास को बढ़ावा देते हैं। मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं और आपके साथ आगे की यात्रा में शामिल होने का इंतजार कर रहा हूं।

इससे पहले, शाहरुख खान ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाते हुए स्टेडियम के उद्घाटन को एक लंबे समय से देखे गए सपने के सच होने जैसा बताया था।

शाहरुख ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ₹जो एक सपने के तौर पर शुरू हुआ था। वह आज हकीकत बन गया है। एलए के नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड में आप सभी का स्वागत है।

यह जगह सिर्फ खेल के लिए ही नहीं, बल्कि मनोरंजन और परिवारों के लिए भी बनाई गई है... और ऐसी यादों के लिए जो हमेशा बनी रहेंगी। जयभाई का खास शुक्रिया, जो इस सफर में बहुत मददगार रहे हैं; साथ ही आईसीसी और संजोग गुप्ता का भी शुक्रिया, जिन्होंने इतना समर्थन किया। यह एलए, दुनियाभर के क्रिकेट फैंस और नाइट राइडर्स परिवार के लिए है। पर्पल और गोल्ड पर भरोसा रखें। एलए नाइटराइडर्स के होम ग्राउंड में आपका स्वागत है।

अंतरराष्ट्रीय मानक के हिसाब से तैयार हुआ नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड, अमेरिका में क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर में एक बड़ा निवेश है। मेजर लीग क्रिकेट मैच होस्ट करने के अलावा, उम्मीद है कि यह वेन्यू नॉर्थ अमेरिका में खेल की पहुंच बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा, खासकर लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक्स में क्रिकेट की वापसी से पहले।

फराह खान अली बोलीं- हम हाथ पकड़ते, चिट्ठियां लिखते

संजय खान और जरीन खान की बेटी फराह खान अली और बॉबी देओल के डेटिंग की खबरें तब से उड़ीं जब वे साथ बड़े हो रहे थे। फराह खान अली एक मशहूर जूलरी डिजाइनर हैं और बचपन में बॉबी के साथ उनकी डेटिंग की खबरों पर अब उन्होंने रिएक्ट किया है। उन्होंने ये भी बताया है कि क्या नीलम कोठारी के बॉबी देओल की ज़िंदगी में आने से उनके और नीलम के रिश्ते में खटास आ गई।

फराह ने बॉबी के साथ अपने रिश्ते पर बातें करते हुए कहा वह और बॉबी बचपन के दोस्त थे और उन्हें बहुत खुशी है कि अब बॉबी की शादी तान्या से हो गई है। विक्की लालवानी को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'हम चाइल्डहुड स्वीटहार्ट थे।'

फराह ने इस बातचीत में कहा, 'मुझे उन पर बहुत क्रश था। उन्हें भी मुझ पर बहुत अधिक क्रश था। बस इतना ही। मतलब और कुछ नहीं। हम हाथ पकड़ते थे। एक-दूसरे को चिट्ठियां लिखते थे। बस। डेटिंग नहीं, मतलब, वो दिन आज के दिनों जैसे नहीं थे। मैं 16 साल की थी, बॉबी 17 साल के थे। ये करीब 40 साल पहले की बात है, जिंदगी बहुत अलग थी। आज 16 और 17 साल की उम्र में ऐसा नहीं होता।'

हम चाइल्डहुड स्वीटहार्ट थे। मुझे उन पर बहुत क्रश था। उन्हें भी मुझ पर बहुत अधिक क्रश था। बस इतना ही। मतलब और कुछ नहीं। हम हाथ पकड़ते थे। एक-दूसरे को चिट्ठियां लिखते थे। बस। डेटिंग नहीं, मतलब, वो दिन आज के दिनों जैसे नहीं थे। मैं 16 साल की थी, बॉबी 17 साल के थे। ये करीब 40 साल पहले की बात है, जिंदगी बहुत अलग थी। फराह ने इस बातचीत में यह भी बताया कि टीनेज में उनके इस हल्के-फुल्के रोमांस के बावजूद, वह और बॉबी काफी सालों तक बेहद करीब रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी तान्या देओल के साथ भी उनकी काफी अच्छी बॉन्डिंग है। फराह ने कहा, 'वह शायद आज मेरे सबसे करीबी दोस्तों में से एक हैं और उनकी पत्नी तान्या भी, जिन्हें मैं दिल से बहुत प्यार करती हूं।'

बॉबी देओल के साथ अपने रिश्ते को लेकर विस्तार से बातें करते हुए उन्होंने कहा, 'वे मेरे लिए परिवार की तरह हैं और मैं उन दोनों के लिए कुछ भी कर सकती हूं। मुझे बेहद खुशी है वे एक-दूसरे को मिल गए क्योंकि वे एक-दूसरे के लिए बिल्कुल परफेक्ट हैं।'

फराह ने उन खबरों को गलत बताया है जिनमें कहा जा रहा था कि उनके और बॉबी के बीच एक्ट्रेस नीलम कोठारी आ गई थीं और इसलिए उन्होंने बॉबी से दूरी बना ली थी । उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि उनके बीच कभी कोई गलतफहमी नहीं थी और नीलम हमेशा से ही उनकी करीबी दोस्त रही हैं। उन्होंने उन बातों को साफ करते हुए कहा, 'यह बिल्कुल सच नहीं है। नीलम मेरी सबसे प्यारी दोस्त है। वह बॉबी और मेरे बाद बॉबी की जिंदगी में आईं। इसलिए, ऐसा नहीं है कि उसने हमें अलग किया। इसलिए, मैं इस बात से बिल्कुल सहमत नहीं हूं।

एक्टर चंद्रचूड़ सिंह के घर के बाहर चला बुलडोजर

सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन

गुरुग्राम के पॉश इलाके DLF Phase 3 में गैर कानूनी निर्माण पर गुरूग्राम में जिला योजनाकार (डीटीपी) का बुलडोजर चला। इसी क्रम में बॉलीवुड के मशहूर एक्टर चंद्रचूड़ सिंह के घर के बाहर बने अवैध निर्माण पर भी बुलडोजर चला दिया गया। बताया जाता है कि एक्टर के घर की स्टिल्ट पार्किंग एरिया में नियमों के विरुद्ध निर्माण किया गया था, जिसे अवैध माना गया और इसे हटा दिया गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अवैध निर्माण को लेकर प्रशासन की ओर से पहले ही नोटिस जारी किए गए थे। हालांकि, दिए गए समय में में संतोषजनक जवाब न मिलने के बाद यह सख्त कदम उठाया गया है। इस एक्शन से वहां अवैध निर्माण करने वालों में आसपास हड़कंप मच गया। फिल्म स्टार रहे चंद्रचूड़ सिंह के घर के अवैध हिस्से को ध्वस्त कर दिया गया। मौके के वीडियोज़ भी सामने आए हैं।

चंद्रचूड़ खुद घर के बाहर अधिकारियों से बातचीत करते दिखे

इस मौके के कुछ वीडियोज सामने आए हैं जिसमें चंद्रचूड़ खुद घर के बाहर अधिकारियों से बातचीत करते दिख रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि वो इस काम में अधिकारियों को अपनी तरफ से सहयोग करते दिखे। वीडियो में एक्टर काफी कैजुअल बातचीत करते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि डीटीपी अमित मधौलिया ने इस कार्रवाई की जानकारी खुद एक्टर को दी है। बताया जा रहा है कि एक्टर ने सड़क की जमीन पर दीवार बना रखी थी और पेड़-पौधे लगा रखे थे, जिसे हटाया गया है।

बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई DLF Phase 1 से लेकर 3 तक कई प्रॉपर्टी (विशेष रूप से U Block और Nathupur Road) में अवैध रूप से बने कमर्शियल स्पेस, पीजी और अतिरिक्त फ्लैटों पर भी लगातार सीलिंग और तोड़फोड़ की कार्रवाई की जा रही है।

किसी भी अवैध निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा

भास्कर के हवाले से डीटीपी की तरफ से कहा गया है, 'डीएलएफ इलाके में लंबे समय से बिल्डिंग बनाने से जुड़े नियमों का उल्लंघन और अवैध निर्माण करने की शिकायतें मिल रही थीं। डीटीपी अमित मधौलिया ने साफ किया कि शहर के मास्टर प्लान और नियमों को साइड कर किए गए किसी भी निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा।

चंद्रचूड़ सिंह की फिल्में

चंद्रचूड़ सिंह की फिल्मों की बात करें तो वे 'माचिस' (1996), 'तेरे मेरे सपने' (1996), 'जोश' (2000), 'दागः द फायर' (1999) जैसी फिल्मों में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते रहे हैं। वहीं सुष्मिता सेन के साथ 'आर्या' में तेज सरीन की भूमिका में लोगों ने उन्हें काफी पसंद किया था।

'मां इंटी बंगारम' की निर्देशक ने सामंथा को बताया सुपरस्टार

कहा – 'उन्होंने प्रेग्नेंसी में की गाने और चेज सीन की शूटिंग'

एक्टर सामंथा रूथ प्रभु ने अपने दूसरे प्रोडक्शन वेंचर 'मा इंटी बंगारम' के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया, तब भी जब उन्हें पता चला कि वह प्रेग्नेंट हैं। फिल्म की सक्सेस पार्टी के दौरान अपनी प्रेग्नेंसी का इशारा करने और कुछ दिनों बाद इसकी पुष्टि करने के बाद अब डायरेक्टर बीवी नंदिनी रेड्डी ने अब बताया है कि सामंथा ने प्रेग्नेंसी के दौरान ही फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग की थी। इसमें एक गाना और कार का पीछा करने वाला सीन भी शामिल है।

गाने की शूटिंग के दौरान प्रेग्नेंसी का पता चला

फिल्म की निर्देशक नंदिनी ने बताया कि सामंथा 'थसाडिया' गाने की शूटिंग कर रही थीं, तभी उन्हें अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में पता चला। उन्होंने कहा कि गाने में जोरदार डांस मूव्स थे और टीम को अभी भी एक कार चेज सीक्वेंस शूट करना था, हालांकि ज्यादातर मुश्किल और शारीरिक मेहनत वाले हिस्से तब तक पूरे हो चुके थे।

नंदिनी ने कहा हमने ध्यान रखा कि यह उनके लिए बहुत ज्यादा थकाने वाला न हो और उन्हें बीच-बीच में आराम मिलता रहे। शूटिंग के दौरान गर्मी का मौसम आ रहा था, इसलिए हमने तेज धूप में शूटिंग नहीं की। हमने यह पक्का करने के लिए सावधानी बरती कि वह बहुत ज़्यादा थक न जाएं।

सामंथा हर मामले में सुपरस्टार हैं

सामंथा की तारीफ करते हुए नंदिनी ने कहा कि वह हर मामले में सुपरस्टार हैं। उनकी परफॉर्मेंस, उनका ह्यूमर, उनके इमोशन्स, उनका एक्शन, उनका डांस मतलब, उन्होंने सब कुछ किया है। हमारी कोशिश उन्हें उनके पूरे जलवे के साथ दिखाने की थी। हमें पता था कि इससे फिल्म के लिए जादू हो जाएगा क्योंकि लोग उन्हें बहुत पसंद करते हैं। वह दिखने में छोटी-सी लगती हैं, लेकिन उनके कंधे बहुत मजबूत हैं, जिन पर वह चीजों को बहुत अच्छे से संभालती हैं।

शूटिंग के दौरान हम सब एक ही मकसद के लिए काम कर रहे थे और वह था हमारी हीरो, सामंथा को बेहतरीन तरीके से पेश करना। मुझे लगता है कि हर कोई इसके लिए तैयार था, इसलिए मजा आया।

सबसे अधिक कमाई करने वाली महिला-प्रधान तेलुगु फिल्म बनी 'मां इंटी बंगारम'

'मां इंटी बंगारम' 2021 के बाद सामंथा की बॉक्स ऑफिस पर पहली बड़ी हिट है। नागा चैतन्य से अलग होने और फिर तलाक के कुछ समय बाद ही उन्हें मायोसिटिस का पता चला और वह कुछ समय के लिए काम से दूर हो गईं।

उनके बाद के प्रोजेक्ट्स, 'शाकुंतलम' और 'खुशी', दर्शकों को उतने पसंद नहीं आए, लेकिन बीमारी और प्रेग्नेंसी के दौरान भी उन्होंने काम करना जारी रखा। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी एक रिकॉर्ड बनाया है और यह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला-प्रधान तेलुगु फिल्म बन गई है। दुनिया भर में 80 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई के साथ इसने अनुष्का शेट्टी की 2009 की फिल्म 'अरुंधति' के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है।

'बेटा कुंवारा और खुद तीसरी शादी', आमिर खान पर बरसे लोग

आमिर खान ने हाल ही अपनी तीसरी शादी पर बात की और उनके बाजू में बेटे जुनैद खान खड़े थे। आमिर 61 की उम्र में तीसरी शादी कर रहे हैं, जबकि जुनैद 33 साल के हैं और अभी भी कुंवारे हैं। बेटे के सामने यूं आमिर का शादी की बात करना यूजर्स को खला और उन्होंने एक्टर को खूब सुनाया।

इससे ज्यादा हैरानी की बात क्या होगी कि आमिर खान जहां 61 साल की उम्र में तीसरी शादी कर रहे हैं, वहीं बड़ा बेटा जुनैद 33 साल की उम्र में भी कुंवारा है। लेकिन इससे भी ज्यादा झटके वाली बात तब देखने को मिली, जब आमिर 33 साल के बेटे के सामने ही अपनी तीसरी शादी की बात करते दिखे। वीडियो सामने आया है, तो उस पर यूजर्स के काफी कमेंट्स आने लगे। और तो और इसमें आमिर के बेटे जुनैद का रिएक्शन और चेहरे के हाव-भाव भी देखने वाले थे। यूजर्स ने हैरानी जताई कि आमिर का 33 साल का बेटा कुंवारा है। उसकी शादी की बात सोचने के बजाय आमिर 61 की उम्र में तीसरी शादी करने चले। इससे शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता।आमिर खान 5 जुलाई को गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ शादी कर रहे हैं, जो उम्र में उनसे 14 साल छोटी हैं। यह आमिर की तीसरी शादी है। पहली दो शादियों से आमिर के तीन बच्चे हैं और अब तीसरी शादी गौरी से कर रहे हैं, जिनका एक बेटा है। आमिर ने हाल ही 'एएनआई' से अपनी शादी के बारे में बात की।

गौरी स्प्रैट संग शादी पर आमिर खान बोले

आमिर ने बताया, 'मेरी शादी हो रही है 5 जुलाई को। बहुत छोटी शादी है और घर पर ही कर रहे हैं। बहुत खास दिन है हमारे लिए। बस दोनों फैमिली और कुछ खास लोग हैं। तो घर पर ही कर रहे हैं हम लोग। और सबकी दुआएं चाहेंगे। आप लोग प्रार्थना करें कि हम लोग खुश रहें और अच्छा सफर रहे हमारा।'

इस वीडियो को देख फैंस को आमिर के बेटे जुनैद पर तरस आने लगा, जो इस दौरान एक्टर के बराबर में ही खड़े थे और चेहरे के हाव-भाव देखने वाले थे। वीडियो देख एक यूजर ने X पर लिखा, 'दूसरों को जिंदगी जीने का तरीका सिखाते रहे, लेकिन इतने सालों में खुद कभी खुशी नहीं पा सके, बेचारे।'

पहले 12 किलो वजन बढ़ाया फिर 15 किलो घटाया, 'लव एंड वॉर' के लिए विक्की कौशल ने किया जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन

एक्टर विक्की कौशल संजय लीला भंसाली के साथ अपनी पहली फिल्म 'लव एंड वॉर' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। दो साल से ज्यादा समय से बन रही यह फिल्म अब पूरी होने वाली है। अब ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि विक्की कौशल ने अपने किरदार के दो अलग-अलग रूप दिखाने के लिए जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया है। उन्होंने पहले काफी वजन बढ़ाया और फिर उसे पूरी तरह घटाया।

पहले वजन बढ़ाया, फिर घटाया

विक्की इस रोल के लिए जरूरी फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर बहुत समर्पित थे। 'लव एंड वॉर' की शूटिंग शुरू करते समय किरदार में ढलने के लिए उन्होंने लगभग 12 किलो वजन बढ़ाया और फिर फिल्म के क्लाइमेक्स की शूटिंग के लिए लगभग 15 किलो वजन घटाकर जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन किया। अपने काम के प्रति उनका समर्पण हमेशा ही काबिले-तारीफ रहा है।

'छावा' में भी किया था जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन

यह पहली बार नहीं है जब विक्की ने किसी रोल के लिए अपना फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया हो। एक्टर ने 2025 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'छावा' में छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका के लिए भी इसी तरह का मुश्किल ट्रांसफॉर्मेशन किया था।

ऐसी होगी फिल्म की कहानी

'लव एंड वॉर' रोमांस और एविएशन पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जिसमें विक्की कौशल, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि मेकर्स ने फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। लेकिन चर्चा है कि इसमें रणबीर और विक्की एयर फोर्स पायलट की भूमिका में नजर आएंगे।

'लव एंड वॉर' की घोषणा सबसे पहले 2024 में हुई थी और इसे क्रिसमस 2025 में रिलीज किया जाना था। बाद में इसे अनिश्चित काल के लिए टाल दिया गया। हालांकि, मेकर्स ने कभी रिलीज की तारीख का ऐलान नहीं किया, लेकिन खबरों के मुताबिक इसे मार्च 2026 में रिलीज करने का प्लान था। लेकिन वह तारीख भी गुजर गई। अप्रैल में फिल्म के मेकर्स ने घोषणा की कि 'लव एंड वॉर' आखिरकार 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो गणतंत्र दिवस के आस-पास का समय है।

एक एक्सीडेंट ने बदल दी नागार्जुन के बेटे अखिल की जिंदगी

दो बार हुई सर्जरी; 'लेनिन' की रिलीज से पहले एक्टर ने साझा किया दर्द

एक्टर अखिल अक्किनेनी 2015 में अपने डेब्यू के बाद से ही एक हिट फिल्म के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सुरेंद्र रेड्डी की फिल्म 'एजेंट' के बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होने के बाद उन्होंने 3 साल का ब्रेक लिया था। एक्टर ने बताया कि यह ब्रेक न सिर्फ फिल्म के फ्लॉप होने की वजह से था, बल्कि एक अजीब हादसे की वजह से भी था। फिलहाल वह अपनी कमबैक फिल्म 'लेनिन' के प्रमोशन में व्यस्त हैं।

दो बार करवानी पड़ी सर्जरी

अखिल ने बताया कि 'एजेंट' फिल्म के रिलीज होने के बाद उनका एक अजीब सा एक्सीडेंट हो गया था, जिसके लिए उन्हें दो बार सर्जरी करवानी पड़ी। उन्होंने बताया कि मैं समझ सकता हूं कि यह एक लंबा ब्रेक था। आधी गलती मेरी थी और आधी चीजें मेरे हाथ में नहीं थीं। मुझे ऐसी चोट लगी थी जिसे ठीक होने में 16 महीने लग गए। इसमें कुछ समय लगा। मेरे बाएँ हाथ की दो सर्जरी हुईं। 'एजेंट' के रिलीज होने के 3-4 महीने बाद मुझे चोट लगी थी। यह एक अजीब एक्सीडेंट था। मैं बाथरूम के गीले फर्श पर फिसल गया और कांच के एक टुकड़े पर जा गिरा। इससे मेरे बाएं हाथ की रिंग फिंगर और बीच वाली उंगली की नस, नर्व और टेंडन कट गए। यहां 48 टांके आए हैं।

एक्सीडेंट ने बुरी तरह झकझोक दिया

एक्टर ने यह भी कहा कि एक्सीडेंट के बाद वे मानसिक और शारीरिक रूप से बुरी तरह हिल गए थे। उन्होंने बताया कि यह एक बहुत बुरी चोट थी जिसने मुझे पूरी तरह झकझोर कर रख दिया था। लगभग 7-8 महीनों तक मैं कोई वजन नहीं उठा सका। पूरी तरह ठीक होने में कुल 16 महीने लग गए।

मानसिक रूप से उबरने और दोबारा जिम जाने या एक्शन करने की हिम्मत जुटाने में मुझे बहुत मुश्किल हुई। उस अनुभव और मेरी पिछली फिल्म के नतीजों को देखते हुए, मुझे लगता है कि यह एक ऐसा सफर था जिससे मुझे गुजरना ही था। मैं बस इतना भरोसा दिला सकता हूं कि मैं ऐसा दोबारा नहीं होने दूंगा।

अखिल ने खुलकर यह भी माना कि एक्सीडेंट के तुरंत बाद उन्हें दर्द और निराशाजनक ख्याल महसूस हुए। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने उस निराशा और दर्द को 'लेनिन' के साथ अपनी वापसी के लिए ऊर्जा में बदल दिया।

10 जुलाई को रिलीज होगी 'लेनिन'

मुरली किशोर अब्बुरू द्वारा निर्देशित 'लेनिन' में अखिल के साथ भाग्यश्री बोर्से प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एक्शन दमदार, पर कमजोर कहानी ने फेरा आलिया भट्ट की मेहनत पर पानी

मूवी रिव्यूः अल्फा

ऐक्टर : आलिया भट्ट,बॉबी देओल,शर्वरी,अनिल कपूर,दिव्येंदु भट्टाचार्य,दीया मिर्जा

बॉलीवुड में महिला केंद्रित फिल्में बनाते वक्त अक्सर बजट का रोना रोया जाता है। ऐसे में, यह मांग काफी समय से उठ रही थी कि हीरोइन को लेकर भी एक ऐसी बड़े बजट की कमर्शियल एक्शन फिल्म बनाई जाए, जैसी नायकों के लिए बनती है। जाने-माने निर्माता आदित्य चोपड़ा ने यह पहल की और उनके चर्चित 'स्पाई यूनिवर्स' में टाइगर-सलमान खान, पठान-शाहरुख खान और कबीर-ऋतिक रोशन के बाद, अब दो अल्फा गर्ल्स आलिया भट्ट और शर्वरी की एंट्री हुई है। खास बात यह कि फिल्म देशभर में बड़े स्तर पर करीब 2,750 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई है, जिसके 9,000 शोज हैं। ओपनिंग डे पर सुबह के शोज में युवाओं (ज्यादातर लड़कों) की तादाद यह दिखाती है कि ऑडियंस को हीरो या हीरोइन की फिल्म होने से फर्क नहीं पड़ता, बशर्ते फिल्म उनकी रुचि जगाने में कामयाब हो। लेकिन क्या इन सबके बाद, आलिया का 'अल्फा' दमदार रहा? चलिए बताते हैं!

'अल्फा' की कहानी

कहानी की शुरुआत 27 जुलाई 1999 में कारगिल युद्ध के अगले दिन से होती है, जहां सेना के दो अधिकारी कर्नल विक्रांत कौल (अनिल कपूर) और फतेह सिंह लखावत (बॉबी देओल) अपने साथियों के मौत का मातम मना रहे होते हैं। यहां फतेह अपने महत्वाकांक्षी मिशन 'अल्फा' का खुलासा करता है, जिसके तहत सबसे तेज और जांबाज कमांडो तैयार किए जाएंगे। मिशन में जानलेवा खामी मिलने के बावजूद फतेह पीछे नहीं हटता और एक ड्रैमेटिक घटनाक्रम में विक्रांत की नवजात बेटी सीता (आलिया भट्ट) को अपने मिशन के लिए गिनी पिग बना डालता है।

नन्ही सीता बड़ी होती है तो फतेह को ही अपना बाबा समझती है। 'अल्फा' मिशन के तहत उसकी परवरिश एक शार्प कमांडो के तौर पर की जाती है। वह अपने बाबा के एक इशारे पर लोगों को मौत की नींद सुला देती है। लेकिन आखरिकार सीता को पता चलता है कि असली रावण फतेह खुद है। यही नहीं, उसे अपने असली पिता और बहन दुर्गा (शर्वरी) का भी पता चलता है, अब यह सीता अपनी जिंदगी के रावण से कैसे बदला लेती है? यह आपको फिल्म देखकर ही पता चलेगा।

'अल्फा' का ट्रेलर

'अल्फा' मूवी रिव्यू

'द रेलवे मैन' जैसी दमदार वेब सीरीज बना चुके डायरेक्टर शिव रवैल ने इस फिल्म में एक्शन पर भरपूर जोर दिया है। उन्होंने 'अल्फा' को हॉलीवुड स्टाइल ट्रीटमेंट देने की कोशिश की है। आलिया भट्ट की एंट्री समेत कई एक्शन सीक्वेंस प्रभावित करते हैं। हालांकि, ये नैचुरल की बजाय बड़े करीने से कोरियोग्राफ किए भी लगते हैं। उस पर एक्शन करते हुए आलिया की छरहरी काया भी आड़े आती है, लेकिन उनकी मेहनत दिखती है।

फिल्म का एक मजबूत पक्ष शर्वरी और आलिया भट्ट की केमिस्ट्री है, जो पर्दे पर प्यारी लगी है। कम स्क्रीन स्पेस के बावजूद शर्वरी दर्शकों के चेहरे पर थोड़ी मुस्कान लाती हैं। बॉबी देओल विलन के अवतार में फिल्म को मजबूती से संभालते हैं, जबकि अनिल कपूर का अनुभव काम आता है। लेकिन असल दिक्कत उदय चोपड़ा की लिखी कहानी है।

ऐसा अक्सर होता है कि एक्शन फिल्म बनाते वक्त मेकर्स कहानी में लॉजिक को किनारे रख देते हैं। 'अल्फा' में भी यही हुआ है। शुरुआत में किरदारों की अच्छी बैक स्टोरी बुनने के बाद में एक्शन की आंधी में सारे तर्क-वितर्क उड़ जाते हैं। मतलब सेना का एक अधिकारी अकेले दम पर इतना बड़ा मिशन चला रहा है और हमारी खुफिया एजेंसियों को कानों कान कुछ खबर ही नहीं है! यह बात गले नहीं उतरती।

फिल्म का क्लाइमैक्स भी खासा प्रिडिक्टेबल और निराशाजनक है। बैकग्राउंड स्कोर कई जगह एक्शन को बल देता है, तो कई जगह लाउड लगता है। बाकी, म्यूजिक में 'बम बम' गाना ही मजेदार है।

'अल्फा' YRF स्पाई यूनिवर्स की 7वीं फिल्म है। इस फिल्म से एक फीमेल-लीड एक्शन स्पाई के तौर पर मेकर्स की नीयत भी अच्छी है। लेकिन अफसोस कि कमजोर कहानी और ढीले स्क्रीनप्ले के कारण, आलिया भट्ट की मेहनत, शर्वरी के चार्म, बॉबी देओल के स्वैग और अनिल कपूर के अनुभव का फिल्म फायदा नहीं उठा पाती है। ऋतिक रोशन का कैमियो कुछ देर के लिए ही सही, अच्छा लगता है।

अमित शाह से मिले कांग्रेस प्रभारी रंधावा, सियासी चर्चाएं तेज

रंधावा बोले- मुलाकात को राजनीतिक रंग देना गलत, गहलोत-डोटासरा भी बचाव में उतरे

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी और पंजाब से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने शुक्रवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इसके बाद सियासी चर्चाएं तेज हो गई। रंधावा की शाह से मुलाकात के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

रंधावा ने अमित शाह से मुलाकात के बाद इसे राजनीतिक रंग देने को गलत करार दिया। वहीं पूर्व सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी रंधावा के बचाव में उतर आए।

रंधावा और कांग्रेस नेताओं के बयानों के बीच राजनीतिक प्रेक्षक इस मुलाकात के अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं। पंजाब की सियासत से भी इसे जोड़कर देखा जा रहा है। पंजाब कांग्रेस में इन दिनों नेताओं के बीच भारी खींचतान है। ऐसे माहौल में इस मुलाकात ने राजनीतिक चर्चाओं को जरूर बल दे दिया है।

अमित शाह से मुलाकात के बाद दिल्ली में मीडिया से बातचीत में सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा- केंद्रीय गृह मंत्री के साथ मेरी मुलाकात को राजनीतिक रंग देने के दुर्भावनापूर्ण प्रयास का मैं खंडन करता हूं। पंजाब राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था के मुद्दे पर मेरी बात रखने के लिए आज

सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

यह मुलाकात पहले से तय थी।

रंधावा ने कहा- मैंने 4 जून को प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा था। साथ ही इसकी एक कॉपी गृह मंत्री को भी भेजी थी। मैंने बिगड़ती कानून-व्यवस्था, पाकिस्तान-समर्थित आतंकवाद, नार्को-टेररिज्म, गैंगस्टरों और राजनेताओं के बीच सांठ-गांठ और पंजाब पुलिस के राजनीतिक इस्तेमाल जैसे गंभीर मुद्दों को उठाया था। उस शुरुआती पत्र के साथ मैंने अपने इलाके में सक्रिय कुख्यात गैंगस्टर के बारे में भी जानकारी दी थी। मैंने 23 जून को एक और पत्र भेजा था, जिसमें बताया कि गुरदासपुर और अन्य इलाकों में गैंगस्टर कैसे काम कर रहे हैं।

रंधावा ने कहा- मेरे लिखे पत्रों के आधार पर मुझे बैठक के लिए बुलाया गया। इसमें हमने मेरे पिछले पत्र के आखिरी पैराग्राफ में बताए गए निष्कर्षों पर चर्चा की। मैंने कहा कि आपके पास आईबी, मिलिट्री इंटेलिजेंस, आरएडब्ल्यू और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियां हैं। मैंने इस पर भी जोर दिया कि पूरे पंजाब में जबरन वसूली और धमकियां आम हो गई हैं। बैठक के दौरान उन्होंने माना कि बड़े पैमाने पर जबरन वसूली और धमकियां हो रही हैं। जेलों के अंदर से लगातार मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। मेरा मानना है कि अगर भारत सरकार यह मानती है कि मौजूदा स्थिति राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और पाकिस्तान इसमें सीधे तौर पर दखल दे रहा है तो वह अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकती।

आईएनसी का परिवार पंजाब के सबसे सम्मानित परिवारों में से एक है। उनके पिता एवं पूर्व पंजाब कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष श्री संतोख सिंह रंधावा ने पंजाब में अशांति के समय बिना डरे देश की एकता, अखंडता का खुलकर पक्ष लिया। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने रंधावा की अमित शाह से मुलाकात के बाद चल रही सियासी चर्चाओं को खारिज कर दिया। गहलोत ने एक्स पर लिखा- सुखजिंदर सिंह रंधावा का परिवार पंजाब के सबसे सम्मानित परिवारों में से एक है। उनके पिता और पूर्व पंजाब कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष संतोख सिंह रंधावा ने पंजाब में अशांति के समय बिना डरे देश की एकता, अखंडता का खुलकर पक्ष लिया। वे उन गिने-चुने राजनेताओं में से थे, जिन्होंने उग्रवाद के खिलाफ सार्वजनिक मंचों से आवाज उठाई। अपने पिता की इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भी हमेशा देशविरोधी ताकतों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया है। पंजाब के गृह मंत्री के रूप में उन्होंने ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई भी की।

गहलोत ने लिखा- जाहिर है, देशहित में खड़े रहने के कारण उन्हें और उनके परिवार को लगातार धमकियां मिलती रही हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना पूरी तरह से सरकार की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। इस गंभीर विषय को लेकर यदि वे केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात करते हैं तो सामान्य और आवश्यक प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से राजनीतिक रंग देना या उसका गलत प्रचार करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और अनुचित है।

पंजाब की कानून-व्यवस्था एवं सीमावर्ती इलाकों में शांति व सुरक्षा से जुड़े विषय किसी दल की नहीं, पूरे देश की जिम्मेदारी है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एक्स पर लिखा- पंजाब की कानून-व्यवस्था और सीमावर्ती इलाकों में शांति व सुरक्षा से जुड़े विषय किसी दल की नहीं, पूरे देश की जिम्मेदारी है। पंजाब की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में गृह मंत्री रहते हुए सुखजिंदर सिंह रंधावा के द्वारा देश-विरोधी ताकतों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और राष्ट्रहित के मुद्दे पर उनका लगातार विरोध करने के कारण रंधावा परिवार को लंबे से समय से धमकियां मिलती रही हैं।

इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण के विज्ञापन

सरकार नोटिस भेजकर मेटा से पूछेगी- ऐसे विज्ञापन कैसे चले, इन्हें कैसे रोका जाएगा

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों को लेकर सरकार पैरेंट कंपनी मेटा को समन भेजेगी। मंत्रालय मेटा से पूछेगा कि इंस्टाग्राम पर ऐसे विज्ञापन कैसे प्रसारित हुए और उन्हें रोकने के लिए प्लेटफॉर्म की ओर से क्या कदम उठाए गए। साथ ही यह भी पूछा जाएगा कि बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों को रोकने के लिए कंपनी की क्या नीतियां और व्यवस्था हैं। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी किसी भी तरह की आपत्तिजनक या अवैध सामग्री को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बीबीसी की रिपोर्ट- मीटा सस्ता कंटेंट बेच रहा था

बीबीसी की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इंस्टाग्राम पर चाइल्ड सेक्शुअल एब्यूज मेटेरियल मौजूद हैं। जांच में दावा किया गया है कि भारत में इंस्टाग्राम पर ऐसे पेड विज्ञापन चल रहे थे, जिनमें 'रेप वीडियो' और 'चाइल्ड वीडियो' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था।

इन विज्ञापनों पर क्लिक करने के बाद यूजर्स को टेलीग्राम चैनलों पर भेजा जाता था, जहां कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ा कंटेंट बेहद कम कीमत 99 रुपए में बेचा जा रहा था।

रिपोर्ट के मुताबिक, इंस्टाग्राम पर दिखने वाले सभी विज्ञापन पहले मीटा के मॉडरेशन सिस्टम से मंजूरी मिलने के बाद ही लाइव होते हैं।

बीबीसी ने जब ऐसे ही एक विज्ञापन की शिकायत इंस्टाग्राम से की, तो करीब 24 घंटे बाद कंपनी ने जवाब दिया कि यह पोस्ट उसकी कम्यूनिटी गाइडलाइन का उल्लंघन नहीं है।

इसके बाद बीबीसी ने मेटा से इस मामले पर जवाब मांगा। तब कंपनी ने कहा कि उसने कई विज्ञापनों को हटा दिया है, संबंधित अकाउंट्स को सस्पेंड किया है और उन यूआरएल को हटा देने का दावा किया।

मेटा ने यह भी माना कि कोई भी मॉडरेशन सिस्टम पूरी तरह परफेक्ट नहीं होता और रिव्यू प्रोसेस हर नियम उल्लंघन की पहचान नहीं कर पाती।

25 फरवरी: सरकार ने अश्लील कंटेंट दिखाने पर 5 ओटीटी प्लेटफॉर्म को ब्लॉक किया था

इससे पहले सरकार ने 5 ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म (ओटीटी) को ब्लॉक किया था। इन प्लेटफॉर्म पर अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट दिखाया जा रहा था। जिन प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई हुई, उनमें मूडएक्सवीआईपी, कोयल प्लेप्रो, डिजी मूवीप्लेक्स, फील और जुगनू शामिल हैं।

पति की हत्याकर बाथरूम में दफनाया शव

पत्नी हिरासत में, 45वें दिन लगा सुराग बाथरूम का फर्श तोड़कर निकाला शव

आगरा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। आगरा में पत्नी ने पति की हत्या कर शव को घर में ही दफना दिया। शव को छिपाने के लिए बाथरूम में प्लास्टर और टाइल्स लगवा दी। 45 तक पति के गायब होने का नाटक करती रही। शुक्रवार को पुलिस वेरिफिकेशन करने पहुंची, तो पत्नी घबरा गई।

पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। उसने अपना जुर्म कबुल लिया है। घटना का खुलासा होने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मामला थाना सिकंदरा के प्राक्षी टावर चौकी क्षेत्र का है।

मूलरूप से भरतपुर के रंजीत नगर के रहने वाले 44 वर्षीय सुरेंद्र कुमार शर्मा सिकंदरा में दहतोरा के रेणुका धाम कालोनी में रहते थे। घर में उनकी पत्नी रूबी, मां कमला और दो बेटी रहती थीं। सुरेंद्र शर्मा 18 मई से लापता था। इस संबंध में 26 मई को पत्नी ने ही गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। परिजनों और आसपास के लोगों के बीच महिला लगातार पति के

लापता होने की बात कहती रही।

आज शुक्रवार को पुलिस एक पुराने मामले में सत्यापन और पूछताछ के लिए जब घर पहुंची तो महिला का व्यवहार संदिग्ध लगा। वहीं मृतक के भाई ने भी पुलिस को महत्वपूर्ण सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस ने घर की गहन जांच कराई।

जांच के दौरान पुलिस को बाथरूम की फर्श पर संदेह हुआ। इसके बाद बाथरूम की खुदाई कराई गई, जहां से सुरेंद्र शर्मा का शव बरामद हुआ। शव मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हत्या के बाद शव को बाथरूम में दफनाकर ऊपर से प्लास्टर और टाइल्स लगवा दी गई थीं, ताकि किसी को शक न हो। पुलिस का मानना है कि इस वारदात में किसी अन्य व्यक्ति की भी भूमिका हो सकती है। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं रूबी शर्मा से पूछताछ कर हत्या के कारणों और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पत्नी रूबी शर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में दिग्विजय बोले-अयोध्या कोर्ट जाएंगे

महिला कांग्रेस ने भी हिसाब मांगा

भोपाल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे में कथित अनियमितताओं के आरोपों को लेकर शुक्रवार को राजधानी भोपाल में महिला कांग्रेस ने माता मंदिर के पास सद्बुद्धि यज्ञ और सामूहिक उपवास किया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी सेतिया समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

सद्बुद्धि के लिए किया यज्ञ

महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी सेतिया ने कहा कि यज्ञ प्रधानमंत्री की सद्बुद्धि के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने हमेशा प्रजा के हित को सर्वोपरि रखा, लेकिन आज देश में आम जनता, महिलाएं और गरीब वर्ग परेशान हैं। उनका आरोप था कि सरकार मंदिर निर्माण को प्राथमिकता दे रही है, जबकि जनता की मूल समस्याएं अनदेखी की जा रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए 1 लाख 11 हजार रुपये का चंदा दिया था और इसकी रसीद व चेक की प्रति आज भी उनके पास सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि 5 या 6 जुलाई को अपने वरिष्ठ अधिवक्ता से चर्चा के बाद अयोध्या जाकर अदालत में वाद दायर करेंगे।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि यदि जांच में वित्तीय अनियमितता सामने आती है तो ट्रस्ट के जिम्मेदार पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान राम के नाम पर देशभर के श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ दान दिया है, इसलिए उस राशि का पूरा हिसाब सार्वजनिक होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि अदालत में वित्तीय गड़बड़ी साबित होती है तो वह अपना चंदा वापस लेकर किसी मान्यता प्राप्त धार्मिक पीठ या शंकराचार्य के न्यास को दान करेंगे।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन पर धर्म विरोधी होने के आरोप लगाए जाते हैं, जबकि वह स्वयं

सनातन परंपरा का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि वह नियमित धार्मिक अनुष्ठान करते हैं, एकादशी का व्रत रखते हैं और नर्मदा परिक्रमा भी कर चुके हैं।पूर्व मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) से भी धार्मिक चंदे और गुरुदक्षिणा के उपयोग का सार्वजनिक हिसाब देने की मांग की।

उन्होंने धार्मिक संस्थाओं के संचालन में पारदर्शिता जरूरी बताते हुए महाकाल मंदिर परिसर की जमीन से जुड़े अपने पुराने आरोप भी दोहराए।

दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट के गठन, पदाधिकारियों की नियुक्ति और प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इस विषय पर कई संत और शंकराचार्य पहले भी आपत्तियां जता चुके हैं।

उन्होंने कहा कि वह अपने घर के बाहर एक तख्ती लगाएंगे, जिस पर लिखा होगा।मेरे घर में चंदा चोरों का प्रवेश निषिद्ध है। साथ ही लोगों से धार्मिक चंदे के उपयोग में पारदर्शिता की मांग करने की अपील भी की।

युवक की ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

पलामू, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के इटहे गांव निवासी 22 वर्षीय अखलाक आलम की ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

अखलाक आलम की शादी करीब एक वर्ष पहले फरजाना खातून से हुई थी। शादी के बाद से वह अपने ससुराल में ही रहता था, जो उसके पैतृक गांव से लगभग दो किलोमीटर दूर है। मृतक के भाई सहज्जाद आलम और नौशाद आलम के अनुसार, गुरुवार रात उन्हें अखलाक आलम के ससुराल वालों ने कोई सूचना नहीं दी। रात करीब आठ बजे स्थानीय ग्रामीणों ने फोन कर बताया कि अखलाक ने फांसी लगा ली है। परिजनों का आरोप है कि ससुराल वालों ने घटना की सही जानकारी नहीं दी और न ही यह बताया कि उसे किस अस्पताल में ले जाया गया।

मथुरा में जोरदार बारिश, सड़क पर नदियों जैसा बहाव

मथुरा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून ने पूरे यूपी को कवर कर लिया है। 15 शहरों में शुक्रवार तड़के से रुक-रुक बारिश हो रही है। मथुरा में दोपहर 1 बजे 30 मिनट तक जोरदार बारिश हुई। रेलवे अंडरपास में गर्दन तक पानी भर गया। सड़क पर नदियों जैसा बहाव देखने को मिला। एक स्कूटी और दुकानदारों को सामान बह गया।

कानपुर में गुरुवार देर रात 1 बजे से तड़के 5 बजे तक भारी बारिश हुई। GSVM मेडिकल कॉलेज में पानी भर गया। कारें-बाइकें आधी डूब गईं। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की 100 फीट दीवार गिर गई। बेंसमेंट की दीवार धंसकने से अपार्टमेंट को खाली करना पड़ा।

इधर, झांसी में बिजली गिरने से किसान की मौत हो गई। उन्नाव में इतनी बारिश हुई कि घरों में

बरसात का पानी घुस गया। जालौन में भी आंधी के साथ बारिश हुई।

आज यूपी के सभी 75 शहरों में बारिश का अलर्ट है। 11 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। ओले और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। 40 किमी. की रफ्तार से हवा चल सकती है। कहीं-कहीं हवा की रफ्तार 50 किमी. प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। 30 जून को मानसून प्रदेश में पहुंचा था। 2 जुलाई तक यह पूरे प्रदेश में फैल गया। फिलहाल उत्तरी उड़ीसा तट के पास बना कम दबाव का क्षेत्र और मौसम के दूसरे सिस्टम सक्रिय नहीं हैं। इसलिए मानसून की रफ्तार धीमी पड़ गई है।

अगले 3 दिनों तक दक्षिणी यूपी और आसपास के जिलों में ही अच्छी बारिश होने की संभावना है। बाकी जिलों में बारिश कम होगी या छिटपुट होगी।

गर्लफ्रेंड ने किया बिल्डर का मर्डर

बोली- मुझसे जबरन संबंध बनाता था प्राइवेट पार्ट भी काटा, न्यूड बॉडी मिली थी

भागलपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भागलपुर में बिल्डर बजरंगी नीलकंठ (48) हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। बिल्डर की हत्या उसकी प्रेमिका ने की थी। पुलिस ने पीरपैंती से उसे गिरफ्तार किया है। वारदात वाली रात बजरंगी ने नशे की हालत में फिजिकल रिलेशन बनाया। इस दौरान दोनों के बीच विवाद हुआ।

जिसके बाद महिला ने उसके सोने का इंतजार किया। सोने के बाद धारदार हथियार से पहले गले पर, फिर आंख पर वार किया। इसके बाद उसने बजरंगी का प्राइवेट पार्ट काट दिया। 2 जुलाई (गुरुवार) को तिलकामांझी थाने से 10 कदम दूर ऑफिस के अंदर बिल्डर की न्यूड बॉडी मिली थी।

महिला ने अवैध संबंध की बात को स्वीकार किया है। पुलिस की पूछताछ में बताया कि बिल्डर ने अनकंडीशनल सेक्सुअल रिलेशन बनाया। वो इनकार करती रही, लेकिन नशे में रहने के कारण उन्होंने कुछ नहीं सुना। इसी गुस्से में उसने वारदात को अंजाम दिया।

आरोपी की पहचान मनोज कुमार यादव की बेटी सीमा कुमारी (32) के तौर पर हुई है।

करीब 12 साल से दोनों का अफेयर चल रहा था। सीमा का मेडिकल कराया गया।

पड़ोसी ने किया 2 बच्चियों से रेप

दुर्ग-भिलाई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पड़ोसी लड़के ने 2 बच्चियों से रेप किया है। दोनों सगी बहनें हैं, उनकी उम्र 7 और 9 साल है। आरोपी बच्चियों को खेलने के बहाने अपने घर में बुलाता था, जहां उसने वारदात को अंजाम दिया। मामला छावनी थाना क्षेत्र का है। घटना गुरुवार (2 जुलाई) की है।

दरअसल, मामले का खुलासा तब हुआ, जब छोटी बच्ची के पेट और प्राइवेट पार्ट में दर्द होने लगा। परिवार वालों को इसकी जानकारी हुई तो वे थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। इसके अलावा आरोपी के घर बुलडोजर चलाने की मांग भी की है। पुलिस ने 17 साल के नाबालिग आरोपी को हिरासत में लिया है। बच्चियों के चाचा ने बताया कि वारदात गुरुवार शाम करीब साढ़े 4 से 5 बजे के बीच की है। छोटी भतीजी रोते हुए घर पहुंची और पेट दर्द की शिकायत करने लगी।

ब्रेन मलेरिया का प्रकोप, 64 नए मरीज मिले

अब तक 5 की मौत, आदित्यपुर की किशोरी ने भी तोड़ा दम, पोटका में 328 मरीज मिले

जमशेदपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्वी सिंहभूम के पोटका प्रखंड क्षेत्र में ब्रेन मलेरिया का संक्रमण गंभीर स्थिति में पहुंच गई है। गुरुवार को 25 गांवों के 1223 ग्रामीणों की जांच में 64 नए मरीज मिले हैं। नए मरीजों में चार की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें पोटका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

जबकि 60 मरीजों को दवा देकर घर पर रहकर ही इलाज कराने की सलाह मेडिकल टीम द्वारा दी गई है। उधर, सिविल सर्जन की अध्यक्षता में हुई आपात बैठक में अगले आदेश तक मलेरिया नियंत्रण अभियान से जुड़े सभी स्वास्थ्यकर्मियों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई है। वहीं, ब्रेन मलेरिया से पीड़ित एमजीएम में इलाजरत आदित्यपुर की 12 वर्षीय गुड़िया दास की भी मौत हो गई है। मलेरिया की स्थिति दिनों दिन बिगड़ने पर केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पोटका के प्रभावित गांवों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

साथ ही ग्रामीणों को निर्देश दिया कि रात्रि में मच्छरदानी का उपयोग करें, घर के आसपास जल जमाव नहीं होने दें और ठंड के साथ बुखार होने पर तत्काल जांच व इलाज कराने का निर्देश दिया है। लोगों को बुखार होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने को कहा गया है। पोटका के बाद अब आदित्यपुर में भी ब्रेन मलेरिया के मामले सामने आने लगे हैं। गुरुवार को आदित्यपुर की 12 वर्षीय किशोरी गुड़िया दास की एमजीएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वह ब्रेन मलेरिया से पीड़ित थी और गंभीर हालत में मंगलवार को अस्पताल में भर्ती कराई गई थी।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, गुड़िया पहले से सिकल सेल एनीमिया से भी पीड़ित थी। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से बुखार या ठंड लगने जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल मलेरिया की जांच कराने और इलाज शुरू कराने की अपील की है। आपात बैठक में तैयार माइक्रोप्लान के अनुसार कल से 13 जुलाई तक पोटका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र के 11 गांवों में चरणबद्ध फॉगिंग अभियान चलाया जाएगा। अभियान की शुरुआत कुंदरुकोचा गांव से होगी। इसके बाद नरदा, ग्वालकाटा, हरिना, झरिया, जोजोगोड़ा, टांगराइन, छोटा रामगढ़ और ढेंगाम समेत अन्य गांवों में फॉगिंग की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग ने सभी आवासीय विद्यालयों में भी एक चरण की विशेष फॉगिंग कराने का निर्णय लिया है।

बिजली गिरने से किसान की मौत, बेटा झुलसा

तेज बहाव के बीच पुल में फंसी पिकअप 25 लोग सवार थे, भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बिजली गिरने से किसान धनीराम पटेल (75) की मौत हो गई। वहीं उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। मामला उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम तुमान की है। शुक्रवार दोपहर पिता-बेटा खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ।

छत्तीसगढ़ में बारिश का दौर अब तेज होने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बना लो प्रेशर सिस्टम एक्टिव है। इसके असर से प्रदेशभर में अगले 5 दिनों तक अच्छी बारिश होने के आसार हैं। मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में अगले 2 दिन भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है।

बीमा लोकपाल अधिकारी बनकर 1.60 करोड़ की ठगी

रिफंड के नाम पर वसूले पैसे, दिल्ली से 3 आरोपी गिरफ्तार नाइजीरियन नेटवर्क कर रहा था खातों को ऑपरेट

दुर्ग-भिलाई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। दुर्ग पुलिस ने बीमा पॉलिसी का रिफंड दिलाने के नाम पर करीब 1 करोड़ 60 लाख रुपए की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में दिल्ली से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने खुद को बीमा लोकपाल का अधिकारी बताकर पीड़ित को झांसे में लिया और अलग-अलग बैंक खातों में पैसे जमा करवाए। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी अपने बैंक खाते साइबर ठगों को इस्तेमाल के लिए देते थे। इन्हीं खातों के जरिए ठगी की रकम का लेन-देन किया जाता था। पुलिस के अनुसार इन खातों का इस्तेमाल एक नाइजीरियन साइबर नेटवर्क कर रहा था, जो इस पूरे गिरोह को ऑपरेट कर रहा था। पुलिस को आरोपियों के बैंक खातों में करोड़ों रुपए के संदिग्ध

लेन-देन के सबूत भी मिले हैं।

दुर्ग रेंज साइबर थाना में इस मामले की जांच चल रही थी। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने खुद को बीमा लोकपाल का अधिकारी बताकर पीड़ित से संपर्क किया। उन्होंने पीड़ित को भरोसा दिलाया कि उसकी बीमा पॉलिसी का पैसा वापस (रिफंड) कराया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग बैंक खातों में पैसे जमा करने को कहा गया।

झांसे में आकर पीड़ित ने कई बार ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर किए। इस तरह करीब 1 करोड़ 60 लाख रुपए की ठगी हो गई। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी जानकारी और बैंक खातों की डिटेल खंगाली। इसके आधार पर एक बैंक खाताधारक को पहले गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने दिल्ली में मनमीत सिंह, ईशांत माहे उर्फ ईशु और अमनदीप सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने पैसों के लालच में अपने नाम से बैंक खाते खुलवाए और उन्हें साइबर ठगी में इस्तेमाल करने के लिए उपलब्ध कराया। जांच में यह भी सामने आया कि इन खातों का इस्तेमाल एक विदेशी, यानी नाइजीरियन साइबर गिरोह कर रहा था।

तीनों आरोपियों को 1 जुलाई को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद तीस हजारी कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड लेकर उन्हें दुर्ग लाया गया।

फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह से और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं।

भारत के औद्योगिक नक्शे को बदल रहा जापानी निवेश, 1 लाख करोड़ रुपये का मेगा प्लान

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में जापान का निवेश तेजी से फैल रहा है। इसमें मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , क्लीन एनर्जी, फाइनेंस और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट शामिल हैं।

अगस्त 2025 से भारत और जापान के बीच 120 एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर हुए हैं। निवेश के आंकड़ों से पता चलता है कि इसका फायदा किसी एक इंडसट्रियल हब तक सीमित नहीं है। इसके बजाय यह कई राज्यों में फैल रहा है। महाराष्ट्र में ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग से लेकर असम और गुजरात में सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट और मेघालय में ग्रीन एनर्जी निवेश तक, जापानी कंपनियां भारत के इंडसट्रियल ग्रोथ के अगले चरण को आकार देने में मदद कर रही हैं।

हरियाणा मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर उभरा

सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाले राज्यों में हरियाणा शामिल है। इसने मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कई जापानी निवेश आकर्षित किए हैं। डाइकिन एक नए रिसर्च और डेवलपमेंट सेंटर के जरिए अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। वहीं, सुमितोमो राज्य में अपने इंडसट्रियल कामकाज को मजबूत कर रही है। सुजुकी के भी मैन्युफैक्चरिंग और मोबिलिटी से जुड़े निवेश जारी हैं। इंडसट्रियल विस्तार के लिए ये जापान की पसंदीदा जगहों में से एक के तौर पर हरियाणा की स्थिति को और मजबूत करते हैं। राज्य का मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, दिल्ली-एनसीआर से नजदीकी और अच्छी तरह से विकसित इंडसट्रियल इकोसिस्टम इसे जापानी कंपनियों के लिए आकर्षक बनाता है।

महाराष्ट्र ने मजबूत किया अपना इंडस्ट्रियल आधार

महाराष्ट्र निवेश के लिए एक और प्रमुख डेस्टिनेशन बना हुआ है। टोयोटा बिडकिन में एक नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगा रही है। इसकी सालाना प्रोडक्शन क्षमता एक लाख गाड़ियां होगी। इससे हजारों नौकरियां पैदा होने की संभावना है। एमयूएफजी जैसे फाइनेंशियल संस्थान भी अपना कामकाज बढ़ा रहे हैं। ये भारत की कमर्शियल और फाइनेंशियल राजधानी के तौर पर महाराष्ट्र की स्थिति में भरोसा दिखाते हैं। राज्य मैन्युफैक्चरिंग, फाइनेंस और एडवांस्ड इंडसट्रियल प्रोडक्शन में निवेश आकर्षित कर रहा है।गुजरात भारत के सेमीकंडक्टर टारगेट्स के लिए एक अहम केंद्र के तौर पर उभर रहा है। फ्यूजीफिल्म और तोहो कोकी जैसी जापानी कंपनियां, साथ ही एकेडमिक संस्थान और टेक्नोलॉजी पार्टनर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च और सप्लाई चेन को मजबूत करने वाले प्रोजेक्ट में हिस्सा ले रहे हैं।

अब पोर्टल पर एक्टिवेट नहीं होगा यूएएन

उमंग एप की फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक क्या करेगी? सब जानिए

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पीएफ खाताधारकों के लिए बड़ी खबर है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने 'यूनिफाइड मेंबर पोर्टल' को बड़े बदलावों के साथ दोबारा लाइव कर दिया है। ईपीएफओ पोर्टल 26 जून 2026 की रात से सिस्टम अपग्रेडेशन और डेटाबेस माइग्रेशन का हवाला देकर बंद किया गया था। करीब एक हफ्ते तक अपग्रेड के कारण बंद रहने के बाद अब यह पोर्टल नए रूप में उपलब्ध है। इस तकनीकी बदलाव के तहत अब वेबसाइट से डायरेक्ट यूएएन अलॉटमेंट और यूएएन एक्टिवेशन जैसी सेवाएं पूरी तरह बंद हो गई हैं। अब खाताधारकों को इन सेवाओं के लिए मोबाइल एप का रुख करना होगा, जिससे सुरक्षा और रफ्तार दोनों को बेहतर बनाया जा सके। ईपीएफओ ने अपने तकनीकी ढांचे को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और तेज बनाने के लिए यह कदम उठाया है। अब तक खाताधारक यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर सीधे अपना यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) एक्टिवेट कर लेते थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से अब इस विकल्प को वेब पोर्टल से हटा दिया गया है। ईपीएफओ के अनुसार, इस अपग्रेड

का उद्देश्य हितधारकों को अधिक सुरक्षित डिजिटल वातावरण देना है, जिससे पीएफ खातों में किसी भी तरह की गड़बड़ी को पूरी तरह से रोका जा सके। यूएएन एक्टिवेशन और डायरेक्ट यूएएन अलॉटमेंट की सेवाएं अब सरकारी उमंग एप पर शिफ्ट कर दी गई हैं। अब इस सेवा के लिए खाताधारकों को 'आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन' (एफएटी) तकनीक का इस्तेमाल करना होगा। इसकी प्रक्रिया निम्न है ईपीएफओ के इस अपग्रेड से पीएफ सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और धोखाधड़ी की गुंजाइश खत्म होगी। चेहरे की पहचान (फेस ऑथेंटिकेशन) जैसी अत्याधुनिक तकनीक के जुड़ने से खाताधारकों के पैसों की सुरक्षा मजबूत हो गई है।

एअर इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर घटाया फ्यूल सरचार्ज, यात्रियों को मिलेगी राहत?

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। हवाई यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर है। एअर इंडिया ने अपने चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर लगने वाले फ्यूल सरचार्ज यानी ईंधन अधिभार में बड़ी कटौती की घोषणा की है। इस कदम से यूरोप, उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की यात्रा अब सस्ती हो जाएगी। यह कटौती यात्रियों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाएगी। अप्रैल महीने में यूरोप के लिए प्रति यात्री ईंधन अधिभार 205 डॉलर था। उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के लिए यह 280 डॉलर प्रति यात्री था। अब इन दरों में उल्लेखनीय कमी की गई है। यूरोप के लिए नया अधिभार 125 डॉलर प्रति यात्री होगा। उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के लिए यह 200 डॉलर प्रति यात्री कर दिया गया है। यह बदलाव हवाई यात्रा को अधिक किफायती बनाएगा। एयरलाइन का यह निर्णय यात्रियों को आकर्षित करने में सहायक होगा। इस कटौती से यात्रियों को प्रति टिकट काफी बचत होगी। यूरोप जाने वाले यात्रियों को अब 80 डॉलर कम देने होंगे। उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के लिए यात्रा करने वालों को भी 80 डॉलर की बचत होगी।

यह कमी सीधे तौर पर हवाई किराए को प्रभावित करेगी। इससे लंबी दूरी की यात्राएं अधिक सुलभ हो जाएंगी। कनहीं। यह सरकार द्वारा लगाया गया टैक्स नहीं है। यह एयरलाइन द्वारा लिया जाने वाला एक अतिरिक्त शुल्क है।

सावधान! सस्ते के चक्कर में आप भी एक्सपायर्ड सामान तो नहीं खा रहे, दिल्ली में हुआ गैंग का भंडाफोड़

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो एक्सपायर हो चुके इंटरनेशनल ब्रांड के खाने-पीने के सामान की चीजों को बेचने के कारोबार में शामिल था। ये लोग एक्सपायर्ड प्रोडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट्स में हेर-फेर करके उनकी रीपैकेजिंग करके बाजार में असली सामान के तौर पर बेचते थे। इस मामले में पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पहले भी इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं। एक्सपायर्ड फूड आइटम्स जैसे चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक, सॉस, बेबी फूड और आटा का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और जानलेवा भी हो सकता है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक यह एक सुनियोजित और व्यवस्थित रैकेट था। ये लोग एक्सपायर हो चुके इंटरनेशनल ब्रांड की खाने-पीने की चीजों की गैर-कानूनी बिक्री में शामिल थे। वे मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट में हेर-फेर करते थे और एक्सपायर हो चुके सामान की रीपैकेजिंग करके उसके असली सामान की तरह बाजार में बेचते थे। पुलिस ने इन लोगों से करीब 20 लाख रुपये से ज्यादा का सामान बरामद किया है। जब्त किए गए सामान में पैक्ड फूड, ड्रिंक्स और खाने-पीने की दूसरी चीजें शामिल हैं।

कैसे होता है खेल?

दिल्ली और मुंबई में ऐसे ही एक्सपायरी सामान की री-पैकेजिंग और बिक्री करने वाले कई गिरोहों का पर्दाफाश हुआ है। हाल में महाराष्ट्र के ठाणे में इसी तरह के एक रैकेट का पता चला था। इसमें शामिल लोग केमिकल का इस्तेमाल करके असली एक्सपायरी डेट मिटा देते थे, नकली मैन्युफैक्चरिंग स्टिकर लगाते थे और उत्पादों को कम कीमत पर दोबारा बेचते थे। दिल्ली-एनसीआर और अन्य राज्यों में ऐसे कई रैकेट पकड़े गए हैं जो एक्सपायर्ड सामानों पर केमिकल या प्रिंटिंग मशीनों के जरिए नई एक्सपायरी डेट और बारकोड लगाकर उन्हें नया बताकर बेचते हैं। इससे पहले दिल्ली में पकड़े गए एक मामले की जांच में पता चला कि मुंबई के एजेंटों के जरिए कम कीमत पर एक्सपायर्ड हो चुके खाने-पीने का सामान खरीदा जाता था। मुंबई में यह सामान यूनाइटेड किंगडम, यूनाइटेड स्टेट्स और दुबई जैसे देशों से मंगवाया जाता था। जहाज से सामान भारत लाने के बाद मुंबई या दिल्ली जैसे बड़े शहरों में इन प्रोडक्ट्स पर एक्सपायरी डेट बदला जाता था और फिर इन्हें देश भर के बाजारों में भेजा जाता था।

मोटा मुनाफा

जानकारों का कहना है कि अमेरिका, यूके या अन्य यूरोपीय देशों में बने फूड मैटेरियल क्वालिटी के मामले में भारत में बने सामानों से बेहतर माने जाते हैं। हालांकि विदेशों में बने सामानों की कीमत मेड इन इंडिया सामानों के मुकाबले काफी ज्यादा होती है। तब भी कुछ ग्राहक इन प्रोडक्ट को भारत में बन सामानों के मुकाबले तवज्जो देते हैं। यही वजह है कि शातिर कारोबारी विदेशों से नियर टू एक्सपायरी या एक्सपायर्ड प्रोडक्ट बेहद सस्ते में खरीद लेते हैं।

भारत में आयात करते समय कस्टम के समक्ष इन्हें एक्सपायर्ड सामान बता कर कस्टम ड्यूटी में भी रियायत ले ली जाती है। इन्हें भारतीय बाजार में काफी ऊंची कीमत पर बेचा जाता है।

सोना आज 3,104 महंगा हुआ : 10 ग्राम की कीमत 1.46 लाख पहुंची

चांदी के दाम 4,504 बढ़कर 2 .33 लाख/किलो हुए

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज 3 जुलाई को लगातार चौथे दिन तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3,104 रुपए बढ़कर 1,46,107 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले गुरुवार को इसकी कीमत 1,43,003 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 4,504 रुपए बढ़कर 2,33,354 रुपए पर पहुंच गई। इससे पहले 2 जुलाई को इसकी कीमत 2,28,850 रुपए प्रति किलो थी। सोना पिछले चार दिन में 4,686 रुपए और चांदी 13,374 रुपए महंगी हुई है। इससे पहले सोमवार को सोना 1.41 लाख रुपए और चांदी 2.2 लाख रुपए पर थी।

सोना इस साल 12,908 और चांदी 2,934 महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 12,908 रुपए और चांदी 2,934 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.46 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.33 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सोना-चांदी पर इंपोर्ट ड्यूटी 6% से बढ़कर 15% हुई

केंद्र सरकार ने मई-2026 में सोने-चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% की है। इसका मकसद विदेशी खरीद कम करना और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को घटाना है।सरकार ने सोने पर 10% बेसिक कस्टम ड्यूटी और 5% एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस लगाया है। इस तरह कुल प्रभावी टैक्स 15% हो गया है। इससे पहले 2024 के बजट में वित्त मंत्री सीतारमण ने इंपोर्ट ड्यूटी 15% से घटाकर 6% की थी।

कैसे पहचानें 200 रुपए का नोट असली है या नकली

आरबीआई के इन 7 प्वाइंट्स से दूर करें कंफ्यूजन

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। बाजार में जब भी हम खरीदारी करने जाते हैं तो बंधा नोट देने पर जो छुट्टा रुपया मिलता है, उसकी जांच कई बार हम नहीं करते. हमें लगता है कि नोट जो मिला है वो सही ही होगा. लेकिन ऐसे ही कई बार लोग बिना जांचे नोट रख लेने पर धोखे का शिकार भी हो जाते हैं. ऐसे ही धोखे से बचने के लिए आरबीआई ने ग्राहकों को असली नोट की पहचान करने के 7 तरीके बताए हैं. आइये जानते हैं. दरअसल आरबीआई ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सभी भारतीय नोटों की असलियत पहचानने के लिए कुछ तरीके बताए हैं. इसी में 200 रुपये के असली नोट को पहचानने के लिए सात टिप्स बताए गए हैं. आइये आपको भी बताते हैं इन टिप्स केबारे में, जिनकी मदद से आप आसानी से 200 रुपये के असली नोट पहचान पाएंगे और नकली नोट से चकमा नहीं खाएंगे.200 रुपये के नोट की लेफ्ट साइड में नीचे की ओर एक ट्रांसपेरेंट हिस्सा होता है, जिसमें '200' लिखा होता है.

नोट को रोशनी के सामने रखने पर ये साफ दिखाई देता है.200 रुपये के नोट पर '200' की राशि देवनागरी (हिंदी) अंकों में भी लिखी होती है.इस नोट के सामने वाले हिस्से में (फ्रंट साइड) के बीच में महात्मा गांधी की फोटो होती है. नोट के राइट साइड में गवर्नर के हस्ताक्षर, भुगतान का वादा (गारंटी क्लॉज) और आरबीआई का लोगो बना होता है. इस नोट के लेफ्ट साइड ऊपर की ओर नंबरों का एक पैनल होता है, जिसमें अंक छोटे से बड़े आकार में लिखे होते हैं. इसी तरह नीचे की तरफ राइट साइड में भी नंबरों का एक पैनल होता है, जिसमें अंक छोटे से बड़े आकार में दिखाई देते हैं.

बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी

सेंसेक्स 262 अंक चढ़ा, निफ्टी 24250 के पार

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन समापन हरे निशान पर हुआ। वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव कम होने और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीदें घटने से घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। इसके साथ ही, डॉलर इंडेक्स में गिरावट के चलते रुपये ने भी मुद्रा के मुकाबले शानदार वापसी की। हालांकि, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार बिकवाली ने बाजार पर दबाव बनाए रखा है।

सेंसेक्स 261.79 अंक (0.33%) चढ़कर 77,763.91 और निफ्टी 95.15 अंक (0.39%) की बढ़त के साथ 24,270.85 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार की इस तेजी का नेतृत्व मुख्य रूप से आईटी, रियलिटी और फार्मा इंडेक्स ने किया, जिनमें से प्रत्येक में करीब 2% की बढ़त दर्ज की गई। हालांकि, ऑटो और पीएसयू बैंक इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। एनएसई पर कुल 1,823 शेयरों में तेजी और 1,513 शेयरों में गिरावट रही, जबकि 100 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे मजबूत होकर 95.21 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को रुपया 19 पैसे टूटकर 95.35 पर बंद हुआ था। रुपया शुक्रवार को 95.16-95.35 के दायरे में रहा। डॉलर इंडेक्स भी अपने हालिया 15 महीने के उच्चतम स्तर 101.6 से गिरकर 100.75 पर आ गया। डॉलर इंडेक्स में नरमी और कच्चे तेल (ब्रेंट क्रूड) के 71.96 डॉलर प्रति बैरल पर रहने के बीच रुपये को मजबूती मिली। हालांकि, आयातकों और कॉर्पोरेट हेजर्स की मजबूत डॉलर मांग से रुपये पर दबाव बना रहा।' विदेशी मुद्रा विशेषज्ञों के अनुसार, आयातकों की डॉलर मांग के बीच आरबीआई रुपये में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए बाजार में सक्रिय है। आरबीआई अपने विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने के लिए लगातार डॉलर की खरीद कर रहा है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार फरवरी के रिकॉर्ड स्तर 728.49 अरब डॉलर से घटकर वर्तमान में लगभग 672.6 अरब डॉलर पर आ गया है, जिसे दुरुस्त करने के लिए रिजर्व बैंक सक्रिय रूप से डॉलर खरीद रहा है। बाजार में तेजी के बीच विदेशी निवेशकों की रिकॉर्ड बिकवाली एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। जून में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 49,340 करोड़ रुपये (5.16 अरब डॉलर) निकाले। इस बिकवाली की मुख्य वजह वैश्विक जोखिम, विकसित बाजारों के प्रति झुकाव, उच्च अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और घरेलू बाजार का महंगा वैल्यूएशन रहा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सूर्य	मिथुन	मे
चंद्र	कुंभ	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	कर्क	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कर्क	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय

मिथुन--	04-32 बजे
कर्क----	06-44 बजे
सिंह----	08-57 बजे
कन्या--	11-03 बजे
तुला-----	13-08 बजे
वृश्चिक--	15-18 बजे
धनु-----	17-32 बजे
मकर--	19-38 बजे
कुंभ---	21-28 बजे
मीन---	23-07 बजे
मेष----	00-43 बजे
वृष------	02-27 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्योदय **05-49** सूर्यास्त. **18 -50**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शनिवार **04 July 2026**
तिथि - कृष्ण पक्ष चतुर्थी **12-40** तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - धनिष्ठा **13-43** तक उप शतभिषा
योग. - प्रीति **17-01** तक उप आयुष्मान
करण - बालव **12-40** तक उप कौलव
विशेष: सिंहे शुक्र १९-१३ से विवेकानंद पुण्य

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-04 से 10-42 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			
काल	05-49 - 07-26	अशुभ
शुभ	07-26 - 09-04	शुभ
रोग।।	09-04 - 10-42	अशुभ
उत्पात	10-42 - 12-21	अशुभ
चंचल	12-21 - 13-59	शुभ
लाभ	13-59 - 15-37	शुभ
अमृत	15-37 - 17-15	शुभ
काल	17-15 - 18-50	अशुभ

रात का चौघड़िया		
लाभ	18-50 - 20-15	शुभ
उत्पात	20-15 - 21-37	अशुभ
शुभ	21-37 - 22-59	शुभ
अमृत	22-59 - 00-21	शुभ
चंचल	00-21 - 01-43	शुभ
रोग	01-43 - 03-04	अशुभ
काल	03-04 - 04-26	अशुभ
लाभ	04-26 - 05-49	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें। दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं । आप अपनी नौकरी की मांग के चलते अस्वास्थ्यकर घंटों में भी काम करते रहे हैं।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आज आपका भाग्य आपके साथ है। आज आप जो भी करोगे ,सब कुछ अच्छा ही होगा । अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है। सच्चा प्यार मिलने की उम्मीद बन रही है हालाँकि अपने स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहें ,खांसी और ठण्ड से परेशान हो सकते हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी । लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है । इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें । यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप आवेगी मूड में हैं ,किसी भी काम के बारे में भली प्रकार सोचे बिना ही करने दौड़ पड़ेंगे जिसके कारण आपको कार्यस्थल पर और पारिवारिक जीवन में भी दिक्कतें आ सकती हैं । हालाँकि इस समय ऐसा कर पाना थोडा मुश्किल है , लेकिन मन को शांत रखें । आपके सामने कई अवसर एक साथ आयेंगे,आपको सोच समझकर उनमें से चुनना है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा ।आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें ।आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे । फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे इर्ष्या करेंगे । जब आप सहज रूप से वर्त्तमान .भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,)
आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं । सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा। गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी । यह इस समय आपको मुश्किल जरुर लगेगा।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है । आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे । महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे । अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं। आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है ।अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें । आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है ।अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है । अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नही पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे ,सफलता जरुर मिलेगी । आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा और नकारात्मकता कम होगी ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

350 अरब की वैश्विक महाशक्ति बनाने का लक्ष्य, इन पार्कों में बुना जा रहा भारतीय कपड़ों का भविष्य

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)।सदियों से भारत की सांस्कृतिक पहचान वस्त्रों के ताने-बाने से बुनी रही है। कश्मीर के पश्मीना की गर्माहट, असम के मूंगा रेशम की चमक, तमिलनाडु की राजसी कांजीवरम, चंदेरी की पारंपरिक बुनावट और सूरत का वस्त्र कौशल हमारी समृद्ध विरासत के जीवंत प्रतीक हैं। आज भी यह क्षेत्र जीडीपी में 2.3%, औद्योगिक उत्पादन में 13% और निर्यात में 12% का योगदान देकर हमारी अर्थव्यवस्था का सशक्त स्तंभ बना हुआ है। इससे 4.5 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष और 10 करोड़ से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष आजीविका मिल रही।

इकोसिस्टम की चुनौतियां

वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के एकीकृत इकोसिस्टम के विपरीत, भारत की कपड़ा मूल्य श्रृंखला ऐतिहासिक रूप से भौगोलिक रूप से बिखरी रही है। कताई, बुनाई, प्रॉसेसिंग, गारमेंटिंग और निर्यात जैसी गतिविधियां अलग-अलग राज्यों में स्वतंत्र रूप से विकसित हुईं। इससे एक परिधान को तैयार होने तक कई राज्यों की सीमाएं पार

करनी पड़ती थीं। इस बिखरे ढांचे ने उत्पादन इकाइयों के विस्तार, आधुनिकीकरण और ऑटोमेशन में ढांचागत बाधाएं खड़ी कीं। इससे वैश्विक बाजारों में हमारी 'स्पीड टू मार्केट' की क्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है। इसके अतिरिक्त, वस्त्र उद्योग वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 8 से 10% और औद्योगिक जल प्रदूषण में 20% का भागीदार है। हजारों बिखरी और छोटी इकाइयों के बीच पर्यावरण नियमों को लागू करना और अपशिष्ट जल का सतत प्रबंधन करना प्रशासनिक रूप से एक बेहद जटिल चुनौती रही है।इन बाधाओं को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021 में 4,445 करोड़ रुपये के बजटीय प्रावधान के साथ 'पीएम मित्र' योजना शुरू की। यह एक ऐसा समग्र मॉडल प्रस्तुत करता है, जहां केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, उद्योग जगत और निजी भागीदारों के साथ पूर्ण समन्वय बिठाकर वस्त्र क्षेत्र के विकास को गति दे रही है। इस योजना के मूल में प्रधानमंत्री का दूरदर्शी '5F' फॉर्म्युला - फार्म टू फाइबर , फाइबर टू फैक्ट्री, फैक्ट्री टू फैशन, फैशन टू फॉरेन निहित है। औद्योगिक विस्तार के साथ-साथ कपास उत्पादकों, ग्रामीण बुनकरों से लेकर निर्यातकों तक, हर वर्ग का कल्याण सुनिश्चित करना इस योजना का मुख्य उद्देश्य है। रणनीतिक रूप से प्रमुख कच्ची सामग्री केंद्रों के समीप स्थित होने के कारण ये पार्क परिवहन लागत घटाते हैं और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। इससे उत्पादों की उत्पत्ति और प्रामाणिकता (एंड-टू-एंड ट्रेसेबिलिटी) की कड़ाई से निगरानी संभव है। एक ही परिसर में 1,000 से अधिक एकड़ भूमि पर कताई, बुनाई और परिधान निर्माण को एक साथ लाने से कई राज्यों में परिवहन की जरूरत खत्म हो जाती है। इससे लागत और कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। 'डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर्स' और एक्सप्रेस-वे से निकटता के कारण विदेशी बाजारों तक माल पहुंचाने का खर्च कम होगा। प्रत्येक पार्क 'प्लग-एंड-प्ले' बुनियादी ढांचे, समर्पित बिजली सब-स्टेशन, निरंतर जलापूर्ति, रेडी-टू-मूव-इन फैक्ट्री शेड और 'जीरो लिक्विड डिस्चार्ज' आधारित अपशिष्ट उपचार संयंत्रों से लैस है।सात 'पीएम मित्र पार्क' स्थापित किए जा रहे हैं- पांच ग्रीनफील्ड परियोजनाएं (तमिलनाडु के विरुधुनगर, गुजरात के नवसारी, कर्नाटक के कलबुर्गी, मध्य प्रदेश के धार और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में) और दो ब्राउनफील्ड परियोजनाएं (तेलंगाना के वारंगल और महाराष्ट्र के अमरावती में)। इस योजना ने निवेशकों में भारी विश्वास जगाया है, जिसके तहत कुल 69,899 करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धताएं मिली हैं।

'राजपूताना आन-बान और आधुनिक शान' का प्रतीक है

सूर्यनगरी जोधपुर का नया इंटरनेशनल क्लास टर्मिनल

जोधपुर का नया एयरपोर्ट टर्मिनल जिसका आज पीएम मोदी उद्घाटन करेंगे

जोधपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की स्थापत्य कला और शाही विरासत अब आधुनिक विमानन तकनीकों के साथ आसमान छूने को तैयार है। सूर्यनगरी जोधपुर के नए एयरपोर्ट टर्मिनल का शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भव्य उद्घाटन करने जा रहे हैं। करीब 400 करोड़ की लागत से 2.52 लाख वर्ग फुट में फैला यह भव्य टर्मिनल मारवाड़ के शाही गौरव और अत्याधुनिक पैसेंजर सुविधाओं का एक बेजोड़ उदाहरण है।

'स्थापति इंडिया' द्वारा डिजाइन किया गया यह नया टर्मिनल सालाना 20 लाख यात्रियों को संभालने में सक्षम है। आइए जानते हैं कि इस नए टर्मिनल में ऐसा क्या खास है जो इसे देश के सबसे खूबसूरत और ग्रीन एयरपोर्ट्स की कतार में खड़ा करता है।

डिजाइन में राजपूताना विरासत की झलक

जोधपुर का विमानन इतिहास बेहद पुराना है। साल 1931 में तत्कालीन शासक महाराजा उम्मेद सिंह ने 'जोधपुर फ्लाइंग क्लब' की स्थापना कर इसकी नींव रखी थी। इसी समृद्ध विरासत को नए टर्मिनल के डिजाइन में जीवंत किया गया है।

भव्य गुंबद और कलशः मुख्य द्वार पर राजस्थान के ऐतिहासिक किलों की तर्ज पर एक भव्य नक्काशीदार गुंबद बनाया गया है, जिसके शीर्ष पर कमल के बेस पर 'कलश' स्थापित है।

पारंपरिक नक्काशीः इसके बाहरी हिस्से में नक्काशीदार ग्लास फाइबर रीइन्फोर्स्ड कंक्रीट, बहु-कोणीय मेहराब और राजपूताना महलों जैसे सजावटी स्तंभों का उपयोग किया गया है।

भीतर जीवंत हुई मारवाड़ी संस्कृतिः टर्मिनल के अंदर स्थानीय कलाकारों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियां लगाई गई हैं, जिनमें मरुधरा के पारंपरिक मोर के रूपांकन और शाही दरबार के दृश्यों को समकालीन अंदाज में उकेरा गया है।

स्थापति इंडिया के निदेशक विपुल बी. वार्ष्णेय ने बताया कि जोधपुर के इस टर्मिनल की प्लानिंग यात्रियों की सुविधा और सुचारू आवाजाही को ध्यान में रखकर की गई है।टर्मिनल में 6 आधुनिक एयरोब्रिज लगाए गए हैं, जिससे यात्री सीधे विमान तक पहुंच सकेंगे। पीक-ऑवर में यह टर्मिनल एक साथ 1,000 यात्रियों को संभालने की क्षमता रखता है। यात्रियों की सुविधा के लिए आगमन और प्रस्थान को पूरी तरह अलग किया गया है। इसके अलावा आइलैंड चेक-इन काउंटर्स, लीनियर सिक्योरिटी ज़ोन और बेहतर बैगेज सर्कुलेशन की व्यवस्था की गई है।

भीषण गर्मी से निपटेगा 'क्लाइमेट-रिस्पॉन्सिव' आर्किटेक्चर

जोधपुर की चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी से निपटने के लिए इस टर्मिनल को खास 'क्लाइमेट-रिस्पॉन्सिव' तरीके से डिजाइन किया गया है। इसमें ऐसे इंसुलेटेड ग्लास और निर्माण सामग्री का उपयोग किया गया है जिससे सूरज की तपिश अंदर न पहुंचे और एयर कंडीशनिंग पर लोड कम रहे, जबकि प्राकृतिक रोशनी पूरे परिसर में भरपूर बनी रहे।

यह बिल्डिंग प्रतिष्ठित ग्रीन सर्टिफिकेशन हासिल करने के लक्ष्य के साथ बनाई गई है। इसके लिए बिल्डिंग में शेडिंग, कंट्रोल्ड ग्लेजिंग, सोलर इंस्टॉलेशन और एनर्जी-एफिशिएंट हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम लगाए गए हैं।

जोधपुर एयरपोर्ट के डायरेक्टर मनोज उनियाल ने बताया कि पिछले 12 वर्षों में जोधपुर में हवाई यात्रियों की संख्या दोगुनी हो चुकी है, जो पिछले साल 10 लाख का आंकड़ा पार कर गई। वर्तमान में यह एयरपोर्ट गर्मियों में रोजाना 14 से 16 उड़ानें और सर्दियों के पर्यटन सीजन में 25 से 30 उड़ानें संचालित करता है। ऐसे में यह नया टर्मिनल जोधपुर के पर्यटन और व्यापार को वैश्विक स्तर पर एक नई ऊंचाई देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

पीएम मोदी आज पचपदरा रिफाइनरी का करेंगे लोकार्पण

बाड़मेर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को राजस्थान दौरे पर रहेंगे। वे सुबह जोधपुर में नए एयरपोर्ट टर्मिनल भवन का लोकार्पण करेंगे और पीएम उड़ान योजना के दूसरे चरण की शुरुआत करेंगे। इसके बाद हेलिकॉप्टर से बालोतरा जिले के पचपदरा पहुंचकर राजस्थान रिफाइनरी परियोजना का लोकार्पण करेंगे, परियोजना का निरीक्षण करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। दौरे को लेकर पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री शनिवार सुबह 9:30 बजे दिल्ली से जोधपुर के लिए रवाना होंगे और सुबह 10:40 बजे जोधपुर वायुसेना एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वे पुराने टर्मिनल के रास्ते नए एयरपोर्ट टर्मिनल भवन पहुंचेंगे। नए टर्मिनल पर करीब 20 मिनट के दौरान वे दो मिनट की वीडियो प्रेजेंटेशन देखेंगे, टर्मिनल का अवलोकन करेंगे और प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व विधायकों से मुलाकात करेंगे।

प्रधानमंत्री सुबह 11:20 बजे हेलिकॉप्टर से पचपदरा के लिए रवाना होंगे। दोपहर करीब 12 बजे पचपदरा पहुंचकर राजस्थान रिफाइनरी परियोजना का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद जनसभा को संबोधित करेंगे। करीब दो घंटे के कार्यक्रम के बाद दोपहर 2 बजे पचपदरा से रवाना होंगे।

मानसून की पहली बारिश से एसएमएस ट्रॉमा सेंटर पानी-पानी

जगह-जगह से फॉल सिलिंग टूटी

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में पीडब्ल्यूडी विंग के खराब मैनेजमेंट ने एक बार फिर मरीजों की परेशानी बढ़ा दी। मानसून की पहली बारिश में ही ट्रॉमा सेंटर के ग्राउड फ्लोर पर जगह-जगह पानी भर गया। माइनर ओटी में पानी भरने से मरीजों का ट्रीटमेंट रोककर उसे दूसरी जगह करवाना पड़ा। वहीं ओटी के पास कॉरिडोर में फॉल सिलिंग गिर गई।

ये तो मानसून की शुरूआत है और अभी ढाई से तीन महीने और मानसून एक्टिव रहने की संभावना है। ऐसे में सवाल खड़े हो रहे है कि अगर बहुत तेज बारिश होती है तो उस समय मरीजों का क्या होगा? रात करीब 1 से 3 बजे के बीच जयपुर शहर में कई इलाकों में हुई बारिश के बाद ट्रॉमा सेंटर में एक ड्रेनेज पाइप के फटने से वहां से निकला पानी ग्राउंड फ्लोर पर गिरने लगा। मुख्य इमरजेंसी हॉल के पास बने ईसीजी रूम में पानी भर गया। इसके पास मैन कॉरिडोर, माइनर ओटी में पानी टपकने से मरीजों को परेशानी हुई। माइनर ओटी में आने वाले मरीजों को दूसरी जगह ट्रीटमेंट दिया गया। जबकि माइनर ओटी के पास कॉरिडोर में फॉल सिलिंग भी गिर गई। सूचना पर ट्रॉमा सेंटर के नोडल ऑफिसर डॉ. राजेन्द्र मांडिया, उपअधीक्षक डॉ. जगदीश मोदी, अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. प्रदीप शर्मा समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और वहां व्यवस्थाएं सुधरवाने का काम शुरू करवाया।

करौली जेल में तबीयत बिगड़ने से कैदी की मौत

करौली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। जिला कारागृह में बंद एक विचाराधीन बंदी की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान धौलपुर जिले के कालीतीर (सोने का गुर्जा) निवासी कलुआ गुर्जर (पुत्र दूल्हे राम) के रूप में हुई है। घटना के बाद न्यायिक प्रक्रिया के तहत मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। जानकारी के अनुसार, कलुआ गुर्जर मासलपुर थाने के वर्ष 1997 के लूट और राजकार्य में बाधा के एक मामले में विचाराधीन बंदी था, जिसे बीती 20 फरवरी को करौली जेल लाया गया था। बुधवार शाम करीब चार बजे जेल में अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। जेल चिकित्सक की प्राथमिक जांच के बाद उसे तुरंत जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। चिकित्सकों ने प्रथम दृष्टया मौत का कारण हार्ट अटैक होना जताया है, हालांकि वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

स्टूडेंट जीरो, पढ़ाने के लिए 9 टीचर

राजस्थान में ऐसे 300 महात्मा गांधी अंग्रेजी स्कूल, हिंदी मीडियम भी शुरू करने की तैयारी

बीकानेर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के 300 महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में स्टूडेंट्स की संख्या बहुत कम है। कई स्कूलों में छात्रों से ज्यादा टीचर है, जबकि कुछ स्कूल ऐसे भी हैं जहां एक भी स्टूडेंट नहीं पढ़ रहा है। इन हालात को देखते हुए राज्य सरकार अब इन स्कूलों में अंग्रेजी के साथ हिंदी माध्यम भी शुरू करने की तैयारी कर रही है।

इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारियों से सात दिन में विस्तृत रिपोर्ट और प्रस्ताव मांगे गए हैं। सरकार का मानना है कि इससे उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा, हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को भी एडमिशन मिलेगा और स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ सकेगी।

इन स्कूलों की कम छात्र संख्या में भी फर्जी नामांकन की आशंका है। कई बार स्कूलों में सिर्फ टीचर के पद को बचाये रखने के लिए भी छात्रों के फर्जी नाम लिख दिए जाते हैं। ऐसे में इन सभी स्कूलों में फर्जी नामांकन की जांच की जा रही है।

शिक्षा विभाग ने ऐसे करीब 300 अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की सूची तैयार की है, जहां छात्र संख्या 50 से कम है, जबकि स्टाफ 10 से 15 तक है। कई स्कूलों में एक शिक्षक को पढ़ाने के लिए औसतन 10 छात्र भी नहीं मिल रहे हैं। इसी स्थिति को देखते हुए विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों से प्रस्ताव मांगे हैं कि इन स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम के साथ हिन्दी माध्यम भी शुरू किया जाए, ताकि उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके और छात्र संख्या बढ़ाई जा सके।

राजस्थान-20 से ज्यादा शहरों में एटीएस के छापे

शहजाद भट्टी
आतंकवादी

एक गिरफ्तार 28 हिरासत में, पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी से कनेक्शन की आशंका

बशीर खान
गिरफ्तार आरोपी

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) की टीमों ने शुक्रवार सुबह राजस्थान के 20 से ज्यादा शहरों में छापेमारी की है। रेड पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी से जुड़े लोगों को पकड़ने के लिए की गई है। छापेमारी में 28 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। बाड़मेर से एक युवक को भी गिरफ्तार किया गया है। एटीएस का दावा है कि भट्टी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ऑनलाइन गेम, पैसों और गैंगस्टर ग्लैमर का लालच देकर युवाओं से दोस्ती करता है। फिर उनसे संवेदनशील जगहों की फोटो मंगवाता है। भट्टी के चंगुल में ज्यादातर भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे जिलों के युवा फंस रहे हैं।

जानकारी के अनुसार एटीएस ने राजधानी में भी अलग-अलग एरिया में छापेमारी की है। जयपुर से भी कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, बाड़मेर के गागरिया गांव से हिरासत में लिए गए बशीर (20) पुत्र आमद खान को हिरासत में लिया था। रामसर थाने में पूछताछ के बाद एटीएस की सूचना पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। दावा है कि बशीर शहजाद भट्टी से लगतार संपर्क में था।

सूत्रों के अनुसार लंबे समय से एटीएस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भट्टी को फॉलो करने वालों पर नजर रख रही है। शुक्रवार को हुई छापेमारी में ऐसे ही संदिग्धों को हिरासत में लेने की जानकारी है।

इन लोगों के सोशल मीडिया अकाउंट व दूसरी ऑनालाइन एक्विटविटी की भी जांच की जा रही है। जांच एजेंसियों के अनुसार भट्टी का नेटवर्क राजस्थान के साथ हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और यूपी में भी है।

बीते करीब छह महीने से सुरक्ष एजेंसियां राजस्थान में शहजाद भट्टी के नेटवर्क को खंगालने की कोशिश कर रही हैं। इस साल जैसलमेर, श्रीगंगानगर, बाड़मेर, बीकानेर सहित कई बॉर्डर वाले जिलों से भट्टी से जुड़े लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई थी। आशंका है कि आतंकवादी के स्लीपर सेल राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में एक्टिव है। इन्हें हवाला के जरिए पैसा पहुंचाया जा रहा है। इस पैसे का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए हो रहा है।

श्रीगंगागनर में करीब दो महीने पहले पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में लिया था। कार्रवाई के बाद श्रीगंगानगर एसपी हरीशंकर ने बताया कि शहजाद भट्टी पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हेरोइन, विदेशी पिस्टल, आरडीएक्स भारत भेज रहा है। वह उन युवाओं को टारगेट कर रहा है, जो शॉर्टकट से पैसा कमाना चाहते हैं। सोशल मीडिया पर संपर्क बनाकर उन्हें धीरे-धीरे अपने गिरोह में शामिल कर रहा है।

मार्च 2026 में हरियाणा के अंबाला से सुरक्षा एजेंसियों ने तीन आतंकियों को पकड़ा था। उन्होंने पूछताछ में बताया था कि शहजाद भट्टी राजस्थान में धमाकों की तैयारी कर रहा था। इसके लिए उसने हनुमानगढ़ में इम्प्रोवाइज एक्सप्लोसिव डिवाइस भी पहुंचा दी थी। आरडीएक्स पहुंचने में देरी से आतंकी साजिश नाकाम हो गई। ये आरडीएक्स ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से भेजा गया था।

पिता बोले-बेटी हत्या करना चाहती है

दावा-5 लाख की सुपारी दी, 55 तोला सोना लेकर भागी थी

बांसवाड़ा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र में एक पिता ने अपनी ही बेटी पर हत्या की सुपारी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित का दावा है कि उसकी बेटी ने एक महिला के साथ मिलकर उसकी हत्या के लिए 5 लाख रुपए की सुपारी दी थी। इतना ही नहीं, बेटी पर घर से करीब 55 तोला सोना लेकर फरार होने का भी आरोप लगाया गया है। मामले में पुलिस अधीक्षक (SP) को परिवाद देने के बाद मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला 25 मई की घटना से जुड़ा है।

गढ़ी निवासी अजीज पुत्र सिद्धिक शेख ने रिपोर्ट में बताया - 25 मई की सुबह वह हिम्मतनगर जाने के लिए गढ़ी बस स्टैंड पर खड़ा था। इसी दौरान बांसवाड़ा निवासी कार ड्राइवर सिकंदर ने हिम्मतनगर छोड़ने की बात कहकर उसे कार में बैठा लिया। हिम्मतनगर पहुंचने पर ड्राइवर ने बताया कि गढ़ी निवासी महिला नीता भाटिया और उसकी बेटी आशमा ने उसकी हत्या के लिए 5 लाख रुपए की सुपारी दी है।

रिपोर्ट के अनुसार ड्राइवर सिकंदर ने अजीज से कहा कि वह उसकी हत्या नहीं करेगा, लेकिन सुपारी की रकम लेने के लिए उसकी फोटो खींचकर दोनों महिलाओं को भेज देगा और कह देगा कि 'काम हो गया'। आरोप है कि नीता भाटिया ने ड्राइवर से कहा था कि शव पर कार चढ़ाकर सिर कुचलने की फोटो भेजना, तभी पैसे मिलेंगे। ड्राइवर ने ऐसा करने से इनकार कर दिया और अजीज को वापस परतापुर लाकर बेड़वा बस स्टैंड पर छोड़ दिया।

अजीज ने बताया कि घर लौटकर उसने बेटी आशमा से इस बारे में पूछताछ की, लेकिन शुरुआत में उसने आरोपों से इनकार किया।

पुलिस में शिकायत की बात कहने पर आशमा ने कथित तौर पर कहा कि वह अपनी मर्जी से जीवन जीना चाहती थी और पिता की रोक-टोक से परेशान थी। पीड़ित का आरोप है कि नीता भाटिया ने आशमा को हत्या के लिए उकसाया और दोनों ने मिलकर सुपारी देने की योजना बनाई।

रिपोर्ट में अजीज ने दावा किया कि हत्या की साजिश के लिए उसकी बेटी ने घर में रखा करीब 55 तोला सोना भी नीता भाटिया को दे दिया। जब उसने घर में जांच की तो आभूषण गायब मिले। उसका आरोप है कि 11 जून को गढ़ी थाने में शिकायत देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने पुलिस अधीक्षक को परिवाद दिया, जिसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच की जिम्मेदारी थानाधिकारी रमेश मीणा को सौंपी गई है।

महिला ने किया सुसाइड

पति ने पड़ोसी युवक पर ब्लैकमेल करने का लगाया आरोप

डीग, 3 जुलाई (एजेंसियां)। डीग जिले के खोह थाना क्षेत्र के निगोही गांव में एक विवाहिता ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका के परिजनों ने पड़ोस में रहने वाले एक युवक पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है, जिसके कारण महिला ने यह कदम उठाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना गुरुवार देर रात की है, निगोही निवासी रेनू ने अपने घर में दुपट्टे से फंदा लगा लिया। ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे फंदे से नीचे उतारा और पति सुनील को सूचना दी।

सुनील जयपुर में रहकर पढ़ाई करने के साथ गाड़ी चलाने का काम करता है। रेनू की शादी 13 दिसंबर 2015 को भरतपुर जिले के केवल नगर निवासी सुनील से हुई थी। इन दोनों के 3 बच्चे है, जिनकी उम्र 8, 4 और 2 साल है। सूचना मिलने पर शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे खोह थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर डीग जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में भिजवाया।

वाह रे शातिर! लूट का सोना गिरवी रख उठा लिया कैश

अजमेर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के पाली जिले की बाली थाना पुलिस ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अजमेर स्थित एक नामचीन गोल्ड लोन कंपनी के दफ्तर पर छापा मारा। पुलिस ने यहां से लूट का वह सोना बरामद कर लिया है, जिसे शातिर बदमाशों ने वारदात को अंजाम देने के बाद यहां गिरवी रख दिया था। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कंपनी के रिकॉर्ड खंगालने के साथ ही कर्मचारियों से भी तीखे सवाल-जवाब किए। हालांकि, पुलिस के आला अधिकारियों ने इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी ने इस पूरी कार्रवाई की परतें खोल दी हैं। बाली थाना प्रभारी परबत सिंह के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम ने मार्टिंडल ब्रिज के सामने स्थित गोल्ड लोन कंपनी के दफ्तर में करीब कई घंटों तक जांच पड़ताल की। पुलिस ने जब कंपनी के कर्मचारियों से पूछा कि उन्होंने बिना किसी खरीद बिल के इतना सारा सोना गिरवी कैसे रख लिया और लोन पास कर दिया? इस पर कंपनी के कर्मचारियों ने सफाई देते हुए कहा कि नियमानुसार गोल्ड लोन देने के लिए पहचान पत्र, पैन कार्ड और अन्य आवश्यक सरकारी दस्तावेज ही अनिवार्य होते हैं। उनके पास लोन देने की एक तय प्रक्रिया है, जिसमें सोने की खरीद का पक्का बिल लेना कानूनी रूप से अनिवार्य नहीं है। इस पूरी पड़ताल के दौरान, पकड़े गए चारों नकाबपोश आरोपी पुलिस की कड़ी निगरानी में बाहर गाड़ी में ही बैठे रहे।

बच्चों की कहासुनी में खूनी संघर्ष युवक की मौत

धौलपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। धौलपुर जिले के मनियां थाना क्षेत्र के विपरपुर गांव में बच्चों के बीच हुई कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। इस विवाद में 21 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस हमले का एक वीडियो भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार दो परिवारों के बच्चे खेल रहे थे, जिनके बीच किसी बात पर कहासुनी हुई।

हनुमान बेनीवाल के काफिले में घुसी कार,समर्थकों ने तोड़फोड़ की

सरिये-डंडों से शीशे तोड़े; सांसद बोले- जिनके पेट में दर्द है, दवाई ले लें

बाड़मेर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल के काफिले के सामने आई कार में समर्थकों ने सरिये, डंडों और लातों से जमकर तोड़फोड़ कर दी। घटना गुरुवार दोपहर बाड़मेर में दांता गांव के पास हुई। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, हालांकि पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है। दरअसल, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल देरासर (बाड़मेर) में जनसभा के लिए जा रहे थे। बाद में जनसभा में बेनीवाल ने घटना का जिक्र करते हुए कहा- लोगों के पेट में यह भी दर्द है कि हनुमान बेनीवाल यहां क्यों घूम रहा है। जिनके पेट में दर्द है, वे दवाई ले लें, उसका इलाज हो जाएगा। सांसद हनुमान बेनीवाल गुरुवार को जोधपुर से बाड़मेर पहुंचे थे। दोपहर करीब 3 बजे सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करने के बाद उनका काफिला देरासर में जनसभा के लिए रवाना हुआ। दांता गांव के पास सामने से आ रही इनोवा कार काफिले के बीच में आ गई।

नए पीसीसीएफ विनय कुमार ने वन मंत्री कोंडा सुरेखा से की मुलाकात

वन संरक्षण और हरित विकास पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नव नियुक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) विनय कुमार ने शुक्रवार को जुबली हिल्स स्थित आवास पर राज्य की वन, पर्यावरण एवं धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मंत्री ने उन्हें नई जिम्मेदारी संभालने पर शुभकामनाएं दीं और वन विभाग के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान राज्य में वन संपदा संरक्षण, वन क्षेत्र विस्तार, जैव विविधता संरक्षण, सामाजिक वानिकी कार्यक्रमों तथा राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी 'वन महोत्सव' कार्यक्रम को सफल बनाने में जनभागीदारी बढ़ाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके अलावा वन विभाग द्वारा संचालित विकास कार्यक्रमों और सरकार के पर्यावरणीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि वन संपदा को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है तथा वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी समन्वय के साथ कार्य कर सरकारी नीतियों को प्रभावी रूप से लागू करें। उन्होंने वन विभाग की गतिविधियों में आधुनिक तकनीक के अधिक उपयोग, वन सुरक्षा उपायों को मजबूत करने, हरित आवरण बढ़ाने तथा वन विकास से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने पर भी जोर दिया। मंत्री ने पीसीसीएफ विनय कुमार को इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सक्रिय कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पीसीसीएफ विनय कुमार ने भरोसा दिलाया कि वन विभाग राज्य सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। उन्होंने वन संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रतिवर्ष पुरस्कार एवं नकद प्रोत्साहन प्रदान करने संबंधी आदेश जारी कराने में पहल करने के लिए मंत्री कोंडा सुरेखा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह कदम तेलंगाना के वन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा और वन कर्मियों की सेवाओं के प्रति सरकार के सम्मान को दर्शाता है। इस दौरान पद से सेवानिवृत्त हो चुकी पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुर्वणा ने भी मंत्री कोंडा सुरेखा से शिष्टाचार भेंट की।

ऑनलाइन ओबीएमएमएस प्रणाली का मंत्री मो. अजहरुद्दीन किया शुभारंभ

तेलंगाना में ईसाई अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं के लिए विशेष पहल

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अल्पसंख्यक कल्याण एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शुक्रवार को तेलंगाना ईसाई अल्पसंख्यक वित्त निगम (टीजीसीएमएफसी) के लिए ऑनलाइन बेनिफिशियरी मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम (ओबीएमएमएस) का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम डॉ.बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में मंत्री के चैंबर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंत्री ने ईसाई अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए सिलाई मशीन योजना तथा पात्र लाभार्थियों के लिए मोटर बाइक, ई-बाइक, स्कूटी, ई-स्कूटर और छोटे व्यवसाय योजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन पोर्टल भी लॉन्च किया। मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार अल्पसंख्यक समुदायों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देंगी और ईसाई अल्पसंख्यक महिलाओं एवं युवाओं के लिए स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करेंगी। कार्यक्रम में सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण सलाहकार मोहम्मद शब्बीर अली, तेलंगाना ईसाई अल्पसंख्यक वित्त निगम के अध्यक्ष डीपक जॉन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के प्रधान सचिव बी. शफीउल्लाह (आईएफएस), निदेशक अब्दुल हमीद (आईएएस), टीजीसीएमएफसी की प्रबंध निदेशक सबिता, हैदराबाद जिला कलेक्टर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

टीएमसी हेडक्वार्टर पर बागी गुट का कब्जा

ताले हटाए, पोस्टर बदले, इनमें ममता की फोटो नहीं, एक दिन पहले पार्टी सिंबल पर दावा किया था

कोलकाता, 3 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी गुट ने शुक्रवार को कोलकाता स्थित पार्टी हेडक्वार्टर पर कब्जा कर लिया। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में गुट ने दफ्तर के ताले बदल दिए और नए पोस्टर लगाए। नए पोस्टर्स में ममता बनर्जी की तस्वीर नहीं थी। हालांकि, अंदर लगी उनकी तस्वीर और कटआउट को नहीं हटाया गया।

ऋतब्रत बनर्जी ने समर्थकों-नेताओं के साथ मुख्यालय में बैठक कर खुद को असली तृणमूल कांग्रेस बताया। उन्होंने कहा कि अब पार्टी का काम यहीं से चलेगा। एक दिन पहले गुरुवार को उनके गुट ने चुनाव आयोग में पार्टी के नाम, चुनाव चिह्न और संगठन पर दावा पेश किया था। विधानसभा चुनाव में हार के बाद 3 जून को टीएमसी के 80 में से 58 विधायक ममता बनर्जी के नेतृत्व से अलग हो गए थे। 22 जून को हुई प्रतिनिधि बैठक में नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और 30 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया था।

ममता समर्थक कुनाल घोष मुख्यालय में घुस नहीं हो पाए :

ममता बनर्जी समर्थक गुट के वरिष्ठ नेता कुनाल घोष कार्यालय पहुंचे, लेकिन गेट पर ताला लगे होने के कारण अंदर नहीं जा सके। उन्होंने कहा कि जो लोग ये दावा कर रहे हैं, वे निर्दलीय चुनाव जीतकर नहीं आए थे। कार्यालय पर कब्जा राज्य प्रशासन और पुलिस की सहमति से किया गया है।

बंगाल चुनाव में हार के बाद बागी गुट ने ऋतब्रत को नेता चुना :

3 जून को टीएमसी में पहली बार बगावत की खबर सामने आई थी। 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र दिया। इसमें मांग की गई कि ऋतब्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए। स्पीकर ने मंजूरी दे दी।

ममता के पास अब 22 विधायक और 17 सांसद बचे :

टीएमसी के पास कुल 28 लोकसभा सांसद थे, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद बचे हैं। राज्यसभा की बात करें तो 13 में से 4 सांसद इस्तीफा दे चुके हैं यानी सिर्फ 9 राज्यसभा सांसद बचे हैं। विधानसभा की बात करें तो टीएमसी ने इस बार के चुनाव में 80 सीटें जीती थीं। इसमें से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। ममता के पास सिर्फ 22 विधायक बचे हैं।

दो तिहाई सदस्य होने पर मिलती है अलग दल की मान्यता :

बागी गुट के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 2 जुलाई को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिलकर खुद को असली टीएमसी के रूप में मान्यता देने की मांग की थी। उन्होंने चुनाव आयोग को पार्टी में हुए संगठनात्मक बदलावों और नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी (एनडब्ल्यूसी) की जानकारी दी थी।

उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों के निर्माण के लिए एक अभूतपूर्व कार्यक्रम : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार विश्व स्तरीय सड़क अवसंरचना उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। यह घोषणा करते हुए सड़क एवं भवन एवं सिनेमाटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने शुक्रवार को अधिकारियों को सभी चल रही परियोजनाओं में तेजी लाने और प्रमुख अवसंरचना कार्यों को समय पर पूरा करने को निर्देश दिया। सचिवालय में अधिकारियों के साथ एक मैराथन समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार ने राज्य भर में उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों के निर्माण के लिए एक अभूतपूर्व

कार्यक्रम शुरू किया है। उन्होंने बताया कि एचएएम सड़क कार्यक्रम के पहले चरण में 34 पैकेजों के तहत लगभग 13,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 6,092 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया जाना है। पैकेज-2 के तहत 42 किलोमीटर लंबी नालगोंडा-महबूबनगर दोहरी सड़क परियोजना का काम पहले ही शुरू हो चुका है, जबकि अन्य 10 पैकेजों का काम जुलाई में शुरू किया जाएगा। अधिकारियों को काम में तेजी लाने और मानसून के बाद रात के समय सहित तीन शिफ्टों में निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजना पूरी हो सके। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण सड़क संपर्क आर्थिक विकास, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के लिए उत्प्रेरक का काम करेगा, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मुख्य इंजीनियरों को प्रत्येक परियोजना के लिए अनुभवी फील्ड इंजीनियरों को तैनात करने और कार्यों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया।

मंत्री ने घोषणा की कि करीमनगर जिले में एचएएम और सीआरएफ सड़क परियोजनाओं की आधारशिला 6 जुलाई को स्थानीय मंत्रियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों की उपस्थिति में रखी जाएगी, और अधिकारियों को सभी प्रारंभिक व्यवस्थाएं पूरी करने का निर्देश दिया। राजेंद्रनगर में नए उच्च न्यायालय परिसर और न्यायाधीशों के आवासीय क्वार्टरों के निर्माण की समीक्षा करते हुए, उन्होंने अधिकारियों को अतिरिक्त जनशक्ति तैनात करके और जमीनी स्तर पर पर्यवेक्षण को मजबूत करके काम की गति में काफी वृद्धि करने का निर्देश दिया।

धोखाधड़ी से बने घर को पुलिस ने किया जब्त

आदिलाबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भीमपुर मंडल के पिपलकोटी गांव में पुलिस ने शुक्रवार को एक घर को जब्त कर लिया, जिसे कथित रूप से धोखाधड़ी से प्राप्त धन से बनाया गया था। पुलिस के अनुसार, अदालत के आदेश पर दर्शनाला राज कुमार उर्फ राज के घर को सील कर कब्जे में लिया गया। आरोपी पर आरोप है कि उसने जादुई शक्तियों का दावा कर खजाने की खोज के नाम पर लोगों से ठगी की थी। जांच में सामने आया है कि आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर 26 लोगों से लगभग 1.03 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। इसी अवैध रकम से उसने घर बनवाया और बाद में उसे अपने माता-पिता को उपहार के रूप में दे दिया। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई अदालत के आदेश के बाद की गई है और मामले की आगे की जांच जारी है।

जन-केंद्रित पुलिसिंग को और मजबूत बनाएगी तेलंगाना पुलिस : डीजीपी

उत्कृष्ट पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने शुक्रवार को डीजीपी कार्यालय में राज्यभर के यूनिट अधिकारियों और थाना प्रभारियों (एसएचओ) के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर तकनीक आधारित जन-केंद्रित पुलिसिंग को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में सीसीटीएनएस, विजिबल पुलिसिंग, फील्ड विज़िट, थानों के निरीक्षण, वाहन जांच, साइबर अपराध, मादक पदार्थ एवं गांजा नियंत्रण, सड़क सुरक्षा, अपराध अनुसंधान तथा पुलिसिंग की गुणवत्ता की विस्तृत समीक्षा की गई। डीजीपी ने कहा कि जनता का विश्वास जीतने के लिए विजिबल पुलिसिंग सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से थानों का दौरा करने, कानून-व्यवस्था एवं अपराधों की समीक्षा करने तथा आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी कैंप कार्यालयों के बजाय अपने नियमित कार्यालयों से कार्य करें, ताकि जनता की पहुंच और जवाबदेही बनी रहे। उन्होंने पुलिसकर्मियों के अनुचित व्यवहार से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लेने, भूमि जैसे दीवानी विवादों में अनावश्यक हस्तक्षेप से बचने तथा सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। डीजीपी ने आधुनिक पुलिसिंग में तकनीक के महत्व पर बल देते हुए सीसीटीएनएस, ई-साक्ष्य (ई-साक्ष्य), आईसीजेएस और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म का अधिकतम उपयोग करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि एफआईआर दर्ज होते ही सभी डिजिटल साक्ष्य ई-साक्ष्य पोर्टल पर अपलोड किए जाएं, जिससे जांच और अभियोजन प्रक्रिया तेज हो सके। उन्होंने बताया कि राज्य में सीसीटीएनएस डेटा अपडेट का कार्य 60 से 70 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। इस कार्य में आदिलाबाद, राजन्ना सिरिसिल्ला और जयशंकर भूपालपल्ली जिले बेहतर प्रदर्शन करने वालों में शामिल हैं। ई-साक्ष्य के उपयोग में भूपालपल्ली, सिद्धिपेट और नलगोंडा अग्रणी रहे, जबकि ई-समन प्रणाली के क्रियान्वयन में कामारेड्डी और वनपर्थी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बैठक में साइबर अपराध पर विशेष चर्चा करते हुए डीजीपी ने कहा कि हैदराबाद के चारों पुलिस आयुक्तालयों में दर्ज होने वाले लगभग 70 प्रतिशत अपराध साइबर अपराध से जुड़े हैं। उन्होंने ऐसे मामलों के त्वरित पंजीकरण, जांच और पुलिसकर्मियों के विशेष प्रशिक्षण पर जोर दिया। डीजीपी ने कहा कि मादक पदार्थों और गांजा के खिलाफ अभियान तेलंगाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने सभी जिला पुलिस इकाइयों को नशा विरोधी अभियान तेज करने तथा शैक्षणिक संस्थानों में एंटी-ड्रग एवं सुरक्षा समितियों को सक्रिय करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि ईगल विंग की ओर से अब तक 825 विद्यार्थियों को जागरूकता, परामर्श और पुनर्वास सहायता प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की 'अराइव अलाइव' सड़क सुरक्षा पहल से सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में कमी आई है।

'इवारा शी राइज कम्युनिटी' की बैठक आयोजित

'इवारा राखी एंड गिफ्ट एक्सपो 2026' का पोस्टर हुआ लॉन्च

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महिला सशक्तिकरण और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली संस्था 'इवारा शी राइज कम्युनिटी' की पहली आधिकारिक बैठक का आयोजन मिनेर्वा कॉफी कैफे में किया गया। इस खास मौके पर कम्युनिटी द्वारा आगामी 'इवारा राखी एंड गिफ्ट एक्सपो 2026' के आधिकारिक पोस्टर का अनावरण किया गया।

यह एक्सपो महिला उद्यमियों को अपने हुनर और प्रोडक्ट्स को प्रदर्शित करने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करेगा। पोस्टर लॉन्च के अवसर पर कम्युनिटी की मुख्य पदाधिकारी और शहर की जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं।

कार्यक्रम के दौरान फाउंडर दीपाली खुशालदासानी और को-फाउंडर शेफाली चोपड़ा ने बताया कि इस कम्युनिटी का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनके बिजनेस को एक नई पहचान देना है। आगामी 'राखी एंड गिफ्ट एक्सपो 2026' इसी दिशा में एक बड़ा कदम है, जहां यूनीक राखी कलेक्शन, गिफ्ट आर्टिकल्स और होम डेकोर से जुड़े कई स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलेगा।

आपातकाल की ज्यादतियों से युवाओं को अवगत कराना जरूरी : एन. रामचंद्र राव

'नलगोंडा जिले के आपातकाल विरोधी संघर्ष सेनानी' पुस्तक का विमोचन

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में लगाए गए आपातकाल की ज्यादतियों और लोकतंत्र पर हुए हमलों की जानकारी विशेष रूप से युवाओं तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। शुक्रवार को नलगोंडा में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए रामचंद्र राव ने चिंता मुत्याला राव द्वारा लिखित पुस्तक 'नलगोंडा जिला इमरजेंसी व्यतिरेका पोराटा योधुलु' (नलगोंडा जिले के आपातकाल विरोधी संघर्ष सेनानी) का विमोचन किया। यह कार्यक्रम आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले योद्धाओं की सेवाओं को स्मरण करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। रामचंद्र राव ने कहा कि आपातकाल लागू किए जाने के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर यह सुनिश्चित करना समाज की

जिम्मेदारी है कि भारतीय इतिहास के इस काले अध्याय की सच्चाई प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय था। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इंदिरा गांधी का चुनाव अमान्य घोषित किए जाने के बाद अपने प्रधानमंत्री पद को बचाने के लिए उन्होंने आपातकाल लागू किया और राजनीतिक विरोधियों, लोकतांत्रिक शक्तियों तथा असहमति की आवाजों को दबाने का प्रयास किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 19 महीनों तक चले आपातकाल के दौरान हुई ज्यादतियों की जानकारी जनता, भावी पीढ़ियों और युवाओं को अवश्य होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इन विषयों को शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में शामिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि देश का वास्तविक इतिहास सामने आ सके। रामचंद्र राव ने आरोप लगाया कि संविधान की भावना की हत्या कांग्रेस पार्टी ने की थी, जबकि भाजपा हमेशा संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए खड़ी रही है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने संविधान का उल्लंघन कर सत्ता को अपने परिवार तक सीमित करने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लोकतांत्रिक संस्थाओं को कुचलने और विरोधी विचारों को दबाने की मानसिकता उस समय भी दिखाई दी थी, जब प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया और स्वतंत्र आवाजों को दबाने की कोशिश की गई।

13 वर्षीय मार्शल आर्टिस्ट ने 10 सेकंड में 105 पंच मारकर बनाया रिकॉर्ड

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की 13 वर्षीय मार्शल आर्टिस्ट नवज्योत सिंह ठाकुर ने एशियन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराते हुए एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने किशोर महिला वर्ग में मात्र 10 सेकंड में 105 बैकफिस्ट पंच मारकर यह रिकॉर्ड बनाया। इस उपलब्धि को मार्शल आर्ट में उनकी गति, सटीकता, अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया जा रहा है। नवज्योत वर्तमान में प्रसिद्ध कराटे ग्रैंडमास्टर हंशी शाश्वत कुमार के मार्गदर्शन में सेनकोउकाई कराटे का प्रशिक्षण ले रही हैं। जानकारी के अनुसार, नवज्योत

अपने गुरु की उपलब्धियों से प्रेरित हुईं, जिन्होंने स्वयं 10 सेकंड में 150 बैकफिस्ट पंच मारने का रिकॉर्ड बनाया था। इसी प्रेरणा के साथ उन्होंने लगातार अभ्यास कर यह उपलब्धि हासिल की।

उनकी सफलता में उनके माता-पिता के सहयोग को भी महत्वपूर्ण माना गया है, जिन्होंने उनकी ट्रेनिंग के दौरान निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन दिया। ग्रैंडमास्टर हंशी शाश्वत कुमार ने नवज्योत की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि यह रिकॉर्ड उनके अनुशासन, कड़ी मेहनत और परिवार के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह उपलब्धि अन्य युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगी। एशियन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इस उपलब्धि को आधिकारिक रूप से मान्यता दी है, जिससे नवज्योत सिंह ठाकुर शहर की सबसे कम उम्र की प्रतिभाशाली मार्शल आर्टिस्टों में शामिल हो गई हैं।

कुंबम में भीषण सड़क हादसा

कुंबम, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार तड़के मार्कपुर जिले के कुंबम क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक ट्रक की टक्कर से शादी समारोह में शामिल चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मार्कपुर के उपमंडल पुलिस अधिकारी यू. नागा राजू ने बताया कि यह दुर्घटना बेंगलुरू राजमार्ग पर रात लगभग 1 बजे हुई। दुल्हन का परिवार एक मंदिर में प्रार्थना करने के लिए रुका था, तभी यह हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार, दुल्हन मंदिर के अंदर पूजा करने गई थी, जबकि परिवार के अन्य सदस्य सड़क किनारे ऑटो रिक्शा के पास इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए एक ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दुल्हन के दो बड़े भाई, एक भाभी और एक चचेरा भाई समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सौभाग्य से दुल्हन मंदिर के अंदर होने के कारण सुरक्षित बच गई। पुलिस के अनुसार, सभी लोग शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे और रास्ते में कुछ देर के लिए मंदिर में रुके थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और चालक की तलाश की जा रही है।

लापता छात्र चाचा के घर से मिला, परिजनों ने जताई चिंता

मंचेरियल, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को चेन्नूर स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले आवासीय विद्यालय से लापता हुआ कक्षा नौ का छात्र शुक्रवार को सुरक्षित मिल गया। अधिकारियों ने बताया कि छात्र दुर्गम हर्षा गुरुवार से न तो कक्षा में आया था और न ही छात्रावास में मौजूद था, जिसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए विद्यालय प्रशासन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और खोज के लिए विशेष टीमें गठित की गईं। जांच के दौरान पुलिस और अधिकारियों ने छात्र को उसके चाचा के घर से बरामद किया। छात्र के मिलने से उसके माता-पिता और परिजनों ने राहत की सांस ली है। हालांकि, इस घटना के बाद अभिभावकों ने सरकारी आवासीय विद्यालयों में छात्रों के लगातार लापता होने पर चिंता जताई है।

तेलंगाना में खरीफ बुवाई में भारी गिरावट

10 लाख एकड़ से अधिक क्षेत्र घटा

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में इस वर्ष चल रहे खरीफ (वानकलम) सीजन में बुवाई के रकबे में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। बारिश में कमी, सिंचाई जल की अनिश्चितता और सरकारी सहायता में देरी को इसका प्रमुख कारण बताया जा रहा है। कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 1 जुलाई 2026 तक राज्य में कुल 33.27 लाख एकड़ क्षेत्र में ही बुवाई हो सकी, जबकि सामान्य खेती योग्य क्षेत्र 132.44 लाख एकड़ है। यह सामान्य के मुकाबले केवल 25.12 प्रतिशत है। वहीं पिछले वर्ष इसी अवधि में 43.48 लाख एकड़ में बुवाई हुई थी, जिससे इस साल लगभग 10.2 लाख एकड़ की गिरावट दर्ज की गई है।

मानसून के दौरान भी बारिश सामान्य से कम रही। 1 जून से 1 जुलाई के बीच राज्य में 123.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि सामान्य औसत 134.7 मिमी है, यानी लगभग 9 प्रतिशत की कमी। इसके साथ ही जलाशयों में पानी का स्तर भी घटकर 338.60 टीएमसीएफटी रह गया, जो पिछले वर्ष 458.15 टीएमसीएफटी था। भूजल स्तर में भी गिरावट दर्ज की गई है। किसानों द्वारा बुवाई में देरी का कारण सिंचाई पानी की कमी के साथ-साथ रायथु भरोसा योजना के तहत मिलने वाली सहायता में देरी, बीज-उर्वरक की अनिश्चित उपलब्धता और मानसून को लेकर असमंजस बताया जा रहा है।

फसलों के आंकड़ों में भी गिरावट देखी गई है। धान की बुवाई घटकर 1.1 लाख एकड़ रह गई है, जो पिछले वर्ष 1.82 लाख एकड़ थी। मक्का का रकबा लगभग आधा होकर 1.03 लाख एकड़ रह गया, जबकि लाल चना भी घटकर 1.43 लाख एकड़ पर आ गया। कपास और सोयाबीन जैसी नकदी फसलों में भी गिरावट दर्ज की गई है। कपास का रकबा 30.69 लाख एकड़ से घटकर 26.83 लाख एकड़ रह गया, जबकि सोयाबीन 2.64 लाख एकड़ से घटकर 1.65 लाख एकड़ पर आ गया। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि जुलाई का महीना खरीफ बुवाई के लिए बेहद अहम होता है, ऐसे में मानसून की प्रगति, सिंचाई व्यवस्था और सरकारी सहायता की गति आने वाले दिनों में खेती के कुल रकबे को तय करेगी।

ताडेपल्ली के युवा शोधकर्ता का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में चयन

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ताडेपल्ली से जुड़े युवा शोधकर्ता वेंकटा श्री कार्तिकेय गट्टुपल्ली का चयन दुनिया के प्रमुख कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन में शोध प्रस्तुत करने के लिए हुआ है। कार्तिकेय, ताडेपल्ली निवासी एस. रामप्रसाद और वैष्णवी के पुत्र हैं और वर्तमान में अमेरिका के नेवादा राज्य के रेनो शहर में तकनीकी उद्यमी के रूप में कार्यरत हैं। उनका शोध पत्र सियोल में आयोजित होने वाले मशीन लर्निंग पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026 की एआई आधारित कानून कार्यशाला में स्वीकार किया गया है। वे अमेरिका में एक कानूनी तकनीक कंपनी के संस्थापक हैं, जो कानूनी बिलों की

जांच और बिलिंग प्रक्रिया में तकनीक का उपयोग करती है। अमेरिका में कानूनी सेवा क्षेत्र अत्यंत बड़ा और जटिल माना जाता है।

उनके शोध में एक नया छोटा कंप्यूटर मॉडल प्रस्तुत किया गया है, जो कानूनी बिलों में अधिक शुल्क और त्रुटियों की स्वचालित पहचान कर सकता है। शोध के अनुसार, यह तकनीक बड़े कंप्यूटर मॉडलों की तुलना में बहुत कम लागत में कार्य कर सकती है। कार्तिकेय ने कहा कि उनका उद्देश्य कानूनी क्षेत्र में उन्नत तकनीक को अधिक सुलभ और किफायती बनाना है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने कार्य के साथ-साथ अपने गृहनगर का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है। यह शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय समीक्षा के बाद चयनित हुआ है और 10 जुलाई को दुनिया भर के विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। कार्तिकेय ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा आंध्र प्रदेश में पूरी की और बाद में उच्च शिक्षा तथा उद्यमिता के लिए अमेरिका चले गए।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टीम इंडिया पहुंची मैनचेस्टर, वैभव से लेकर अभिषेक शर्मा तक खुद अपना सामान ढोते नजर आए खिलाड़ी

मैनचेस्टर, 3 जूलाई (एजेंसियां)। चेस्टर-ले-स्ट्रीट में पहला टी20 मुकाबला भारी बारिश की वजह से रद्द होने के बाद, भारतीय क्रिकेट टीम 4 जुलाई को होने वाले दूसरे टी20 मैच के लिए मैनचेस्टर पहुंच चुकी है। सोशल मीडिया पर भारतीय टीम के कई वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कप्तान श्रेयस अय्यर, ईशान किशन और 15 साल के वैभव सूर्यवंशी सहित सभी खिलाड़ी टीम बस से उतरकर खुद अपना लगेज ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वैभव सूर्यवंशी भी बस से उतरकर अपना भारी-भरकम ट्रॉली बैग खुद खींचते हुए नजर आए। फैंस इस बात से बेहद खुश हैं कि इतने बड़े स्तर पर आने के बाद भी भारतीय खिलाड़ियों में यह सादगी देखने को मिल रही है। इसी बीच बीसीसीआई ने भी भारतीय खिलाड़ी का स्पेशल एडिट पोस्ट शेयर किया है। जिसे फैंस काफी प्यार दिखा रहे हैं।

क्या ओल्ड ट्रैफर्ड में होगा वैभव सूर्यवंशी का ऐतिहासिक डेब्यू?

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही यह 5 मैचों की टी20 सीरीज युवा खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का एक सुनहरा मंच है। क्रिकेट फैंस बेहद बेसब्री से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के इंटरनेशनल डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं। पहले मैच में टीम मैनेजमेंट ने वर्ल्ड कप जीतने वाले अपने सीनियर टॉप-ऑर्डर पर ही भरोसा जताया था, लेकिन पहले मैच में संजू सैमसन और ईशान किशन के सस्ते में आउट होने और फिर ओपनर्स के बीच हुए रनआउट विवाद के बाद, कयास लगाए जा रहे हैं कि शनिवार को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर वैभव को प्लेइंग 11 में मौका दिया जा सकता है।

अभिषेक और श्रेयस के रिकॉर्ड पर टिकी होंगी नजरें

भले ही पहला मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका, लेकिन उस मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने इंग्लिश गेंदबाजों की जमकर बखिया उधेड़ी थी। अभिषेक शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज अर्धशतक जड़ने का रिकॉर्ड बनाया, वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर ने कप्तानी की जिम्मेदारी निभाते हुए अपना पहला शानदार अर्धशतक जड़ा। फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि मैनचेस्टर में मौसम साफ रहेगा और उन्हें दोनों टीमों के बीच एक हाई-वोल्टेज और पूरा 20-20 ओवरों का मुकाबला देखने को मिलेगा।

दोनों टीमों का आधिकारिक स्क्वॉड

भारतीय टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, सुर्यांश शेडगे, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वाशिंगटन सुंदर, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई

इंग्लैंड की टीमः हैरी ब्रुक (कप्तान), फिलिप साल्ट, जोस बटलर (विकेटकीपर), जैकब बेथेल, टॉम बैंटन, सैम करन, विल जैक्स, लियाम डॉसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद, लुक वुड, जॉर्डन कॉक्स, जेम्स कोल्स, रेहान अहमद, सोनी बेकर

हार के बाद जर्मनी टीम में हाहाकार: विश्व कप से बाहर होते ही कोच नागेल्समैन ने छोड़ा पद, दौड़ में कौन आगे

बर्लिन , 3 जूलाई (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में पराग्वे के खिलाफ मिली हार के बाद, जर्मन फुटबॉल संघ (डीएफबी) और जूलियन नागेल्समैन ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। नागेल्समैन की जगह टीम का कोच पद संभालने के लिए जुर्गन क्लॉप का नाम सबसे आगे चल रहा है, जिन्होंने पहले इस पद की दौड़ से खुद को बाहर कर लिया था।

विश्व कप में फिर किया निराश

जर्मनी की हार के बाद नागेल्समैन ने कहा था कि वह कोच के रूप में आगे बढ़ना चाहते हैं। लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि 59 वर्षीय क्लॉप उस टीम की किस्मत बदलने के लिए पहली पसंद होंगे जो 2018 और 2022 के विश्व कप में ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी और मौजूदा फीफा विश्व कप में भी उसने एक बार फिर निराश किया है। जर्मनी टीम ने इससे पहले विश्व कप के पिछले सभी चार पेनल्टी शूटआउट जीते थे। उन्होंने ऐसी सटीक दक्षता दिखाई थी कि सोमवार से पहले तक विश्व कप शूटआउट में पेनल्टी मिस करने वाले एकमात्र जर्मन खिलाड़ी उली स्टिलिके थे, जिन्होंने 1982 के सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ ऐसा किया था। लेकिन बोस्टन की एक गर्म और उमस भरी शाम को यह सब बदल गया। राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में जर्मनी को पराग्वे के खिलाफ उलटफेर का शिकार होकर विश्व कप से बाहर होने का दर्द झेलना पड़ा।

नागेल्समैन का इस्तीफा

विश्व कप की इस नाकामी के गहन विश्लेषण के बाद डीएफबी नेतृत्व ने नागेल्समैन को इस्तीफा देने का सुझाव दिया था। पराग्वे के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 3-4 से मिली हार के बाद डीएफबी अध्यक्ष बर्नड न्युएनडॉर्फ ने कहा, 'इतने बड़े झटके के बाद और आने वाली चुनौतियों को देखते हुए हम इसे सामान्य बात मानकर आगे नहीं बढ़ सकते और न ही बढ़ेंगे।' नागेल्समैन का अनुबंध मूल रूप से 2028 यूरोपीय चैंपियनशिप तक था और इसके तहत उन्हें प्रति वर्ष 80 लाख (8 मिलियन) यूरो तक मिलने थे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि डीएफबी की सलाह पर नागेल्समैन इस्तीफा दे रहे हैं, जिससे वे बर्खास्त होने से बच गए।

जुर्गन क्लॉप हैं पहली पसंद

अब क्लॉप कोच के तौर पर डीएफबी के सबसे पसंदीदा उम्मीदवार हैं। लिवरपूल के पूर्व मैनेजर क्लॉप के साथ नागेल्समैन के उत्तराधिकारी के रूप में जल्द ही बातचीत शुरू होगी। क्लॉप के पास रेड बुल के साथ अनुबंध में इससे बाहर निकलने का विकल्प भी है, जो उन्हें जर्मनी टीम के साथ जुड़ने की अनुमति देता है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने चूर किया घमंड
यूं टूटकर बिखर गई दुनिया की सबसे खूबसूरत फैन

नई दिल्ली, 3 जूलाई (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में पुर्तगाल के हाथों क्रोएशिया की 2-1 से हार के साथ ही एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। इस करारी शिकस्त से जहां एक तरफ क्रोएशिया का वर्ल्ड कप अभियान समाप्त हो गया, वहीं दूसरी तरफ स्टैंड्स में बैठकर अपनी टीम का हौसला बढ़ा रहीं क्रोएशिया की सबसे ग्लैमरस सुपरफैन इवाना नॉल का दिल भी टूट गया। मैच खत्म होने के कुछ ही देर बाद मायूस इवाना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर खाली होते स्टेडियम का एक भावुक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो पर उन्होंने सिर्फ चार शब्द लिखे, 'This was so sad' (यह बहुत दुखद था)। इन चार शब्दों ने टोरंटो के स्टेडियम से लेकर क्रोएशिया तक फैले लाखों फुटबॉल फैंस की मायूसी को पूरी तरह बयां कर दिया।

लकी क्रावाटा का टोटका हुआ फेल, रोनाल्डो ने पलट दी बाजी

मुकाबले से पहले इवाना नॉल का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था। घाना के खिलाफ क्रोएशिया की जीत के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को टैग करते हुए लिखा था, 'क्रोएशिया 2-1 से जीतेगा, बिल्कुल वैसा ही जैसा मैंने भविष्यवाणी की थी। मेरा लकी क्रावाटा भी टोरंटो आ रहा है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो, हमारे लिए तैयार रहना!!!' यहां क्रावाटा का मतलब क्रोएशियाई भाषा में नेकटाई होता है, जिसे क्रोएशिया की सांस्कृतिक पहचान और उनका लकी चार्म माना जाता है। इवाना को पूरा भरोसा था कि जर्मनी और नीदरलैंड्स की तरह इस बार पुर्तगाल का भी पत्ता साफ हो जाएगा, लेकिन मैदान पर उनकी यह भविष्यवाणी पूरी तरह उलटी पड़ गई।

इवाना नॉल ने पुर्तगाल के लिए लगाई इंस्टा स्टोरी

टोरंटो में जब क्रोएशिया ने पहला गोल दागा, तो इवाना ने तुरंत इंस्टाग्राम पर जश्न का वीडियो डाला। लेकिन इसके बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो की कप्तानी वाली पुर्तगाली टीम ने ऐसा पलटवार किया कि इवाना के होश उड़ गए। मैच में 68वें मिनट में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 की बराबरी पर ला दिया। यह रोनाल्डो के करियर का वर्ल्ड कप नॉकआउट स्टेज में पहला ऐतिहासिक गोल था। इसके बाद 94वें मिनट में गोंसालो रामोस ने एक जादुई हेडर के जरिए विजयी गोल दागकर पुर्तगाल को 2-1 से रोमांचक जीत दिला दी और प्री-क्वार्टर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

कतर वर्ल्ड कप से मिली थी पहचान, कौन हैं इवाना नॉल?

इवाना नॉल को दुनिया भर में पहली बार 2022 के कतर फीफा वर्ल्ड कप के दौरान बड़ी पहचान मिली थी। क्रोएशिया के पारंपरिक लाल-सफेद चेक वाले कपड़ों में उनकी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों ने उन्हें रातोंरात सोशल मीडिया सेंसेशन बना दिया था। कई इंटरनेशनल मीडिया हाउस ने उन्हें वर्ल्ड कप की सबसे सेक्सी फैन का दर्जा दिया था। आज इवाना एक मशहूर मॉडल और DJ हैं, जिनके इंस्टाग्राम पर लाखों फॉलोअर्स हैं।

मोड्रिच और रोनाल्डो का भावुक पल हुआ वायरल

इस हार के बाद क्रोएशिया के 40 साल के कप्तान लुका मोड्रिच के वर्ल्ड कप करियर का भी अंत हो गया। पांच वर्ल्ड कप खेल चुके मोड्रिच के लिए यह आखिरी इंटरनेशनल मैच माना जा रहा है। मैच की अंतिम सीटी बजते ही क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपने पूर्व रियल मैड्रिड साथी मोड्रिच के पास गए और उन्हें गले लगाया। रोनाल्डो ने उन्हें फुटबॉल का लीजेंड बताया और दोनों महान खिलाड़ियों का यह भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हो गया।

ग्रैंड चेस टूर क्रोएशिया: पहले दिन आर. प्रग्गनानंदा का शानदार प्रदर्शन, छठे स्थान पर रहे गुकेश

क्रोएशिया, 3 जूलाई (एजेंसियां)। ग्रैंड चेस टूर 2026 के तीसरे इवेंट सुपर रैपिड और ब्लिट्ज क्रोएशिया में भारतीय खिलाड़ियों की शुरुआत अलग-अलग रही। युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रग्गनानंदा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले दिन संयुक्त दूसरे स्थान पर जगह बनाई, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश छठे स्थान पर रहे। प्रग्गनानंदा ने पहले मुकाबले में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर शानदार शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के खिलाफ ड्रॉ खेला। वहीं, दिन के तीसरे और आखिरी राउंड में उनका मुकाबला गुकेश से हुआ, जो ड्रॉ पर खत्म हुआ। पहले दिन के बाद प्रग्गनानंदा के 6 में से 4 अंक हैं और वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। दूसरी ओर, गुकेश का पहला मैच अच्छा नहीं रहा। उन्हें मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के हाथों हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, उन्होंने दूसरे राउंड में इवान सारिक को हराकर शानदार वापसी की। तीसरे राउंड में प्रग्गनानंदा के खिलाफ उनका मुकाबला ड्रॉ रहा। तीन राउंड के बाद गुकेश के 6 में से 3 अंक हैं और वह छठे स्थान पर हैं। रैपिड सेक्शन के अभी छह राउंड और खेले जाने बाकी हैं।

पहले दिन के बाद फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा 5 अंकों के साथ अकेले शीर्ष पर हैं। उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाई। खास बात यह है कि कुछ सप्ताह पहले टखने की चोट के कारण उन्हें रोमानिया में ग्रैंड चेस टूर का एक इवेंट बीच में छोड़ना पड़ा था। अब उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लीड हासिल कर ली है। तीसरे राउंड में उनका मुकाबला अनीश गिरी से ड्रॉ रहा, जिससे उनकी बढ़त बरकरार रही। अन्य मुकाबलों में विंसेंट कीमर ने नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर जीत दर्ज की। वहीं, बोगदान-डैनियल डेक ने इवान सारिक को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की। मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा।

इस टूर्नामेंट में दो प्रारूप खेले जा रहे हैं। पहले 9 राउंड का सुपर रैपिड टूर्नामेंट होगा, जिसमें हर खिलाड़ी को 25 मिनट का समय और हर चाल पर 10 सेकंड का अतिरिक्त समय मिलेगा। इसके बाद 18 राउंड का ब्लिट्ज टूर्नामेंट खेला जाएगा, जिसमें हर खिलाड़ी को 5 मिनट और हर चाल पर 2 सेकंड का अतिरिक्त समय मिलेगा। रैपिड में जीत पर 2 अंक और ड्रॉ पर 1 अंक मिलता है, जबकि ब्लिट्ज में जीत पर 1 अंक और ड्रॉ पर आधा अंक दिया जाता है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बुक में दर्ज हुआ स्पेन के गोलकीपर उनाई साइमन का नाम, विपक्षी टीमों के लिए बने अभेद दीवार

लॉस एंजिलिस, 3 जूलाई (एजेंसियां)। स्पेन के गोलकीपर उनाई साइमन ने फीफा विश्व कप में इतिहास रचते हुए सबसे लंबे समय तक क्लीन शीट रखने का नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। दो विश्व कप को मिलाकर साइमन ने कुल पांच मुकाबलों में कोई गोल नहीं खाया है, जो नया रिकॉर्ड भी है। उनाई साइमन ने अपनी इस खास उपलब्धि के साथ ही 36 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है।

दो विश्व कप मिलाकर बना रिकॉर्ड

दो विश्व कप को मिलाकर साइमन अब तक 519 मिनट तक विपक्षी टीमों के हर हमले को नाकाम करते रहे हैं। उन्होंने यह ऐतिहासिक मुकाम स्पेन को ऑस्ट्रिया के खिलाफ मिली 3-0 की जीत में हासिल किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड इटली के महान गोलकीपर वाल्टर जेंगा के नाम था, जिन्होंने 1990 विश्व कप में 517 मिनट तक गोल नहीं खाया था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इस उपलब्धि की पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि स्पेन के उनाई साइमन ने विश्व कप मैचों में लगातार 519 मिनट तक गोल नहीं खाने का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है।

कैसिलास का रिकॉर्ड भी तोड़ चुके हैं साइमन

साइमन का यह रिकॉर्ड दो विश्व कप को मिलाकर हासिल किया है।

2026 विश्व कप में उन्होंने केप वर्डे, सऊदी अरब, उरुग्वे और ऑस्ट्रिया के खिलाफ कुल 360 मिनट तक क्लीन शीट रखी। इससे पहले 2022 में हुए कतर विश्व कप में भी उन्होंने 159 मिनट तक कोई गोल नहीं खाया था। हालांकि, 2022 में स्पेन का सफर राउंड ऑफ 16 में मोरक्को के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में खत्म हो गया था, लेकिन 120 मिनट के खेल में साइमन ने कोई गोल नहीं होने दिया था, जो उनके मजबूत प्रदर्शन को दिखाता है। उनका आखिरी बार विश्व कप में गोल 2022 में जापान के खिलाफ आया था, जब एओ तनाका ने 51वें मिनट में गोल किया था। इसके बाद से साइमन लगातार गोल रोकते आ रहे हैं। इस उपलब्धि से पहले ही साइमन ने स्पेन के पूर्व दिग्गज गोलकीपर इकर कैसिलास का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया था। कैसिलास ने 2010 और 2014 वर्ल्ड कप में लगातार 476 मिनट तक क्लीन शीट रखी थी।

क्रोएशिया के साथ हुई चीटिंग? पुर्तगाल के खिलाफ गोल को अंपायर ने कर दिया मना, गुस्साए फैंस ने मचाया बवाल

नई दिल्ली, , 3 जूलाई (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 के बेहद हाई-वोल्टेज मुकाबले में फुटबॉल इतिहास का एक और बड़ा VAR विवाद सामने आया है। पुर्तगाल और क्रोएशिया के बीच खेले गए मुकाबले में कुछ ऐसा देखने को मिला जिसने फैंस को हिला कर रख दिया है। पुर्तगाल के खिलाफ अंतिम सेकंडों में बराबरी का गोल दागने के बावजूद क्रोएशिया को स्निको तकनीक के एक बेहद बारीक फैसले के कारण 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। इस विवादास्पद फैसले के बाद क्रोएशियाई टीम का दिल टूट गया और वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

103वें मिनट में हुआ गजब का ड्रामा

मैच में पहला गोल क्रोएशिया के इवान पेरिसिक ने 53वें मिनट में कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई थी। इसके बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी को गोल में बदलकर पुर्तगाल को 1-1 की बराबरी पर ला खड़ा किया। जब मैच एक्स्ट्रा टाइम की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी 94वें मिनट में गोंसालो रामोस ने शानदार हेडर के जरिए गोल दागकर पुर्तगाल को 2-1 से आगे कर दिया। लेकिन असली ड्रामा मैच के आखिरी सेकंडों (103वें मिनट) में हुआ। क्रोएशिया ने एक आखिरी हमला बोला और मारियो पसालिक के पास पर जोसको ग्वार्डियोल ने गेंद को नेट में डाल दिया। क्रोएशियाई खेमे में जश्न का माहौल था और ऐसा लगा कि मैच अब एक्स्ट्रा टाइम में जाएगा।

क्रिकेट जैसी स्निको तकनीक बनी क्रोएशिया की दुश्मन

क्रोनेशिया का यह जश्न ज्यादा देर नहीं टिक सका। मैच की गेंद के अंदर मौजूद स्निको टेक्नोलॉजी, जो बारीक से बारीक टच को डिटेक्ट कर सकती है, उसने रीप्ले में दिखाया कि जब गेंद बॉक्स में आ रही थी, तब क्रोएशिया के इगोर माटानोविच के सिर से गेंद बेहद मामूली रूप से छूकर गुजरी थी। इंसानी आंख से इस टच को देख पाना लगभग असंभव था। माटानोविच के इस टच की वजह से गेंद रिसीव करने वाले मारियो पसालिक ऑफसाइड पोजीशन में आ गए। आमतौर पर ऑफसाइड के फैसलों के लिए मुख्य रेफरी को स्क्रीन पर नहीं बुलाया जाता, लेकिन रेफरी एस्पेन एस्कास खुद मॉनिटर के पास गए और VAR रिव्यू के बाद क्रोएशिया के इस बराबरी के गोल को अमान्य करार दे दिया। इस फैसले के बाद पुर्तगाल ने राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली, जहां अब उनका सामना स्पेन से होगा।

फैंस ने मैदान पर फेंकी बोतलें

इस फैसले से नाराज क्रोएशियाई फैंस का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने विरोध में बीएमओ फील्ड के मैदान पर पानी की बोतलें फेंकनी शुरू कर दीं, जिससे खेल कुछ देर के लिए रुक गया। गोल करने वाले पेरिसिक को खुद फैंस को शांत कराने के लिए जाना पड़ा, जिसके बाद स्टेडियम की बड़ी स्क्रीन पर ऑफसाइड का रीप्ले दिखाया गया। बीबीसी कमेंटेटर्स के अनुसार, रीप्ले दिखाने का मकसद फैंस के गुस्से को शांत करना था ताकि वे देख सकें कि पसालिक तकनीकी रूप से ऑफसाइड थे। इस दर्दनाक हार के बाद क्रोएशियाई खिलाड़ी मैदान पर ही बिखर गए। माटेओ कोवासिच मैदान पर ही फूट-फूटकर रोने लगे, जिन्हें साथियों ने संभाला। सबसे बड़ा झटका क्रोएशिया के 40 साल के महान कप्तान लुका मोड्रिच के फैंस को लगा। पिछले दो वर्ल्ड कप में अपनी टीम को फाइनल और सेमीफाइनल तक ले जाने वाले मोड्रिच के वर्ल्ड कप करियर का इस तरह के एक दर्दनाक मोड़ पर अंत हो गया।

फीफा वर्ल्ड कप: स्पेन ने कटाया राउंड ऑफ 16 का टिकट
एकतरफा मुकाबले में ऑस्ट्रिया को 3-0 से रौंदा

लॉस एंजिल्स, 3 जूलाई (एजेंसियां)। स्पेन ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 16 का टिकट हासिल कर लिया है। राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में स्पेन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराया। स्पेन की ओर से इस मुकाबले में मिकेल ओयारजाबल ने दो गोल किए, जबकि पेड्रो पोरो के अपने देश के लिए पहला गोल किया। साल 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली जीत के बाद स्पेन की यह नॉकआउट मुकाबले में पहली जीत है। टीम का राउंड ऑफ 16 में सामना पुर्तगाल और क्रोएशिया मैच के विजेता से 7 जुलाई को होगा। स्पेन ने मैच की शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। पहले ही मिनट में लामिन यामल ने गोल पर जोरदार शॉट लगााकर टीम के इरादे साफ कर दिए। स्पेन ने अपने दमदार खेल के बूते लगातार ऑस्ट्रिया के डिफेंस पर दबाव डाला। मार्क कुकुरेला को लगा कि उन्होंने कॉर्नर किक से स्पेन को मैच में बढ़त दिला दी है, लेकिन गोलकीपर अलेक्जेंडर श्लेगर पर फाउल के कारण गोल को रेफरी द्वारा अमान्य करार दे दिया गया।

मैच के 36वें मिनट में स्पेन को आखिरकार बढ़त मिली। कुकुरेला ने बाईं ओर से शानदार नीची क्रॉस दी, जिस पर मिकेल ओयारजाबल ने पहली ही कोशिश में गेंद को गोल पोस्ट के अंदर भेज दिया। यह इस टूर्नामेंट में उनका तीसरा गोल रहा। पहले हाफ के अंत तक स्पेन ने कई और मौके बनाए। एलेक्स बेना की फ्री-किक क्रॉसबार से टकरा गई, जबकि यामल के एक और शानदार शॉट को गोलकीपर श्लेगर ने बेहतरीन बचाव करते हुए रोक लिया।

ऑस्ट्रिया को पूरे मैच में बहुत कम मौके मिले। माइकल ग्रेगोरिश और बाद में मैदान पर आए सासा कलाजदजिक दोनों अच्छे मौकों का फायदा नहीं उठा सके। दूसरी ओर, स्पेन ने अपना दबदबा बनाए रखा। दूसरे हाफ में एलेक्स बेना के शानदार क्रॉस पर पेड्रो पोरो ने हेडर से गोल करके टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद डेविड अलाबा ने यामल के एक शॉट को गोल लाइन पर रोक दिया, लेकिन कुछ ही देर बाद ओयारजाबल ने कुकुरेला की एक और शानदार क्रॉस पर अपना दूसरा गोल करके स्पेन की जीत लगभग तय कर दी।

गोलकीपर उनाई साइमन ने पूरे मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक भी गोल नहीं होने दिया। यह वर्ल्ड कप में लगातार उनका पांचवां क्लीन शीट मैच रहा, जिससे उन्होंने 1990 में इटली के गोलकीपर वाल्टर जेंगा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इसके साथ ही साइमन ने वर्ल्ड कप में बिना गोल खाए लगातार 519 मिनट खेलने का नया रिकॉर्ड भी बना दिया। उन्होंने जेंगा के 517 मिनट के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए इतिहास रचा।

एशिया-प्रशांत संसदीय मंच में लैंगिक समानता आधारित शासन की वकालत

भुवनगिरि सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने अपने विचार रखे

हैदराबाद/ मनीला, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरि लोकसभा क्षेत्र के सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित एशिया-प्रशांत संसदीय मंच में भाग लेते हुए एशिया-प्रशांत क्षेत्र में लैंगिक न्याय आधारित शासन (जेंडर-जस्ट गवर्नेंस) विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण केवल सामाजिक न्याय का प्रश्न नहीं है, बल्कि मजबूत लोकतंत्र, समावेशी शासन और सतत आर्थिक विकास की आधारशिला भी है।

अपने संबोधन में सांसद ने भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए संचालित विभिन्न कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए आंगनवाड़ी सेवाओं, पंचायतों में महिलाओं के लिए आरक्षण तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) की भूमिका को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि इन योजनाओं ने महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। चामला किरण कुमार रेड्डी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर तेलंगाना सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए लागू की जा रही योजनाओं का भी विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने महालक्ष्मी निःशुल्क बस यात्रा योजना, महिला स्वयं सहायता समूहों के सुदृढ़ीकरण तथा स्थानीय निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने जैसे कदमों की जानकारी दी। उन्होंने एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों से महिलाओं द्वारा किए जाने वाले देखभाल संबंधी कार्यों को उचित मान्यता देने, महिलाओं के राजनीतिक नेतृत्व को अधिक प्रोत्साहन प्रदान करने तथा जेंडर-रेस्पॉन्सिव बजटिंग के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। सांसद ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को बढ़ावा दिए बिना समावेशी विकास की परिकल्पना संभव नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लैंगिक समानता को शासन व्यवस्था के केंद्र में रखा जाना चाहिए ताकि समाज के सभी वर्गों को समान अवसर मिल सकें।

तेलंगाना आंदोलनकारियों के कल्याण पर परामर्श प्रक्रिया शुरू करेगी समिति

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आंदोलनकारियों की पहचान कर उनके कल्याण के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर राज्य सरकार को सिफारिशें देने हेतु गठित समिति 6 जुलाई से व्यापक स्तर पर परामर्श कार्यक्रम शुरू करेगी। राज्य सरकार ने जीओ संख्या 679 के तहत इस समिति का गठन किया है। वरिष्ठ नेता के. केशवराव की अध्यक्षता में गठित इस समिति में मंत्री पोन्नम प्रभाकर, एमएलसी प्रोफेसर कोदंडराम, अद्दांकी दयाकर, रामुलु नायक और मोथे शोभन रेड्डी सदस्य के रूप में शामिल हैं। समिति द्वारा चलाया जाने वाला यह परामर्श कार्यक्रम लगभग दो सप्ताह तक जारी रहेगा। समिति की पहली बैठक 6 जुलाई को आयोजित होगी, जिसमें तेलंगाना आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले उस्मानिया विश्वविद्यालय छात्र संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के नेताओं से चर्चा की जाएगी। इसके बाद 7 जुलाई को काकतिया विश्वविद्यालय छात्र जेएसी के नेताओं के साथ बैठक होगी। वहीं 8 जुलाई को विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र जेएसी प्रतिनिधियों तथा विभिन्न छात्र संगठनों के पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा।

पुलिस ने 36 घंटे में घर में हुई बड़ी चोरी का किया खुलासा

चोरी के 7.70 लाख रुपये बरामद

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणगुडा पुलिस ने एक गंभीर घर चोरी के मामले को मात्र 36 घंटे के भीतर सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और चोरी की गई पूरी नकदी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता अमित अग्रवाल ने 1 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके घर में रखे करीब 7,70,000 रुपये गायब हो गए हैं। उन्होंने बताया कि उनका घर दिसंबर 2025 से मरम्मत के अधीन है और इस दौरान उन्होंने यह नकदी अपनी पत्नी के पर्स में रखकर पहली मंजिल के लकड़ी के अलमारी में रखी थी। जांच में सामने आया कि 30 जून की सुबह नकदी सुरक्षित थी, लेकिन उसी दिन शाम के समय घर में काम चल रहा था और आवाजाही भी थी। रात में जांच करने पर नकदी गायब पाई गई, जिसके बाद शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीसीटीवी फुटेज की जांच, तकनीकी साक्ष्य और घर में काम कर रहे श्रमिकों से पूछताछ शुरू की। तकनीकी इनपुट के आधार पर पुलिस ने 3 जुलाई 2026 को सुबह लगभग 10:20 बजे आरोपी दीपेश खाती (उम्र 19 वर्ष), निवासी ओल्ड बोवेनपल्ली, सिकंदराबाद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कमरे से चोरी की गई पूरी नकदी बरामद कर ली। गिरफ्तार आरोपी दीपेश खाती पेशे से कारपेंटर है और मूल रूप से राजस्थान के जोधपुर जिले के एक गांव का निवासी बताया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि वह घर में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान वहीं काम कर रहा था और उसी दौरान उसने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस उपायुक्त, खैरताबाद ज़ोन ने बताया कि तकनीकी जांच और त्वरित कार्रवाई के कारण यह मामला मात्र 36 घंटे में सुलझा लिया गया और पूरी नकदी सुरक्षित बरामद कर ली गई।

रेल हादसे में दंपति की मौत, जांच में जुटी जीआरपी

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल-मल्काजगिरी जिले के घटकेसर रेलवे स्टेशन के समीप गुरुवार रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक दंपति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों ने कथित रूप से आत्महत्या की है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। मृतकों की पहचान वारंगल जिले के चेन्नारावपेट मंडल के पापैयापेट गांव निवासी रविकुमार और उनकी पत्नी शिरीषा के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। दंपति की अचानक मौत की खबर से पापैयापेट गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है और सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। जीआरपी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मृतकों के परिजनों और अन्य संबंधित लोगों से जानकारी जुटा रही है।

अंतरराज्यीय शिशु अपहरण गिरोह का किया भंडाफोड़

एक माह की बच्ची सुरक्षित बरामद

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चंदानगर पुलिस ने एक माह की बच्ची के अपहरण से जुड़े अंतरराज्यीय गिरोह का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और अपहृत शिशु को सुरक्षित बरामद कर उसकी मां को सौंप दिया। इस कार्रवाई ने एक संगठित बाल तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है, जो राज्यों के बीच सक्रिय था। यह घटना 30 जून 2026 की है, जब शिकायतकर्ता मालन बोउरव शांताबाई, उम्र लगभग 25 वर्ष, जो कर्नाटक के बीदर जिले की रहने वाली और एक सर्कस कर्मी हैं। उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

उन्होंने बताया कि 30 जून की तड़के लगभग 2 बजे लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन के पास फुटपाथ पर सोते समय कुछ अज्ञात लोग ऑटो-रिक्शा में आए और उनकी गोद से एक माह की बच्ची को जबरन छीनकर फरार हो गए। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर उन्होंने पीछा करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी भागने में सफल रहे। शिकायत के आधार पर चंदानगर पुलिस ने मामला दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2), 97 सहपठित 3(5) तथा किशोर न्याय अधिनियम की धारा 84 के तहत जांच शुरू की। इसके बाद एसीपी आरसी पुरम डिवीजन सी.एच. वाई. श्रीनिवास के नेतृत्व में तीन विशेष पुलिस टीमें गठित की गईं।

लगातार तीन दिनों तक साइबराबाद, मलकाजगिरी और हैदराबाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और तकनीकी जांच के आधार पर सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए बच्ची को सुरक्षित बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद जुबेर, मोहम्मद इरफान, सादेका मकसूद उर्फ नाजिया, निम्मी जहां अली उर्फ सीमा अली, और रहाना अली शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि यह पूरा मामला एक संगठित साजिश का हिस्सा था, जिसमें बच्ची की अवैध बिक्री की योजना बनाई गई थी। जांच के अनुसार आरोपी जुबेर और इरफान ने मिलकर बच्ची के अपहरण की साजिश रची और 30 जून की रात लगभग 2 बजे सो रही मां की गोद से बच्ची को उठाकर फरार हो गए। बाद में बच्ची को नाजिया के घर ले जाया गया और आगे की डीलिंग की गई। इसी दौरान कोलकाता निवासी रहाना अली, जिनके कोई संतान नहीं थी। उसने बच्ची को गोद लेने के नाम पर 1.50 लाख रुपये ऑनलाइन भुगतान भी किया था। पुलिस ने बताया कि 1 जुलाई को आरोपी रहाना अली अपनी मौसी सरवरी के साथ कोलकाता से हैदराबाद पहुंची थी ताकि बच्ची को अपने कब्जे में ले सके।

लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए पूरे गिरोह को गिरफ्तार कर लिया और बच्ची को सुरक्षित बचा लिया। पुलिस ने बताया कि यह एक अंतरराज्यीय बाल अपहरण और तस्करी गिरोह था, जिसे समय रहते ध्वस्त कर दिया गया। साइबराबाद पुलिस आयुक्त ने इस सफल ऑपरेशन के लिए जांच टीमों की सराहना की है और इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

साइबराबाद पुलिस ने शुरू किया 'ऑपरेशन मुस्कान-12'

लापता और श्रम में फंसे बच्चों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने शुक्रवार को साइबराबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय के सभागार में 'ऑपरेशन मुस्कान-12' को लेकर एक समन्वय बैठक आयोजित की। यह अभियान लापता बच्चों का पता लगाने, भीख मांगने वाले बच्चों, कचरा बीनने वाले बच्चों, बाल श्रमिकों, बाल तस्करी के शिकार बच्चों तथा बंधुआ मजदूरी में फंसे बच्चों की पहचान कर उन्हें बचाने और पुनर्वासित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। साइबराबाद पुलिस 1 जुलाई से 31 जुलाई तक 'ऑपरेशन मुस्कान-12' का संचालन कर रही है। अभियान के तहत बेघर बच्चों, बाल श्रम में धकेले गए बच्चों तथा भीख मांगने और कचरा बीनने वाले बच्चों को बचाकर उनका पुनर्वास किया जाएगा। इसके लिए उपनिरीक्षक, चार पुलिस कांस्टेबलों और एक महिला पुलिस कांस्टेबल को शामिल करते हुए सात विशेष टीमों का गठन किया गया है। बैठक में महिला एवं बाल सुरक्षा विंग की पुलिस उपायुक्त के. सृजना ने बताया कि लापता बच्चों, अज्ञात बच्चों तथा विभिन्न कारणों से परिवारों से बिछड़े बच्चों की पहचान के लिए 'दर्पण' नामक फेसियल रिकग्निशन सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह तकनीक बच्चों की पहचान और उनके परिवारों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। महिला एवं बाल सुरक्षा विंग की पुलिस उपायुक्त के. सृजना पूरे अभियान की निगरानी करेंगी। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) के निरीक्षक पी. यदैया गौड़ ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान-12 जुलाई माह के अंत तक जारी रहेगा और इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों का सहयोग लिया जाएगा। पुलिस ने पूर्व मामलों के आंकड़ों के आधार पर उन क्षेत्रों और हॉटस्पॉट्स की पहचान की है, जहां बच्चों को जबरन श्रम में लगाए जाने की आशंका अधिक है। इन क्षेत्रों में विशेष टीमें संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर बचाव और पुनर्वास कार्य संचालित करेंगी।

बैठक में साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश, पुलिस उपायुक्त के. सृजना, एसीपी एस. कृष्ण प्रसाद, मेडकल जिला बाल कल्याण समिति के राजा रेड्डी, संगारेड्डी श्रम विभाग की सहायक आयुक्त डी. साहिति, रंगारेड्डी जिला बाल संरक्षण अधिकारी प्रवीण कुमार, मेडचल-मलकाजगिरी जिला बाल संरक्षण अधिकारी इम्तियाज, संगारेड्डी जिला बाल संरक्षण अधिकारी रत्नम, बाल कल्याण समिति सदस्य जी. वेंकटेशम, चिकित्सा अधिकारी हलीम, निरीक्षक पी. यदैया गौड़ तथा विभिन्न विभागों के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. एम. रमेश ने सभी संबंधित विभागों से ऑपरेशन मुस्कान-12 के सफल संचालन के लिए पूर्ण सहयोग और समन्वय बनाए रखने की अपील की। बैठक में मौजूद सभी विभागीय अधिकारियों ने अभियान को सफल बनाने के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

कांग्रेस मंत्रियों की चुनौतियां नहीं, पलायन की रणनीति हैं : वेमुला प्रशांत रेड्डी

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बालकोंडा विधायक और पूर्व मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कांग्रेस सरकार, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और राज्य मंत्रियों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा दिए गए राजनीतिक चुनौती के बयान अंततः पलायन की रणनीति साबित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बहस की चुनौती देने वाले कांग्रेस मंत्री आखिरकार पुलिस का सहारा लेकर चर्चा से बच निकले। तेलंगाना भवन में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कहा कि राज्य में हाल ही में चली राजनीतिक चुनौतियों की पूरी प्रक्रिया ने कांग्रेस मंत्रियों की अक्षमता और खोखलेपन को जनता के सामने उजागर कर दिया है।

उन्होंने दावा किया कि बीआरएस नेताओं को बहस की चुनौती देने वाले कांग्रेस मंत्री आखिर में चर्चा के लिए सामने नहीं आए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उनकी स्थिति फिल्म साई में अभिनेता वेणु माधव द्वारा निभाए गए नल्ला बालू के किरदार जैसी हो गई है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि जिस तरह फिल्म में वह पात्र बड़े-बड़े दावे करता है और अंत में पराजित हो जाता है, उसी तरह के. टी. रामाराव (केटीआर) और टी. हरीश राव के सवालों के सामने कांग्रेस नेतृत्व की पूरी रणनीति विफल हो गई। प्रशांत रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने स्वयं ही सेल्फ गोल किया है।

उन्होंने कहा कि चर्चा की चुनौती देने के बाद उससे पीछे हटना कांग्रेस नेतृत्व की कमजोरी को दर्शाता है। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले वर्ष 8 जुलाई को केटीआर द्वारा प्रेस क्लब में बहस की चुनौती दिए जाने के बावजूद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी वहां नहीं पहुंचे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि 2018 के विधानसभा चुनाव में कोडंगल से हारने पर राजनीति छोड़ने की बात कहने वाले रेवंत रेड्डी बाद में लोकसभा चुनाव लड़ने मैदान में उतर गए। उनके अनुसार वादों से पीछे हटना मुख्यमंत्री की राजनीतिक शैली बन चुकी है।

वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कहा कि पूर्व मंत्री हरीश राव और आर. एस. प्रवीन कुमार को चर्चा में भाग लेने से रोकने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि हरीश राव को हिरासत में लेकर डीसीएम वाहन में पूरे शहर में घुमाया गया और बाद में कंचनबाग पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार पर भी निशाना साधते हुए प्रशांत रेड्डी ने कहा कि उन्हें एक जिम्मेदार केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी कांग्रेस सरकार पर दबाव बढ़ता है, तब बंडी संजय बीआरएस पर आरोप लगाने के लिए सामने आते हैं।

ऐतिहासिक गोदावरी रेलवे पुल के पुनर्वास में बड़ी सफलता

रेल यातायात को बिना बाधित किए 500 हैंगर केबल बदले

विजयवाड़ा, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण तटीय रेलवे ने राजमंड्री स्थित ऐतिहासिक गोदावरी बो स्ट्रिंग आर्च रेलवे पुल (पुल संख्या-248) के पुनर्वास कार्य में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रेलवे ने पुल पर लगे कुल 672 जंगग्रस्त हैंगर केबलों में से 500 केबलों को सफलतापूर्वक बदल दिया है, जिससे परियोजना का 74.4 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। विशेष बात यह है कि यह पूरा कार्य रेल यातायात को बिना बाधित किए किया जा रहा है, जो भारतीय रेलवे में अपनी तरह का पहला प्रयास माना जा रहा है।

विजयवाड़ा-विशाखापट्टनम रेलखंड पर स्थित इस व्यस्त पुल के पुनर्वास के तहत पुराने डीआईएनए हैंगर केबलों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप आधुनिक और जंगरोधी केबल प्रणाली से बदला जा रहा है। इसके साथ ही पुल के कुल 28 स्पैन में से 20 स्पैन का कार्य भी पूरा कर लिया गया है, जो कुल कार्य का 71.4 प्रतिशत है। इस दौरान यात्री और मालगाड़ियों की आवाजाही निर्बाध रूप से जारी रही।

भारतीय रेलवे की सबसे जटिल पुल पुनर्वास परियोजनाओं में शामिल इस कार्य में केबल बदलने की प्रत्येक प्रक्रिया रेल परिचालन जारी रखते हुए और पुल की संरचनात्मक स्थिरता बनाए रखते हुए पूरी की जा रही है। इस तकनीक का डिजाइन इटली के अंतरराष्ट्रीय केबल-स्टे ब्रिज विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया है तथा परियोजना में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई के इंजीनियरों का भी निरंतर सहयोग लिया जा रहा है। इससे पुल की सुरक्षा, मजबूती और सेवा अवधि में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। परिसंपत्ति सुरक्षा और पूर्वानुमान आधारित रखरखाव को मजबूत करने के लिए दक्षिण तटीय रेलवे ने पुल पर अत्याधुनिक ब्रिज हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम (बीएचएमएस) भी शुरू किया है। ऑस्ट्रेलिया के विशेषज्ञों के सहयोग से 272 से अधिक स्मार्ट सेंसर लगाए गए हैं, जो चौबीसों घंटे पुल की संरचनात्मक गतिविधियों की रियल टाइम निगरानी कर रहे हैं। यह क्लाउड आधारित प्रणाली आर्च की गतिविधि, हैंगर केबलों पर पड़ने वाले बल, डेक के व्यवहार, हवा के प्रभाव और पर्यावरणीय परिस्थितियों का लगातार विश्लेषण करती है। इसके लिए राजमंड्री की ओर पुल के पास एक स्थायी बीएचएमएस प्रयोगशाला भी स्थापित की गई है, जिससे समय रहते चेतावनी और सक्रिय रखरखाव सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मोहित सोनाकिया ने कहा कि ऐतिहासिक गोदावरी आर्च पुल पर 500 हैंगर केबलों का सफल प्रतिस्थापन और वह भी रेल परिचालन को बिना प्रभावित किए, रेलवे इंजीनियरों और फील्ड टीमों की उत्कृष्ट तकनीकी क्षमता तथा समर्पण का प्रमाण है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.